IFFCO
Wholly owned by Cooperatives

इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड
INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED
IFFCO Sadan, C-1, District Centre, Saket Place, New Delhi - 110017
Web : www.iffco.coop, www.iffco.in • Blog : www.iffcolive.com

Follow us :

/iffco.coop @iffco_pr @iffco.coop YouTube/IFFCOindia

Annual Report वार्षिक रिपोर्ट 2020-2021 53

कृषि में क्रांति लाने और जलवायु परिवर्तन से लड़ने की शक्ति।
Power to revolutionise farming and fight climate change.

NANO TECHNOLOGY
NANO UREA

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड
INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED

"मानव जाति के लिए सदी का नवोन्मेष"
"Innovation of the century for the mankind"

इफको नैनो यूरिया-तरल
IFFCO Nano Urea-Liquid

सामान्य यूरिया से 10 प्रतिशत कम मूल्य, अधिक आय व स्वस्थ मृदा
10% Less Price than Urea, More Income and Healthy Soil

देश के किसानों को समर्पित
Dedicated to the Nation's Farmers

पर्यावरण हितैषी-स्वच्छ हवा, मिट्टी और जल
Environment friendly-healthy air, soil and water

आर्थिक दृष्टि से लाभप्रद
Economically beneficial

किसानों के लिए बेहतर उत्पादन, पैदावार और मुनाफा
Increases production, crop productivity and farmer profitablility

एक बोतल एक बोरी यूरिया के बराबर
One bottle will replace one bag of Urea

परिवहन में आसानी, परिवहन शुल्क में कटौती
Easy to transport and reduces logistics cost

किसान की आय में वृद्धि। आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में सार्थक कदम
Increases farmers' income. Step in the direction of Aatmanirbhar Bharat and Aatmanirbhar Krishi

पर्यावरण अनुकूल इफको नैनो यूरिया (तरल) संतुलित एवं टिकाऊ खेती के लिए उर्वरक

इफको ने पारंपरिक यूरिया के असंतुलित और अत्यधिक प्रयोग की समस्या से निजात पाने के लिए नैनो टेक्नोलॉजी आधारित नैनो यूरिया (तरल) उर्वरक का विकास किया है। इस नैनो उर्वरक को स्वदेशी तरीके से विकसित किया गया है। इसे दुनिया में पहली बार प्रोपराइटरी पेटेंट टेक्नोलॉजी के माध्यम से इफको–नैनो बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर (एनबीआरसी) कलोल, गुजरात में बनाया गया है। नैनो यूरिया (तरल) पौधे की समुचित वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक प्रमुख पोषक तत्व नाइट्रोजन का एक स्रोत है। नाइट्रोजन किसी पौधे में मौजूद अमीनो एसिड, एंजाइम, आनुवंशिक सामग्री (डीएनए–आरएनए), प्रकाश संश्लेषक वर्णक (क्लोरोफिल) और ऊर्जा हस्तांतरण यौगिकों (एटीपी–एडीपी) का एक प्रमुख घटक है। आमतौर पर, एक स्वस्थ पौधे में नाइट्रोजन की मात्रा 1.5% से 4% तक होती है। नैनो यूरिया (तरल) का पत्तों के माध्यम से अनुप्रयोग करने से पौधे के महत्वपूर्ण फसल विकास चरणों में उसकी नाइट्रोजन आवश्यकता की पूर्ति असरदार ढंग से होती है, जिससे पारंपरिक यूरिया की तुलना में फसल की पैदावार अधिक मिलती है।

- पर्यावरण हितैषी, स्वच्छ हवा, मिट्टी और जल
- आर्थिक दृष्टि से लाभप्रद
- किसानों के लिए बेहतर उत्पादन, पैदावार और मुनाफा
- एक बोतल एक बोरी यूरिया के बराबर
- परिवहन में आसानी, परिवहन शुल्क में कटौती
- किसान की आय में वृद्धि। आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में सार्थक कदम

आज दुनिया भर में कृषि व्यापक चुनौतियों का सामना कर रही है, जैसे कि फसल की पैदावार में ठहराव, कम पोषक तत्व उपयोग दक्षता (एनयूई), मिट्टी के कार्बनिक पदार्थों की गिरावट, बहु–पोषक तत्वों की कमी, कृषि योग्य भूमि का सिकुड़ना और पानी की उपलब्धता। भूमि और जल संसाधनों की कमी और गिरावट से निरंतर बढ़ती जनसंख्या के समक्ष भोजन, आजीविका और पोषण सुरक्षा की गंभीर चुनौती उत्पन्न होती है। नैनो टेक्नोलॉजी से ऐसे अति–छोटे कणों को डिजाइन करने में मदद मिलती है जिनमें भारी समकक्षों की तुलना में बेहतर पृष्ठ क्षेत्र–आयतन अनुपात, ऑप्टोइलेक्ट्रोनिक और भौतिक रासायनिक गुणों में वृद्धि जैसे असाधारण गुण होते हैं। नैनो उर्वरकों का अनुप्रयोग अब पौधे की वृद्धि और विकास को गति देने के लिए एक आशाजनक रणनीति के रूप में उभर रहा है। सटीक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों में जल, उर्वरक और अन्य इनपुट का कुशलतापूर्वक उपयोग होता है। यह अपशिष्ट, पर्यावरण प्रदूषण और ऊर्जा की खपत को कम करके कृषि को अधिक टिकाऊ बनाता है।

उर्वरक पौधों को इष्टतम उत्पादकता के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करते हैं। किसान आमतौर पर उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी के जरिये सतह पर छिड़ककर या उपसतह के अंदर डालकर या फिर सिंचाई जल में मिलाकर करते हैं। हालांकि, यूरिया जैसे पारंपरिक उर्वरकों का एक बड़ा हिस्सा वायुमंडल या सतह के जल निकायों में मिलकर बर्बाद हो जाता है, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र प्रदूषित होता है। अतिरिक्त नाइट्रोजन NH_3 के रूप में वोलीटाइज होकर या N_2O (एक ग्रीनहाउस गैस) या NO के रूप में या NO_3 लीचिंग के माध्यम से उत्सर्जित होकर या जल निकायों में बहकर बर्बाद हो जाता है। इसका परिणाम यूट्रोफिकेशन और नाइट्रेट संदूषण के रूप में सामने आता है।

नैनो स्केल बनावट और पृष्ठ क्षेत्र – आयतन अनुपात का फायदा इफको नैनो यूरिया (तरल) को अधिक असरदार बनाता है। इस प्रकार, पौधे की नाइट्रोजन आवश्यकता को पूरा करने के लिए पारंपरिक यूरिया उर्वरक की तुलना में इसकी कम मात्रा की आवश्यकता होती है। आईसीएआर के अनुसंधान संस्थानों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों और किसानों के जरिये अखिल भारतीय स्तर पर 11,000 से अधिक स्थानों और 40 से अधिक फसलों पर कराये गये प्रभावकारिता परीक्षण में यह सिद्ध हुआ है कि नैनो यूरिया (तरल) न केवल फसल उत्पादकता को बढ़ाता है बल्कि यह पारंपरिक यूरिया की आवश्यकता को 50% तक कम कर सकता है। यही नहीं, नैनो यूरिया (तरल) के उपयोग से उपज, बायोमास, मृदा स्वास्थ्य और उपज की पोषण गुणवत्ता में भी सुधार होता है।

भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के दिशा निर्देशों के साथ–साथ ओईसीडी द्वारा विकसित अंतरराष्ट्रीय दिशानिर्देशों, जिन्हें विश्व स्तर पर अपनाया और स्वीकार किया जाता है, के अनुसार जैव विविधता और विषाक्तता के लिए नैनो यूरिया (तरल) का परीक्षण किया गया है। नैनो यूरिया (तरल) प्रयोग के लिए अनुशंसित स्तरों पर मनुष्यों, जानवरों, पक्षियों, प्रकंद जीवों और पर्यावरण के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है। भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने अपने उर्वरक नियंत्रण आदेश (एफसीओ) के तहत इफको नैनो यूरिया (तरल) को एक नैनो उर्वरक के रूप में अधिसूचित किया है।

ENVIRONMENT FRIENDLY IFFCO NANO UREA (Liquid) FERTILIZER FOR PRECISION AND SUSTAINABLE AGRICULTURE

IFFCO developed nanotechnology based Nano Urea (Liquid) fertiliser to address the imbalanced and excessive use of conventional Urea. This nanofertiliser has been developed indigenously, for the first time in the world at IFFCO - Nano Biotechnology Research Centre (NBRC) Kalol, Gujarat through a proprietary patented technology. Nano Urea (Liquid) is a source of nitrogen which is a major essential nutrient required for proper growth and development of a plant. Nitrogen is a key constituent of amino acids, enzymes, genetic materials (DNA-RNA), photosynthetic pigments (chlorophyll) and energy transfer compounds (ATP-ADP) in a plant. Typically, nitrogen content in a healthy plant is in the range of 1.5 to 4%. Foliar application of Nano Urea (Liquid) at critical crop growth stages of a plant effectively fulfils its nitrogen requirement and leads to higher crop productivity in comparison to conventional urea.

- Environment friendly, healthy air, soil and water
- Economically beneficial
- Increase production, crop productivity and farmer profitability
- One bottle will replace one bag of Urea
- Easy to transport and reduce logistic cost
- Increase farmers' income. Step in the direction of Aatmanirbhar Bharat and Aatmanirbhar Krishi

World over, agriculture is facing a wide spectrum of challenges, such as stagnation in crop yields, low nutrient use efficiency (NUE), declining soil organic matter, multi-nutrient deficiencies, shrinking arable land and water availability. Depletion and degradation of land and water resources present serious challenge for food, livelihood and nutritional security for the ever growing population. Nanotechnology helps in designing ultra-small particles which have exceptional properties viz. surface area/volume size ratio; enhanced optoelectronic and physicochemical properties in comparison to their bulkier counterparts. Application of nanofertilizers is now emerging as a promising strategy to promote plant growth and development. Precision and sustainable agriculture practices lead to efficient use of water, fertilizer, and other inputs. This makes agriculture more sustainable by reducing the waste, environmental pollution and energy consumption.

Fertilizers provide nutrients needed by the plants for their optimal productivity. Farmers typically apply fertilizers through the soil by either surface broadcasting, subsurface placement, or mixing with irrigation water. However, a large portion of bulk conventional fertilizers like urea is lost to the atmosphere or surface water bodies, thereby polluting the ecosystem. Excess nitrogen is lost through volatilization as NH_3 or emission as N_2O (a greenhouse gas) or NO or through NO_3 leaching or runoff to water bodies leading to eutrophication and nitrate contamination.

IFFCO Nano urea (Liquid) has a dynamic advantage due to its nanoscale morphology and surface area to volume size ratio which makes it more impactful. It is thus, required in lesser measure compared to the conventional urea fertiliser to fulfil plant's nitrogen requirement. All India efficacy trials on over 40 crops by ICAR research institutes, State Agricultural Universities, Krishi Vigyan Kendra, and Farmers at more than 11,000 locations have demonstrated that Nano Urea (liquid) increases crop productivity and can reduce the requirement of conventional Urea by 50%. Further, application of nano urea (liquid) improves yield, biomass, soil health and nutritional quality of the produce.

Nano Urea (liquid) has been tested for biosafety and toxicity as per the guidelines of Department of Biotechnology (DBT), Government of India and international guidelines developed by OECD which are adopted and accepted globally. Nano Urea (liquid) is completely safe for human, animals, birds, rhizosphere organisms and environment at the recommended levels of application. Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, DAC & FW, Government of India, has notified IFFCO Nano Urea (Liquid) as a nanofertilizer under the Fertilizer Control Order (FCO).

इफको नैनो यूरिया (तरल) के कई गुना लाभ हैं:

- पारंपरिक यूरिया की आवश्यकता को 50% या उससे भी अधिक तक कम करता है।
- कम जरूरत और अधिक उत्पादन: नैनो यूरिया (500 मि.ली.) की एक बोतल की क्षमता यूरिया के एक बैग के बराबर है।
- मृदा, वायु और जल की गुणवत्ता में सुधार कर सकने में सक्षम होने के कारण यह पर्यावरण अनुकूल उत्पाद ग्लोबल वार्मिंग की चिंताओं को दूर करने और संयुक्त राष्ट्र के स्थायी विकास लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार है।
- पारंपरिक यूरिया की तुलना में सस्ता है ।
- किसानों की इनपुट लागत कम होने से उनकी आय में वृद्धि होती है।
- फसल उत्पादकता, मृदा स्वास्थ्य और उपज की पोषण गुणवत्ता में सुधार करता है।

इफको नैनो यूरिया की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं –

- नैनो टेक्नोलॉजी द्वारा तैयार नैनो यूरिया में यूरिया के नैनोस्केल कण होते हैं।
- नैनो यूरिया कणों का औसत भौतिक आकार 20–50 नैनो मीटर के बीच है।
- नैनो यूरिया के नैनो फॉर्म में वजन के हिसाब से 4% नाइट्रोजन होता है।
- नैनो यूरिया में मौजूद नाइट्रोजन फसल की नाइट्रोजन आवश्यकता को प्रभावी रूप से पूरा करता है।
- इसमें पारंपरिक यूरिया की तुलना में बेहतर उपयोग क्षमता है।
- नैनो यूरिया अधिकांश फसलों/पौधों में नाइट्रोजन के स्रोत के रूप में इस्तेमाल करने के लिए उपयुक्त है।

इफको द्वारा इस क्रांतिकारी उत्पाद को विकसित करने की पहल पानी की कमी, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, कृषि उत्पादकता और भारत को पौष्टिक आहार के अधिशेष वाला देश बनाने की दृष्टि से जुड़ी कृषि की वर्तमान और भावी चुनौतियों पर आधारित थी। नैनो यूरिया (तरल) के लिए कराये गये क्षेत्र परीक्षणों ने वांछित लक्ष्यों को पूरा करने के साथ–साथ कृषक समुदाय के बीच अपार उत्साह भी पैदा किया।

नैनो यूरिया (तरल) फसल उत्पादकता में सुधार और अवशेष मुक्त, सटीक और टिकाऊ कृषि सुनिश्चित करने के लिए काफी उपयोगी है। इसमें कोई भी सरकारी सब्सिडी शामिल नहीं है। सब्सिडी वाले यूरिया के एक बैग से 10% कम कीमत पर इसे किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। इसका परिवहन आसान और किफायती होगा, क्योंकि प्रभाव की दृष्टि से 500 मिली लीटर की एक बोतल नियमित यूरिया उर्वरक के एक बैग के बराबर है। चूंकि नैनो नाइट्रोजन के कणों को नैनो यूरिया में तरल रूप में फैलाया जाता है, यह फसल की पोषण संबंधी आवश्यकता को पूरा करने के लिए फसल के पत्तों पर छिड़काव करते समय लगभग तुरंत काम करना शुरू कर देता है और पौधों के अंदर नाइट्रोजन को खींचने और अंदर ले जाने के लिए रास्ते भी बनाता चलता है।

नैनो यूरिया (तरल) के उत्पादन की पहली विनिर्माण इकाई के जून 2021 में कलोल, गुजरात में शुरू होने की उम्मीद है। दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश के आंवला और फूलपुर में दो और इकाइयों की स्थापना हो जाने के बाद नैनो यूरिया (तरल) के उत्पादन को और गति मिलेगी तथा कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर प्रति वर्ष 18 करोड़ बोतल (प्रत्येक 500 मिली) तक पहुंच जाएगी। इफको का लक्ष्य तीसरे चरण में 32 करोड़ बोतल का वार्षिक उत्पादन करना है जो 137 लाख मी.टन सब्सिडी युक्त यूरिया को प्रतिस्थापित करेगा । सब्सिडी युक्त यूरिया की वर्तमान दर के अनुसार सरकार को प्रति वर्ष ₹ 27,000 करोड़ सब्सिडी की बचत होगी। आदान लागत में बचत तथा अधिक फसल उत्पादकता के कारण लाभदेयता बढ़ने से किसानों को प्रति वर्ष ₹ 28,000 करोड़ की अतिरिक्त आय होगी। प्रत्यक्ष मौद्रिक लाभ के अतिरिक्त नैनो यूरिया से पर्यावरण को भी लाभ पहुंचेगा क्योंकि किसानों के खेतों में परंपरागत यूरिया के प्रयोग और ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी आएगी ।

IFFCO Nano Urea (liquid) has manifold benefits:

- Reduces the requirement of conventional Urea by 50% or more
- Required less and produces more: Efficacy of one bottle of Nano Urea (500 mL) is equivalent to one bag of urea.
- Environment friendly product, can improve Soil, Air & Water quality thus, helps in addressing the concerns of Global Warming and in meeting the UN Sustainable Development Goals.
- Cheaper than conventional urea.
- Reduce input cost to farmers, leads to increase in farmers' income.
- Improves crop productivity, soil health and nutritional quality of produce.

Major characteristic features of the IFFCO Nano Urea are as follows -

- Nano urea prepared by nanotechnology contains nanoscale particles of Nano Urea.
- Average physical size of Nano Urea particles is in the range of 20 -50 nm.
- Nano Urea contains 4 % nitrogen by weight in its nano form.
- Nitrogen present in Nano Urea effectively meets the crop nitrogen requirement.
- It has better use efficiency than conventional urea.
- Nano Urea is suitable for application as a source of nitrogen for most of the crops/plants.

IFFCO's drive into this revolutionary product was based on the contemporary and future challenges for the agriculture in terms of water scarcity, impact of climate change, farm productivity and contribution towards creating a nutritious food surplus country. Field trials conducted for Nano Urea (liquid), not only met the intended goals but also generated immense enthusiasm among the farming community.

Nano Urea (Liquid) is very useful for improving the crop productivity and for ensuring residue free, precision and sustainable agriculture. It does not involve any government subsidy and will be made available to farmers at a 10% lower price than a bag of subsidised Urea. Transportation would be easier and economical, as one 500 ml bottle would be equivalent to one bag of regular urea fertiliser. Since nano nitrogen particles are dispersed in liquid form in Nano urea, it starts acting almost immediately when sprayed on crop leaves to meet the crop nutritional requirement and also triggers pathways for uptake and assimilation of nitrogen inside the plants.

The first manufacturing facility to produce Nano Urea (liquid) expected to start production by June 2021 at Kalol, Gujarat. The production of Nano Urea (liquid) will get a further boost when two more units planned to set-up at Aonla and Phulpur in Uttar Pradesh, will go on stream in the phase 2, with total production capacity reaching 18 crore bottles (each 500 mL) per annum. IFFCO aims to reach production capacity of 32 crore bottles per annum in its phase 3, which shall replace 137 lakh MT of subsidised Urea. Subsidy saving to GOI as per current rate of subsidised Urea will be Rs 27,000 crore per annum. Farmer's will receive Rs. 28,000 crore worth of additional earning on account of saving's in input cost and incremental benefit due to higher crop productivity. Besides, direct monetary benefits Nano Urea will also lead to environmental benefits on account of reduction in conventional urea application on farmers' field and reduced emission of greenhouse gases (GHGs).

इफको नैनो यूरिया क्षेत्र परीक्षण

IFFCO Nano Urea Farm Trials

कम्बल वितरण अभियान

Blanket Distribution Campaign

इफको के उत्पाद

Neem Coated Urea / नीम लेपित यूरिया
Complex Fertiliser / कॉम्प्लेक्स उर्वरक

Water Soluble Fertilisers / जल विलेय उर्वरक

IFFCO's Product range

Plant Growth Promoter / प्लांट ग्रोथ प्रोमोटर

Micro Nutrients / सूक्ष्म पोषक तत्व

Bio Fertilisers & Other Products / जैव–उर्वरक एवं अन्य उत्पाद

Contents

05 संकल्पना एवं लक्ष्य Vision & Mission

निदेशक मण्डल Board of Directors 20

25 बैंकर्स/लेखा परीक्षक Bankers/Auditors

संयंत्र/इफको एसोसिएट्स Plants/IFFCO Associates 30

35 दस वर्षों की वित्तीय झलकियाँ Ten years Financial Highlights

निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report 45

55 कॉरपोरेट गवर्नेन्स Corporate Governance

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट Auditors' Report 20

लाभ व हानि का विवरण Statement of Profit & Loss 30

टिप्पण Notes 45

उत्पादन एवं बिक्री Production & Sales 45

05 तुलन-पत्र Balance Sheet

25 नकदी प्रवाह का विवरण Cash Flow Statement

35 जोड़े गए मूल्य का विवरण Value Added Statement

संकल्पना और लक्ष्य

संकल्पना

किसानों की आय में निरन्तर वृद्धि के उद्देश्य से उन्हें उत्तम क्वालिटी के उर्वरक उपलब्ध कराना जिससे वे संतुलित उर्वरक उपयोग के द्वारा अपनी कृषि उत्पादकता बढ़ा सकें, पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखना और सहकारी समितियों को आर्थिक और लोकतान्त्रिक रूप से मजबूत बनाना जिससे वे सशक्त ग्रामीण भारत के लिए कृषक समुदाय को उच्च स्तरीय व्यावसायिक सेवाएं उपलब्ध करा सकें ।

लक्ष्य

- किसानों को उचित समय पर और पर्याप्त मात्रा में उत्तम क्वालिटी के उर्वरक उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादकता में वृद्धि करना ।
- संयंत्रों को ऊर्जा दक्ष बनाना और ऊर्जा के संरक्षण के लिए विभिन्न योजनाओं की निरन्तर समीक्षा करना ।
- सामाजिक स्तर को ऊँचा उठाने के उद्‌देश्य से स्वास्थ्य, सुरक्षा, पर्यावरण और वानिकी विकास के प्रति प्रतिबद्धता ।
- सुदृढ़ समाज के निर्माण के लिए सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता ।
- नैतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करते हुए टीम भावना, सशक्तिकरण और मौलिकता की संस्कृति को पोषित करना ताकि कर्मचारियों की क्षमता का निरंतर विकास हो सके और संस्थागत उद्‌देश्यों को प्राप्त किया जा सके ।
- विश्वास, पारदर्शिता और पारस्परिक सरोकार की कार्य संस्कृति विकसित करना जिससे हमारी कार्यप्रणाली हमारे सदस्यों की आकांक्षाओं एवं समय की कसौटी पर खरी उतर सके ।
- श्रेष्ठ मूल्यों को आधार बनाते हुए ऐसा संगठन बनाना जिसका लक्ष्य ग्राहकों को बेहतर और त्वरित सेवाएं प्रदान करना हो। सिद्धांतों और कार्यप्रणाली में सामंजस्य बनाते हुए पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं सत्यनिष्ठा के प्रति प्रतिबद्धता ।
- विश्वसनीय, दक्ष और किफायती प्रौद्योगिकियों का अधिग्रहण करना और उन्हें अपनी कार्यप्रणाली में शामिल करना ।
- कम मूल्य पर फास्फेटिक उर्वरकों का उत्पादन करने के लिए विदेशों में संयुक्त उद्यमों में सहभागिता करके कच्चे माल की व्यवस्था करना ।
- कोर और नॉन–कोर सेक्टरों में विकास सुनिश्चित करना ।
- देश में सहकारिता आन्दोलन को मजबूत बनाने की दिशा में अग्रणी सहकारी समिति के रूप में कार्य करना। संगठन को गतिशील बनाना, नई चुनौतियों के अनुरूप ढालने के लिए सशक्त रणनीति तैयार करना, अपनी पूर्व उपलब्धियों और अनुभवों के आधार पर उपलब्ध अवसरों का समुचित उपयोग करना जिससे अधिकाधिक आय अर्जित की जा सके और सदस्यों को शेयरों का अधिकतम मूल्य प्राप्त हो सके।

Vision & Mission

Vision

To augment the incremental incomes of farmers by helping them to increase their crop productivity through balanced use of energy efficient fertilisers; maintain the environmental health; and to make cooperative societies economically and democratically strong for professionalised services to the farming community to ensure an empowered rural India.

Mission

- To provide to farmers high quality fertilisers in right time and in adequate quantities with an objective to increase crop productivity.
- To make plants energy efficient and continually review various schemes to conserve energy.
- Commitment to health, safety, environment and forestry development to enrich the quality of community life.
- Commitment to social responsibilities for a strong social fabric.
- To institutionalise core values and create a culture of team building, empowerment and innovation which would help in incremental growth of employees and enable achievement of strategic objectives.
- Foster a culture of trust, openness and mutual concern to make working a stimulating and challenging experience for stakeholders
- Building a value driven organisation with an improved and responsive customer focus. A true commitment to transparency, accountability and integrity in principle and practice.
- To acquire, assimilate and adopt reliable, efficient and cost effective technologies.
- Sourcing raw materials for production of phosphatic fertilisers at economical cost by entering into Joint Ventures outside India.
- To ensure growth in core and non-core sectors.
- A true cooperative society committed for fostering cooperative movement in the country. Emerging as dynamic organisation, focussing on strategic strengths, seizing opportunities for generating and building upon past success, enhancing earnings to maximise the shareholders' value.

निदेशक मंडल

अध्यक्ष
बलविन्दर सिंह नकई
Chairman
Balvinder Singh Nakai

उपाध्यक्ष
दिलीप संघाणी
Vice-Chairman
Dileep Sanghani

प्रबंध निदेशक
डॉ. उदय शंकर अवस्थी
Managing Director
Dr. U.S. Awasthi

निदेशक
प्रहलाद सिंह
Director
Prahlad Singh

निदेशक
मांगी लाल डांगा
Director
Mangi Lal Danga

निदेशक
जयेशभाई वी रादड़िया
Director
Jayeshbhai V. Radadiya

निदेशक
डॉ अमित प्रताप सिंह
Director
Dr. Amit Pratap Singh

निदेशक
एम देवेंद्र रेड्डी
Director
M. Devender Reddy

निदेशक
बलवीर सिंह
Director
Balvir Singh

निदेशक
प्रेम चन्द्र मुंशी
Director
Prem Chandra Munshi

निदेशक
सीमाचल पाढी
Director
Simachal Padhy

निदेशक
के श्रीनिवास गौड़ा
Director
K. Srinivasa Gowda

निदेशक
आर. रामचंद्रन
Director
R. Ramachandran

निदेशक
साधना लक्ष्मणराव जाधव
Director
Sadhana Laxmanrao Jadhav

निदेशक
आदित्य यादव
Director
Aditya Yadav

Board of Directors

निदेशक
डॉ एम वी राव
Director
Dr. M. V. Rao

निदेशक
डॉ एम् एन् राजेंद्र कुमार
Director
Dr. M. N. Rajendra Kumar

निदेशक
वाई मधुसूदन रेड्डी
Director
Y. Madhusudhana Reddy

निदेशक
कुंजी लाल मीणा
Director
Kunji Lal Meena

निदेशक
अमरजीत सिंह सामरा
Director
Amarjit Singh Samra

निदेशक
हलप्पा बसप्पा अचार
Director
Halappa Basappa Achar

निदेशक
स्व. प्रमोद कुमार सिंह
Director
Late Pramod Kumar Singh

संयुक्त प्रबंध निदेशक
राकेश कपूर
Joint Managing Director
Rakesh Kapur

निदेशक (मा. सं. एवं विधि)
आर पी सिंह
Director (HR & Legal)
R. P. Singh

निदेशक (स्ट्रैटेजी एवं सयुक्त उद्यम)
मनीष गुप्ता
Director (Strategy & JV)
Manish Gupta

विपणन निदेशक
योगेन्द्र कुमार
Marketing Director
Yogendra Kumar

निदेशक (कारपोरेट सेवाएं)
बिरिन्दर सिंह
Director (Corporate Service)
Birinder Singh

निदेशक (तकनीकी)
जी के गौतम
Director (Technical)
G. K. Gautam

पूर्व-अध्यक्ष/ Ex-Chairman

उदयभान सिंहजी
Udaybhansinhji
March'68-July'73

जसवंत मेहता
Jaswant Mehta
Oct'73-May'75

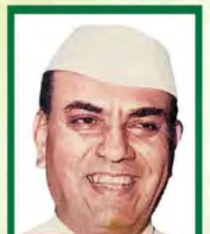
कांतिलाल एफ घिया
Kantilal F. Ghiya
Nov.'75-Oct'77

ब्रह्मकुमार भट्ट
Brahmakumar Bhatt
Oct'77-Feb'81

एम श्रीनिवास रेड्डी
M. Srinivasa Reddy
Feb'81-March'88

घनश्याम सिंह
Ghan Shyam Singh
March'88-March'90

सतबीर सिंह कादियान
Satbir Singh Kadian
March'90-March'92

आर वी गुप्ता
R.V. Gupta
March'92-June'92

पी रामचन्द्र रेड्डी
P. Ramachandra Reddy
July'92-Oct'95

डी पी यादव
D.P. Yadav
Dec'95-Jan'97

सुरेन्द्र कुमार जाखड़
Surinder Kumar Jakhar
Jan'97-June'01
May'04 - Jan'11

के श्रीनिवास गौड़ा
K. Srinivasa Gowda
June'01-May'04

एन पी पटेल
N. P. Patel
Jan'11-May'14

पूर्व-प्रबंध निदेशक/ Ex-Managing Director

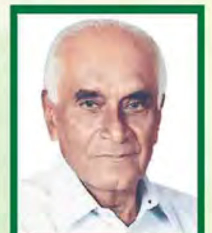
पॉल पोथेन
Paul Pothen
March'68 - July' 80

एल आर तलवार
L.R. Talwar
July'80 - Nov '82

डॉ. जी एस विद्यार्थी
Dr. G. S. Vidyarthi
March'83 - April '83

एम एस चहल
M.S. Chahal
April'83 - Aug '83

एम एच अवधानी
M.H. Avadhani
Aug'83 - March '90

सी पी माथुर
C.P. Mathur
March'90 - April '91

बी एल नारायण
B.L. Narayana
April'91 - Jan '93

कार्यकारी

डी जी इनामदार
वरि. कार्यकारी निदेशक,
कलोल
D G Inamdar
Sr. Executive Director
Kalol

के एन जोशी
कार्यकारी निदेशक,
(वाणिज्यिक) मुख्यालय
K N Joshi
Executive Director
(Comm.) HO

ब्रिगे. सुरेन्द्र कुमार
कार्यकारी निदेशक,
(सु. एवं प्रशा.) मुख्यालय
Brig. Surinder Kumar
Executive Director
(Sec. & Admn.) HO

आई सी झा
कार्यकारी निदेशक,
आंवला
I C Jha
Executive Director
Aonla

ए के गुप्ता
कार्यकारी निदेशक
(आई. टी. सेवाएं) मुख्यालय
A K Gupta
Executive Director
(IT Services) HO

के जे पटेल
कार्यकारी निदेशक
पारादीप
K J Patel
Executive Director
Paradeep

एम एम अहमद
कार्यकारी निदेशक
(अनुरक्षण) फूलपुर
M M Ahmad
Executive Director
(Maint.) Phulpur

नकुल पाठक
कार्यकारी निदेशक (मा. सं.)
मुख्यालय
Nakul Pathak
Executive Director
(HR) HO

राकेश पुरी
कार्यकारी निदेशक (नैनो उर्वरक
परियोजना) आंवला
Rakesh Puri
Executive Director (Nano
Fertilizer Project) Aonla

ए के गर्ग
वरि. महाप्रबंधक (उपयोगिता)
आंवला
A K Garg
Sr. General Manager
(Util.) Aonla

ओ पी दायमा
वरि. महाप्रबंधक
कांडला
O P Dayama
Sr. General Manager
Kandla

टोमजी कलिंगल
वरि. महाप्रबंधक
(परि.) वि. मु.
Tomgee Kallingal
Sr. General Manager
(Tpt.) MKCO

Executives

सुरेश गोयल
वरि. महाप्रबंधक (वित्त व लेखा)
पारादीप
Suresh Goyal
Sr. General Manager
(F&A) Paradeep

देवेन्द्र कुमार
वरि. महाप्रबंधक (वित्त व लेखा)
मुख्यालय
Devender Kumar
Sr. General Manager
(F&A) HO

संजय कुदेसिया
वरि. महाप्रबंधक (का. एवं प्रशा.)
फूलपुर
Sanjay Kudesia
Sr. General Manager
(P&A.) Phulpur

डॉ एम जगन मोहन रेड्डी
महाप्रबंधक (परि. योजना)
वि. मु.
Dr. M Jagan Mohan Reddy
General Manager
(Mov. Pl.) MKCO

आर बी पिपलिया
महाप्रबंधक (सामग्री)
कलोल
R B Pipalia
General Manager
(Mtrl.) Kalol

संजय गुप्ता
महाप्रबंधक (एस. एवं जेवी)
मुख्यालय
Sanjay Gupta
General Manager
(S & JV.) HO

एस डी शर्मा
महाप्रबंधक
(विद्युत एवं उपयो.) पारादीप
S D Sharma
General Manager
(Elect. & Util.) Paradeep

दिवाकर मिश्रा
महाप्रबंधक (तक.)
आंवला
Diwakar Misra
General manager
(Tech.) Aonla

रवि अग्निहोत्री
महाप्रबंधक (वाणिज्यिक)
मुख्यालय
Ravi Agnihotri
General Manager
(Comm.) HO

स्व. पीयूष मिश्र
महाप्रबंधक (तक.)
फूलपुर
Late Piyush Misra
General Manager
(Tech.) Phulpur

मुकेश कुलश्रेष्ठ
महाप्रबंधक (अनुरक्षण)
आंवला
Mukesh Kulshrestha
General Manager
(Maint.) Aonla

डॉ. रमेश रालिया
महाप्रबंधक (शोध एवं विकास)
कलोल
Dr. Ramesh Raliya
General Manager
(R&D) Kalol

कार्यकारी

आर के पाण्डेय
संयुक्त महाप्रबंधक (उत्पादन) पारादीप

R K Pandey
Jt. General Manager (Prod.) Paradeep

यू सी बाजपेयी
संयुक्त महाप्रबंधक (तक.) कलोल

U C Bajpai
Jt. General Manager (Tech.) Kalol

हरीश कुमार
संयुक्त महाप्रबंधक (कारपोरेट सेवाएं) मुख्यालय

Harish Kumar
Jt. General Manager (CRS) HO

एस सी गुप्ता
संयुक्त महाप्रबंधक (उत्पादन) आंवला

S C Gupta
Jt. General Manager (Prod.) Aonla

गिरधर मिश्रा
संयुक्त महाप्रबंधक (अनुरक्षण) फूलपुर

Girdhar Mishra
Jt. General Manager (Maint.) Phulpur

टी रामकृष्ण
संयुक्त महाप्रबंधक (उप.) फूलपुर

T Ramakrishna
Jt. General Manager (Utility) Phulpur

ए के शर्मा
संयुक्त महाप्रबंधक (उत्पादन) कांडला

A K Sharma
Jt. General Manager (Prod.) Kandla

एन के वर्मा
संयुक्त महाप्रबंधक (पीएस.) मुख्यालय

N K Verma
Jt. General Manager (PS.) HO

आर मैती
संयुक्त महाप्रबंधक (उत्पादन) फूलपुर

R Maiti
Jt. General Manager (Prod.) Phulpur

पी एस नीलाम्बरन
संयुक्त महाप्रबंधक (इस्ट्र.) पारादीप

P S Neelambaran
Jt. General Manager (Inst.) Paradeep

आर के गुप्ता
संयुक्त महाप्रबंधक (एस एम जी.) मुख्यालय

R K Gupta
Jt. General Manager (SMG.) HO

स्व. एन पी राव
संयुक्त महाप्रबंधक (एफ एंड एस.) आंवला

Late N P Rao
Jt. General Manager (Fire & Safety) Aonla

वी सत्यनारायण के
संयुक्त महाप्रबंधक (आई टी सेवाएं) आंवला

V Satayanarayana K
Jt. General Manager (IT Services) Aonla

आर रामनैया
संयुक्त महाप्रबंधक (उत्पादन) कलोल

R Ramanaiah
Jt. General Manager (Prod.) Kalol

तरूण भार्गव
संयुक्त महाप्रबंधक (सी आर.) मुख्यालय

Tarun Bhargava
Jt. General Manager (CR) HO

एम एल एन मूर्ति
संयुक्त महाप्रबंधक (पी एंड एल.) पारादीप

M L N Murthy
Jt. General Manager (P&L) Paradeep

Executives

एम पी सिंह
संयुक्त महाप्रबंधक (पी एच) कांडला

M P Singh
Jt. General Manager (PH) Kandla

एच बी मोव्वा
संयुक्त महाप्रबंधक (पीएच) पारादीप

H B Movva
Jt. General Manager (PH) Paradeep

एस मोहन
संयुक्त महाप्रबंधक (ईपीसी) कलोल

S Mohan
Jt. General Manager (EPC) Kalol

डी चक्रवर्ती
संयुक्त महाप्रबंधक (सामग्री) पारादीप

D Chakraborty
Jt. General Manager (Mtl) Paradeep

अभय कुमार मल्ल
संयुक्त महाप्रबंधक (पी एण्ड ए) पारादीप

Abhay Kumar Mall
Jt. General Manager (P&A) Paradeep

पी वी के शास्त्री
संयुक्त महाप्रबंधक (अनुरक्षण) अंवला

P V K Sastry
Jt. General Manager (Maint.) Aonla

एस के सिंह
संयुक्त महाप्रबंधक (तकनीकी) कांडला

S K Singh
Jt. General Manager (Technical) Kandla

एम के गौतम
संयुक्त महाप्रबंधक (आं. ले.) मुख्यालय

M K Gautam
Jt. General Manager (I.A.) HO

विपिन मित्तल
संयुक्त महाप्रबंधक (वित्त व लेखा) मुख्यालय

Vipin Mittal
Jt. General Manager (F&A) HO

निहार रंजन नायक
संयुक्त महाप्रबंधक (आई टी सेवाएं) पारादीप

Nihar Ranjan Nayak
Jt. General Manager (I.T. Services) Paradeep

राज कुमार नागपाल
मुख्य सतर्कता अधिकारी मुख्यालय

Raj Kumar Nagpal
Chief Vigilance Officer HO

संजय कुमार
संयुक्त महाप्रबंधक (आई टी सेवाएं) पारादीप

Sanjay Kumar
Jt. General Manager (I.T.Services) Paradeep

अनुराग सक्सेना
संयुक्त महाप्रबंधक (अनुरक्षण) पारादीप

Anurag Saxena
Jt. General Manager (Maint.) Paradeep

नवनीत गुप्ता
संयुक्त महाप्रबंधक (सामग्री) आंवला

Navneet Gupta
Jt. General Manager (Mtl.) Aonla

अतुल छाबरा
संयुक्त महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) मुख्यालय

Atul Chhabra
Jt. General Manager (F&A) HO

संजय वैश
संयुक्त महाप्रबंधक (ईपीसी) फूलपुर

Sanjay Vaish
Jt. General Manager (EPC) Phulpur

पंजीकृत कार्यालय

इफको सदन, सी–1, डिस्ट्रिक्ट सेन्टर, साकेत प्लेस, नई दिल्ली–110 017

बैंकर्स

इंडियन ओवरसीज बैंक
भारतीय स्टेट बैंक
बैंक ऑफ बड़ौदा
स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक
दि महाराष्ट्र स्टेट कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड
दि वेस्ट बंगाल स्टेट कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड
मध्य प्रदेश स्टेट कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड
दि कर्नाटक स्टेट कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड
दि पंजाब स्टेट कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड
दि हाँगकाँग एंड शंघाई बैंकिंग कारपोरेशन लिमिटेड
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
आईडीबीआई बैंक लिमिटेड
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड
पंजाब नेशनल बैंक
इंडसइंड बैंक लिमिटेड
डी बी एस बैंक लिमिटेड
कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड
उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड

लेखापरीक्षक

मैसर्स एस के मेहता एंड कंपनी,
सनदी लेखापाल,
302–306, प्रगति टावर,
26, राजेन्द्र प्लेस,
नई दिल्ली –110 008

मैसर्स जे एन शर्मा एंड कंपनी,
सनदी लेखापाल,
1568, चर्च रोड,
कश्मीरी गेट,
नई दिल्ली –110 006

मैसर्स विनोद कुमार बिन्दल एंड कंपनी,
सनदी लेखापाल,
शिव सुशील भवन,
डी–219, विवेक विहार फेज–1,
नई दिल्ली –110 095

मैसर्स वी के ढींगरा एंड कंपनी,
सनदी लेखापाल,
1 ई / 15,
झंडेवालान एक्सटेंशन,
नई दिल्ली – 110 055

मैसर्स एस पी चोपड़ा एंड कंपनी,
सनदी लेखापाल,
31–एफ,
कनॉट प्लेस,
नई दिल्ली – 110 001

Registered Office

IFFCO Sadan, C-1, District Centre, Saket Place, New Delhi-110 017

Bankers

Indian Overseas Bank
State Bank of India
Bank of Baroda
Standard Chartered Bank
The Maharashtra State Cooperative Bank Ltd.
The West Bengal State Cooperative Bank Ltd.
Madhya Pradesh State Cooperative Bank Ltd.
The Karnataka State Cooperative Bank Ltd.
The Punjab State Cooperative Bank Ltd.
The Hongkong and Shanghai Banking Corporation Ltd.
ICICI Bank Ltd.
IDBI Bank Ltd.
HDFC Bank Ltd.
Punjab National Bank
IndusInd Bank Ltd.
DBS Bank Ltd.
Kotak Mahindra Bank Ltd.
Uttar Pradesh Cooperative Bank Ltd.

Auditors

M/s. S.K. Mehta & Co.,
Chartered Accountants,
302-306, Pragati Tower,
26, Rajendra Place,
New Delhi-110 008

M/s. J.N. Sharma & Co.,
Chartered Accountants,
1568, Church Road,
Kashmere Gate,
New Delhi - 110 006

M/s. Vinod Kumar Bindal & Co.,
Chartered Accountants,
Shiv Sushil Bhawan,
D-219, Vivek Vihar Phase-I
New Delhi - 110 095

M/s. V.K. Dhingra & Co.,
Chartered Accountants,
1E/15,
Jhandewalan Extn.,
New Delhi - 110055

M/s. S.P. Chopra & Co.
Chartered Accountants,
31-F,
Connaught Place,
New Delhi - 110001

संयंत्र

कलोल इकाई
डाकघर : कस्तूरीनगर
जिला : गांधीनगर – 382423
(गुजरात)

कांडला इकाई
डाकघर : कांडला – 370210
कांडला (कच्छ)
(गुजरात)

फूलपुर इकाई
डाकघर : घियानगर
जिला : इलाहाबाद – 212404
(उत्तर प्रदेश)

आंवला इकाई
डाकघर : इफको टाउनशिप
पॉल पोथेन नगर,
बरेली – 243403 (उत्तर प्रदेश)

पारादीप इकाई
गांव : मुसादिया
डाकघर : पारादीप
सुरेन्द्र जाखड़ नगर
जिला : जगतसिंहपुर – 754142 (ओडिशा)

PLANT LOCATIONS

KALOL UNIT
P.O. Kasturinagar
Distt. Gandhinagar- 382423
(Gujarat)

KANDLA UNIT
P.O. Kandla - 370210
Kandla (Kachchh)
(Gujarat)

PHULPUR UNIT
P.O. Ghiyanagar
Distt. Allahabad-212404
(Uttar Pradesh)

AONLA UNIT
P.O. IFFCO Township
Paul Pothen Nagar,
Bareilly-243403 (Uttar Pradesh)

PARADEEP UNIT
Village: Musadia
P.O. Paradeep
Surinder Jakhar Nagar
Distt: Jagatsinghpur-754142 (Odisha)

इफको एसोसिएट्स एवं सहायक कम्पनियाँ

इफको–टोक्यो जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लि0
इफको किसान संचार लि0
नेशनल कमोडिटी एंड डेरीवेटिव्स एक्सचेंज लि0
इंडियन पोटाश लि0
ट्रायम्फ ऑफशोर प्राइवेट लि0
न्यू एज फाइनेंशियल एडवाइजरी प्राइवेट लि0
इफको - एमसी क्रॉप सांइस प्रा0 लि0
इफको किसान एसईजैड लि0
इफको किसान लॉजिस्टिक्स लि0
सिक्किम इफको ऑर्गेनिक्स लि0
इफको किसान फाइनेंस लि0
सीएन इफको प्राइवेट लि0
इफको ई–बाजार लि0
ओमान इंडिया फर्टिलाइजर कम्पनी एस ए ओ सी
किसान इंटरनेशनल ट्रेडिंग, एफजैडई
जोर्डन इंडिया फर्टिलाइजर कम्पनी एल एल सी
इंडस्ट्रीज़ शिमिक्स डू सेनेगल
इफको किसान सेवा ट्रस्ट
इंडियन फार्म फोरेस्ट्री डेवलपमेंट कोआपरेटिव लि0
कोआपरेटिव रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट
सीएससी ई–गवर्नेंस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

IFFCO Associates & Subsidiaries

IFFCO-Tokio General Insurance Company Ltd.
IFFCO Kisan Sanchar Ltd.
National Commodity & Derivatives Exchange Ltd.
Indian Potash Limited
Triumph Offshore Private Limited
New Age Financial Advisory Pvt. Ltd.
IFFCO- MC Crop Science Pvt. Ltd.
IFFCO Kisan SEZ Ltd.
IFFCO Kisan Logistics Ltd.
Sikkim IFFCO Organics Ltd.
IFFCO Kisan Finance Ltd.
CN IFFCO Pvt. Ltd.
IFFCO e Bazar Ltd.
Oman India Fertiliser Company SAOC
Kisan International Trading FZE
Jordan India Fertilizer Company LLC
Industries Chimiques du Senegal
IFFCO Kisan Sewa Trust
Indian Farm Forestry Development Cooperative Ltd.
Cooperative Rural Development Trust
CSC e-Governance Services Pvt. Ltd.

दस वर्षों की वित्तीय झलकियाँ — Ten Years' Financial Highlights

(₹ करोड़ में)
(₹ in crore)

प्रचालन परिणाम	OPERATING RESULTS	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14	2012-13	2011-12
बिक्री	Sales	15,250.58	14,896.63	14,039.41	11,406.79	12,066.16	15,663.87	12,352.67	10,111.86	11,003.58	11,135.17
सब्सिडी / रियायत	Subsidy/Concession	12,586.28	14,515.81	13,812.33	9,380.76	10,064.07	14,021.11	12,694.84	10,733.67	10,669.78	14,463.80
टर्नओवर	**Turnover**	**27,836.86**	**29,412.44**	**27,851.74**	**20,787.55**	**22,130.23**	**29,684.98**	**25,047.51**	**20,845.53**	**21,673.36**	**25,598.97**
अन्य राजस्व	Other Revenue	818.18	629.78	694.30	2,726.31	466.87	715.67	331.89	536.60	537.42	551.69
कुल आय	**Total Income**	**28,655.04**	**30,042.22**	**28,546.04**	**23,513.86**	**22,597.10**	**30,400.65**	**25,379.40**	**21,382.13**	**22,210.78**	**26,150.66**
बेचे गये माल की लागत	Cost of Sales	25,048.59	27,178.86	25,893.83	21,042.54	20,387.06	28,196.17	23,271.62	19,598.17	19,825.81	23,853.73
मूल्यह्रास, ब्याज एवं आयकर से पूर्व लाभ (पीबीडीआईटी)	**Profit before Dep., Int. & I.Tax (PBDIT)**	**3,606.45**	**2,863.36**	**2,652.21**	**2,471.32**	**2,210.04**	**2,204.48**	**2,107.78**	**1,783.96**	**2,384.97**	**2,296.93**
वित्त लागत	Finance Cost	689.42	1,059.03	995.85	763.98	864.34	906.77	771.03	861.26	789.52	805.20
मूल्यह्रास / परिशोधन	Depreciation/Amortisation	547.25	523.90	498.13	450.10	329.08	277.82	297.29	514.92	488.02	473.95
कर पूर्व लाभ (पीबीटी)	**Profit Before Tax (PBT)**	**2,369.78**	**1,280.43**	**1,158.23**	**1,257.24**	**1,016.62**	**1,019.89**	**1,039.46**	**407.78**	**1,107.43**	**1,017.78**
कर	Tax	615.89	275.87	316.65	320.07	331.92	314.39	392.59	88.97	378.71	245.60
कर पश्चात लाभ (पीएटी)	**Profit After Tax (PAT)**	**1,753.89**	**1,004.56**	**841.58**	**937.17**	**684.70**	**705.50**	**646.87**	**318.81**	**728.72**	**772.18**
लाभांश	Dividend	125.35	125.49	99.06	84.11	84.17	84.86	84.99	85.15	85.16	85.16
सहकारी शिक्षा निधि	Cooperative Education Fund	3.04	2.05	1.62	1.45	1.35	4.06	6.37	3.19	7.29	7.71
दान	Donations	1.00	1.00	1.00	3.50	0.50	0.50	10.50	1.50	0.50	1.50
धारित लाभ	**Retained Profit**	**1,624.50**	**876.02**	**739.90**	**848.11**	**598.68**	**616.08**	**545.01**	**228.97**	**635.77**	**677.81**
निधियों के स्रोत व अनुप्रयोग	**SOURCES AND APPLICATION OF FUNDS**										
निधियों के स्रोत	**Sources of Funds**										
इक्विटी शेयर पूंजी	Equity Share Capital	627.01	628.34	627.57	420.55	420.85	424.39	424.98	425.78	425.88	425.80
आरक्षित व अधिशेष	Reserves & Surplus	18,170.36	16,545.20	15,641.91	14,886.32	7,686.53	7,087.26	6,471.05	6,084.34	5,855.31	5,219.57
निवल सम्पति	**Net Worth**	**18,797.37**	**17,173.54**	**16,269.48**	**15,306.87**	**8,107.38**	**7,511.65**	**6,896.03**	**6,510.12**	**6,281.19**	**5,645.37**
ऋण–दीर्घावधिक	Borrowing - Long Term	450.00	975.00	750.00	1,125.00	1,509.02	127.83	290.59	342.48	353.83	354.13
ऋण–अल्पावधिक	Borrowing - Short Term	6,947.98	13,494.55	13,282.17	9,412.78	10,123.96	14,116.05	10,445.23	9,154.26	10,244.96	12,523.59
आस्थगित कर देयता	Deferred Tax Liability	535.68	575.95	808.75	770.70	599.46	369.23	372.65	400.22	485.47	447.14
देयतायें एवं प्रावधान	Liabilities & Provisions*	4,018.77	4,381.86	3,939.78	3,632.75	2,430.50	2,854.63	2,626.38	2,034.46	2,719.96	1,574.77
योग	**TOTAL**	**30,749.80**	**36,600.90**	**35,050.18**	**30,248.10**	**22,770.32**	**24,979.39**	**20,630.88**	**18,441.54**	**20,085.41**	**20,545.00**
निधियों का अनुप्रयोग	**Application of Funds**										
निवल स्थायी परिसंपत्तियां (चालू पूंजीगत कार्य सहित)	Net Fixed Assets (incl. Capital Work-in-Progress)	13,255.74	13,216.36	13,294.69	13,234.95	6,612.30	5,107.88	4,715.50	4,833.49	5,023.62	4,894.46
निवेश	Investments	3,930.22	4,018.07	3,626.18	2,933.79	2,469.48	3,401.82	2,762.35	2,642.78	2,421.62	2,251.41
अन्य परिसंपत्तियां, ऋण व अग्रिम	Other Assets, Loans & Advances	13,563.84	19,366.47	18,129.31	14,079.36	13,688.54	16,469.69	13,153.03	10,965.27	12,640.17	13,399.13
योग	**TOTAL**	**30,749.80**	**36,600.90**	**35,050.18**	**30,248.10**	**22,770.32**	**24,979.39**	**20,630.88**	**18,441.54**	**20,085.41**	**20,545.00**

*जहां पर भी आवश्यक समझा गया है, चालू वर्ष के आंकड़ों के साथ पिछले वर्ष के आंकड़े रीग्रुप किये गये हैं।

*Previous year's figures have been regrouped wherever considered necessary to correspond with the current year's figures.

महत्वपूर्ण वित्तीय सूचक — Significant Financial Indicators

वित्तीय अनुपात :	FINANCIAL RATIOS :	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14	2012-13	2011-12
टर्नओवर की तुलना में प्रचालन लाभ (प्रतिशत)	Operating Profit to Turnover (%)*	9.04	6.92	6.36	2.19	7.68	5.17	6.83	4.98	7.11	5.65
टर्नओवर की तुलना में कर-पूर्व लाभ (प्रतिशत)	Profit Before Tax to Turnover (%)	8.51	4.35	4.16	6.05	4.59	3.44	4.15	1.96	5.11	3.98
लगी पूंजी की तुलना में प्रतिलाभ (प्रतिशत)	Return on Capital Employed (%)*	10.38	7.39	7.46	8.61	8.86	9.60	10.52	7.52	10.44	10.39
निवल संपत्ति की तुलना में कर–पूर्व लाभ (प्रतिशत)	Profit Before Tax to Net Worth (%)	12.61	7.46	7.12	8.21	12.54	13.58	15.07	6.26	17.63	18.03
निवल संपत्ति की तुलना में कर–पश्चात लाभ (प्रतिशत)	Profit After Tax to Net Worth (%)	9.33	5.85	5.17	6.12	8.45	9.39	9.38	4.90	11.60	13.68
अचल परिसंपत्तियां टर्नओवर (गुणा)	Fixed Assets Turnover (Times)	2.10	2.22	2.10	3.06	3.78	6.04	5.25	4.23	4.37	5.20
कार्यचालन पूंजी टर्नओवर (गुणा)	Working Capital Turnover (Times)*	2.18	1.95	2.23	1.89	1.72	2.37	2.54	2.18	1.98	2.34
तैयार माल की मालसूची (माह बिक्री)	Inventory of Finished Goods (Months Sales)	0.50	0.72	0.59	0.45	0.47	0.35	0.50	0.44	0.30	0.19
कच्चे माल व पैकिंग सामग्री की मालसूची (माह खपत)	Inventory of Raw Materials & Packing Materials (Months Consumption)	0.85	0.79	0.77	0.71	0.72	0.68	0.72	0.84	0.99	0.91
व्यापार प्राप्य (माह बिक्री)	Trade Receivables (Months Sales)	1.59	2.36	2.43	3.68	4.08	2.31	1.93	3.14	3.05	1.29
चालू अनुपात	Current Ratio*	3.78	4.99	5.08	4.26	6.48	6.85	5.79	6.49	5.25	10.66
त्वरित अनुपात	Quick Ratio*	3.12	4.18	4.07	3.60	5.45	5.91	4.65	4.93	4.35	8.66
ऋण इक्विटी अनुपात	Debt Equity Ratio	0.39	0.84	0.86	0.69	1.43	1.90	1.56	1.46	1.69	2.28
कर्मचारियों की उत्पादकता	**Employees Productivity**										
कर्मचारियों की संख्या	No. of Employees	4,503	4,614	4,764	5,002	5,257	5,519	5,788	5,943	6,130	6,336
प्रति कर्मचारी बिक्री (₹ करोड़ में)	Sales per Employee (₹ Crore)	6.18	6.37	5.85	4.16	4.21	5.38	4.33	3.51	3.54	4.04
राजकोष में योगदान (₹ करोड़ में)	Contribution to Exchequer (₹ Crore)	1,586	1,712	1,391	1,043	1,530	1,774	1,409	1,149	1,528	1,904

* मान्य लेखांकन सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुये अनुपातों की गणनाओं को संशोधित किया गया है और इसलिये जहां पर भी आवश्यक समझा गया है, पिछले वर्ष के आंकड़े रीग्रुप / रीअरेंज किये गये हैं।

* The ratios calculations have been revised keeping accepted accounting principles into considerations and therefore previous year's figures have been regrouped / rearranged wherever considered necessary.

प्रचालन | Operation

वर्ष 2020-2021 की महत्त्वपूर्ण झलकियाँ
Significant Highlights for the year 2020-2021

TOTAL PRODUCTION

TOTAL SALES

PRODUCTION - UREA

SALES - UREA

PRODUCTION - NPK / DAP

Sales - NPK / DAP

वित्तीय | Financial

वर्ष 2020-2021 की महत्त्वपूर्ण झलकियाँ
Significant Highlights for the year 2020-2021

SALES

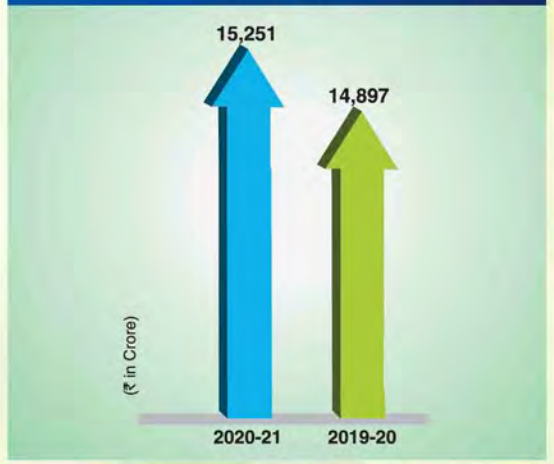

TURNOVER

PROFIT BEFORE TAX

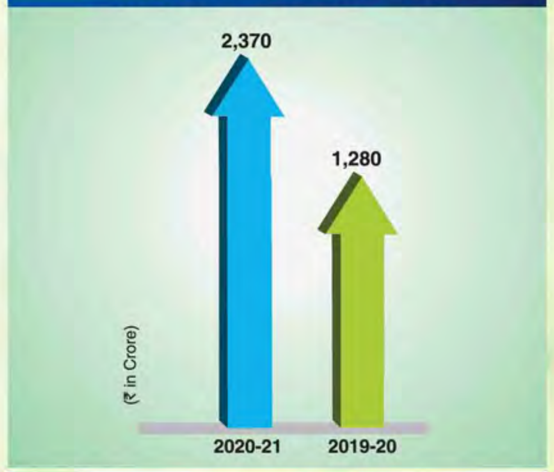

PROFIT AFTER TAX

RETAINED PROFIT

INTEREST COST

नैनो जैव-प्रौद्योगिकी अनुसंधान केन्द्र, कलोल
Nano Biotechnology Research Center, Kalol

वर्ष 2020-2021 के दौरान कार्यनिष्पादन की प्रमुख बातें
Performance Highlight for the Year 2020-2021

उर्वरकों का उत्पादन Production of Fertilisers	**89.58 Lakh MT** (Highest 91.42 Lakh MT in 2019-20)
यूरिया का उत्पादन Production of Urea	**46.75 Lakh MT** (Highest 48.75 Lakh MT in 2019-20)
डीएपी का उत्पादन Production of DAP	**19.24 Lakh MT** (Highest 20.93 Lakh MT in 2019-20)
एनपी/एनपीके/डब्ल्यूएसएफ/जिंक सल्फेट का उत्पादन Production of NP/NPK/WSFs/Zinc Sulphate	**23.59 Lakh MT** (Highest 24.73 Lakh MT in 2008-09)
एनपी/एनपीके/डीएपी/डब्ल्यूएसएफ/जिंक सल्फेट का उच्चतम उत्पादन Highest Production of NP/NPK/DAP/WSFs/Zinc Sulphate	**42.83 Lakh MT** (Previous Best 42.67 Lakh MT in 2019-20)
उर्वरकों की सर्वाधिक बिक्री Highest Sales of Fertilisers	**136.58 Lakh MT** (Previous Best 133.31 Lakh MT in 2019-20)
यूरिया की सर्वाधिक बिक्री Highest Sales of Urea	**86.89 Lakh MT** (Previous Best 86.31 Lakh MT in 2019-20)
डीएपी की बिक्री Sales of DAP	**24.49 Lakh MT** (Highest 29.42 Lakh MT in 2008-09)
एनपी/एनपीके/डब्ल्यूएसएफ/जिंक सल्फेट की बिक्री Sales of NP/NPK/WSFs/Zinc Sulphate	**25.20 Lakh MT** (Highest 33.09 Lakh MT in 2010-11)
एनपी/एनपीके/डीएपी/डब्ल्यूएसएफ/जिंक सल्फेट की बिक्री Sales of NP/NPK/DAP/WSFs/Zinc Sulphate	**49.69 Lakh MT** (Highest 57.65 Lakh MT in 2010-11)
उर्वरक प्रेषण Fertiliser Despatches	**132.41 Lakh MT** (Highest 132.46 Lakh MT in 2019-20)
सर्वाधिक कर-पूर्व लाभ Highest Profit Before Tax	**Rs.2,369.78 Crore** (Previous Best Rs.1,280.43 Crore in 2019-20)
सर्वाधिक कर-पश्चात लाभ Highest Profit After Tax	**Rs.1,753.89 Crore** (Previous Best Rs.1,004.56 Crore in 2019-20)
टर्नओवर Turnover	**Rs.27,836.86 Crore** (Highest Turnover Rs.32,933.30 crore in 2008-09)
सर्वाधिक संयंत्र उत्पादकता Highest Plant Productivity	**2,484 MT / Employee** (Previous Best 2,465 MT in 2019-20)
सर्वाधिक विपणन उत्पादकता Highest Marketing Productivity	**15,363 MT / Employee** (Previous Best 14,779 MT in 2019-20)
समग्र ऊर्जा खपत Composite Energy Consumption	**5.312 Gcal per MT of Urea** (Lowest 5.285 Gcal per MT of Urea in 2019-20)

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-24022021-225440
CG-DL-E-24022021-225440

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 815] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 24, 2021/फाल्गुन 5, 1942
No. 815] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 24, 2021/PHALGUNA 5, 1942

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय

(कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 2021

का.आ. 885(अ).—केन्द्रीय सरकार, उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित) (नियंत्रण) आदेश, 1985 के खंड 20घ का अनुसरण करते हुए राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन वर्षों के लिए, भारत में मेसर्स भारतीय कृषक उर्वरक सहकारिता (इफको) द्वारा निर्मित होने वाली नैनो यूरिया (द्रव) उर्वरक के संबंध में, निम्नलिखित विनिर्देश अधिसूचित करती है, अर्थात्:--

सं.	मापदंड	विनिर्देश
1.	भार द्वारा कुल नाइट्रोजन प्रतिशत	1-5
2.	एक विमा में कण का आकार (नैनो मीटर) में	
	क) पदार्थ के न्यूनतम 50 प्रतिशत के आकार का भौतिक कण का रेंज 20-50 नै.मी. होगा।	20-50
	ख) पदार्थ के न्यूनतम 50 प्रतिशत का द्रवगतिकी कण के आकार का रेंज 20-80 नै.मी. होगा	20-80
3.	जीटा पोटेंशियल एमवी (+/- पैमाना) में	>30
4	सीपीएस में श्यानता	5-30
5	पीएच	4.5-6.0

[फा. सं. 2-7/2020 उर्वरक विधि]

नीरजा आदिडम, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE

(Department of Agriculture, Cooperation and Farmers Welfare)

ORDER

New Delhi, the 24th February, 2021

S.O. 885(E).—In pursuance of clause 20D of the Fertiliser (Inorganic, Organic or Mixed) (Control) Order, 1985 the Central Government hereby notifies the following specifications in respect of nano urea (liquid) fertiliser to be manufactured by M/s. Indian Farmers Fertiliser Cooperative (IFFCO) in India for a period of three years from the date of publication in the Official Gazette, namely:—

No.	Parameters	Specifications
1	Total Nitrogen per cent. by weight	1-5
2	Particle Size in nanometer(nm) in one dimension	
	a) Physical particle size of minimum 50 per cent. of the material shall be in range of 20-50 nm	20-50
	b) Hydrodynamic particle size of minimum 50 per cent. of the material shall be in range of 20-80 nm	20-80
3	Zeta potential in mV (+/- scale)	>30
4	Viscosity in cps	5-30
5	pH	4.5-6.0

[F.No. 2-7/2020 Fert Law]

NEERAJA ADIDAM, Jt. Secy.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064 and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054. ALOK KUMAR

निदेशकों की रिपोर्ट

- वित्तीय कार्यनिष्पादन
- शेयर पूंजी एवं निवल संपत्ति
- संयंत्र कार्यनिष्पादन
- विपणन कार्यकलाप
- एसोसिएट्स एवं सहायक कम्पनियां

Director Report

- Financial Performance
- Share Capital & Net Worth
- Plant Performance
- Marketing Overview
- Associates & Subsidiaries

श्री राकेश कपूर, सं. प्रबंध निदेशक, इफको की 49वीं वार्षिक आम सभा में प्रतिनिधियों के सामने नोटिस पढ़ते हुए

Shri Balvinder Singh Nakai, Chairman, IFFCO addressing the gathering of RGB members at 49th Annual General Meeting

श्री राकेश कपूर, सं. प्रबंध निदेशक, इफको

प्रिय सहकारी बंधुओ,

मानवता के सामने ऐसा मुश्किल दौर कभी–कभार ही आता है जब उसे कोविड–19 जैसी भीषण चुनौती का मुकाबला करना पड़ता हो। इस अभूतपूर्व वैश्विक महामारी के चलते पूरी दुनिया ठहर–सी गयी है। इस तरह के संकट प्रायः मानव जाति ही नहीं देश और कंपनी के लिए भी परीक्षा की घड़ी होते हैं। इस पृष्ठभूमि में, मैं वर्ष 2020–21 के लिए आपकी समिति की 53वीं वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करता हूँ।

इस रिपोर्ट से अन्य बातों के साथ–साथ आप यह भी जान पाएंगे कि किस प्रकार आपकी समिति ने महामारी से उत्पन्न चुनौतियों को काबू में करते हुए वित्तीय वर्ष के दौरान शानदार प्रदर्शन किया।

एकजुटता, लचीलापन और तैयारी का वर्ष

कोविड–19 महामारी ने इफको के अनेक कर्मचारियों, प्रतिनिधियों और सदस्यों के जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। इसने समिति से जुड़े लोगों के मूल्यवान जीवन को छीन लिया है। मैं आप सबके साथ शोक संतप्त परिवारों के दुःख में शामिल हूँ तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वह परिवार के सदस्यों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। मैं फ्रंटलाइन वर्कर्स, मेडिकल प्रोफेशनल्स और उन सभी कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस चुनौतीपूर्ण समय में जरूरतमंदों की मदद की।

इस वर्ष किसानों और जरूरतमंदों के जीवन में सुधार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दांव पर थी। मैं विनम्रता के साथ कहना चाहता हूँ कि आपकी समिति ने अपने कार्य को नजरअंदाज किये बिना गरीब और कमजोर वर्गों की मदद को प्राथमिकता दी। कोविड–19 महामारी की कठिन परिस्थितियों के बावजूद इफको ने ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक पहुंचने और उनकी सहायता करने के लिए हरसंभव प्रयास किये।

कोविड–19 के प्रसार को रोकने के लिए आपकी समिति ने 5,000 से अधिक स्थानों पर 'ब्रेक द कोरोना चेन' नाम से सामाजिक जागरूकता अभियान चलाया। इसके तहत आपकी समिति ने 12 लाख से अधिक किसानों और जरूरतमंदों के बीच आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया। इस क्रम में शीत लहर से बचाव हेतु बड़ी संख्या में मुफ्त कंबल भी वितरित किये गये।

आपकी समिति ने नवाचार के जरिये इस वर्ष के दौरान आयी चुनौतियों का मुकाबला किया। नैनो यूरिया उर्वरक उद्योग का सबसे बड़ा और शायद एक आदर्श नवाचार है। आने वाले वर्षों में यह न केवल किसानों की आय को दोगुना करने में योगदान देगा, बल्कि सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण बनाने में भी मददगार होगा। नैनो यूरिया के अलावा आपकी समिति ने कई नये उत्पाद और प्रक्रिया नवाचार लॉन्च किये जो हमारे अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए लाभप्रद सिद्ध हुए।

Dear Cooperators,

It is not very often that humanity is faced with a challenge as enormous as COVID-19. The unprecedented global pandemic brought countries all over the world to a standstill. Crises such as these often serve as the true test for mankind, countries and companies alike. In this backdrop, I place before you the 53rd Annual Report of your Society for the year 2020-21.

The report interalia details how your Society overcame challenges posed by the pandemic and performed excellently during the financial year.

YEAR OF SOLIDARITY, RESILIENCE AND PREPAREDNESS

Covid-19 pandemic has affected lives of many employees, delegates and members of IFFCO family. It has taken away valuable lives of people who were part of the Society. I join all of you in expressing grief and sorrow over their loss and pray to Almighty to give strength to their family members to endure the loss. I also wish to express immense gratitude towards frontline workers, medical professionals and individuals who extended support and help to all during these challenging times.

The year tested our commitment towards improving the lives of farmers and the needy. I share this with humility that your Society prioritised help and support to vulnerable sections, without losing focus on its operations. Despite the difficult times during COVID-19 pandemic, IFFCO spared no effort to reach out to people in rural areas and offer help.

To mitigate the spread of Covid-19, your Society organised 'Break the Corona Chain Social Awareness Campaigns' in more than 5000 locations. In these camps, your Society distributed essential items that benefited more than 12 lakh farmers and the needy. Continuing its efforts to help the poor and needy, your Society also distributed free blankets in large numbers during the cold wave.

Your Society matched the challenge posed this year through innovation. The biggest and perhaps one of most defining innovation in fertiliser industry is Nano Urea. It will not only contribute to doubling farmers' income in years to come but will also help in building a safe and healthy environment. Apart from Nano urea, several new products and process innovations were launched that improved response time to our end users.

Shri B S Nakai, Chairman, IFFCO

डॉ उदय शंकर अवस्थी, प्रबंध निदेशक, 49वीं वार्षिक आम सभा के दौरान प्रतिनिधि मंडल को संबोधित करते हुए

Shri Dileep Sanghani, Vice-Chairman, IFFCO addressing the 49th Annual General Meeting

डॉ उदय शंकर अवस्थी, प्रबंध निदेशक, इफको

प्रदर्शन और सुधार

इफको, सहकारिता का एक ऐसा अद्वितीय मॉडल है जहां अच्छे वित्तीय प्रदर्शन का सीधा फायदा उसके सदस्यों को मिलता है। महामारी के बावजूद, आपकी समिति ने वित्तीय और परिचालन मापदंडों में अच्छे प्रदर्शन के लिए नवाचार को अपनाना जारी रखा। बड़े संतोष के साथ मैं आपसे यह साझा कर रहा हूँ कि आपकी समिति ने सर्वाधिक उत्पादन और करपश्चात लाभ प्राप्त किया है। लॉकडाउन के दौरान भी हमारे प्रतिबद्ध कार्यबल ने सभी उत्पादन इकाइयों को चालू रखा। प्रबंधन ने कर्मचारियों को यथासंभव घर से काम करने की सुविधा दी। ऑडिट सहित सभी व्यावसायिक बैठकें आभासी माध्यम से आयोजित की गयीं।

आपकी समिति के सामाजिक और आर्थिक योगदान को विश्व स्तर पर भी मान्यता दी गई है। मुझे आपके साथ यह साझा करने पर गर्व है कि आपकी समिति को दुनिया की नंबर 1 सहकारी समिति होने का गौरव प्राप्त हुआ है। वर्ल्ड कोआपरेटिव मोनीटर की 2020 की रिपोर्ट में इफको को यह सम्मान प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर कारोबार के अनुपात के आधार पर दिया गया है। यह रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (ICA) और यूरिकसे, इटली द्वारा प्रकाशित की गई है। इफको की एक और उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही कि ओवरऑल टर्नओवर श्रेणी में वह 65वें स्थान (पिछले साल की रिपोर्ट में 125वां रैंक था) पर पहुँच गया है।

भारतीय उर्वरक उद्योग की शीर्ष संस्था, फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FAI) द्वारा इस वर्ष इफको को अनेक पुरस्कार और सम्मान मिले हैं।

आपकी समिति को ये सम्मान अत्यंत चुनौतीपूर्ण समय में मिले हैं। यह इफको द्वारा अपने हितधारकों की सामाजिक और आर्थिक भलाई के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

किसानों के मित्र सदैव

यद्यपि देश विभिन्न स्तर पर महामारी की चुनौतियों का सामना कर रहा है, हमारे किसान कृषि गतिविधियों को रोकने का जोखिम नहीं उठा सकते। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि महामारी के परिणामस्वरूप खाद्यान्न की कमी के रूप में हमारे समक्ष कहीं एक दूसरा संकट न खड़ा हो जाए। आपकी समिति ने किसानों की स्थिति को समझते हुए अपने एनपी उर्वरक की कीमत ₹ 50 प्रति बैग घटा दिये ताकि उनका बोझ कम किया जा सके। इसके अलावा, अपनी सभी उत्पादन इकाइयों और आपूर्ति श्रृंखला को चालू रखते हुए आपकी समिति ने उर्वरकों के साथ–साथ अन्य कृषि आदानों का समय पर वितरण सुनिश्चित किया।

किसानों के सहयोग के लिए डिजिटल क्षेत्र की हमारी पहल– ई–बाजार द्वारा अपने 1,200 से अधिक खुदरा बिक्री केन्द्रों द्वारा उनको उनके दरवाजे पर कृषि आदान उपलब्ध कराने का सिलसिला लगातार जारी रहा। किसान **www.iffcobazar.in** वेबसाइट या ऐप का उपयोग करके इफको के उत्पाद खरीद सकते हैं और घर पर डिलीवरी का लाभ उठा सकते हैं। यह वेबसाइट कई भाषाओं में उपलब्ध है।

PERFORMANCE AND RECOGNITION

IFFCO, as a cooperative, is a unique model where a good financial performance directly improves the wellbeing of its members. Despite the pandemic, your Society continued to adopt innovative practices to do well in financial and operational parameters. I share with satisfaction that your Society achieved — highest sales and highest profit after tax ever. Our committed workforce kept all production units operational during the lockdowns. Wherever it was possible, management facilitated work from home for employees. All business meetings and the audit were conducted through virtual mode.

The social and economic contributions of your Society have been recognised globally as well. I am proud to share with you that your Society has been ranked as the No. 1 cooperative in the world. This honour comes to IFFCO, based on the ratio of turnover over GDP per capita income, in the 2020 edition of the World Cooperative Monitor (WCM) report. This report is published by International Cooperative Alliance (ICA) and Euricse, Italy. In another remarkable development, IFFCO climbed to 65th rank in the Overall Turnover category (from 125th rank in the last edition of WCM).

Fertiliser Association of India (FAI), the apex body of the Indian fertiliser industry, conferred many awards and accolades on IFFCO in the year.

All these honours have come to your Society during a very challenging time. This emphasises the quality of commitment IFFCO has displayed towards the social and economic wellbeing of its stakeholders.

FOREVER A FARMER'S FRIEND

While the nation grappled with the pandemic challenge in various ways, farmers could not afford to stop agricultural activity. They had to ensure that the pandemic does not result in yet another crisis— foodgrain scarcity. Your Society recognised this and shared the burden of farmers by reducing the price of its NP fertiliser by ₹ 50 per bag. Further, by keeping all its production units operational and the supply chain running, your Society ensured timely delivery of fertilisers as well as other farm inputs.

e-Bazar, the digital platform initiative, offering retail agri inputs at farmer's doorstep, continued to support them through more than 1,200 retail outlets. Farmers could also buy products using the www.iffcobazar.in website or the app and avail doorstep delivery. The website is available in multiple languages.

Shri Dileep Sanghani, Vice-Chairman, IFFCO

इफको सदन, नई दिल्ली के सभागार में उपस्थित इफको के प्रतिनिधि एवं अधिकारी

Delegates registering themselves at the 49th AGM

49वीं वार्षिक आम सभा में अपना पंजीकरण करवाते हुए प्रतिनिधि

मुझे यह साझा करने पर गर्व है कि किसानों के साथ मिलकर आपकी समिति ने निर्बाध खाद्य श्रृंखला सुनिश्चित करने में मदद की जिससे खाद्य संकट को रोका गया। एक दूसरे के बोझ को साझा करते हुए एक समान लक्ष्य के लिए काम करना ही सहकारिता का सच्चा सार है।

आपकी समिति बकाया सब्सिडी रकम को ₹ 9,340 करोड़ से कम करके ₹ 1,873 करोड़ लाने में कामयाब रही है। इससे कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में प्रत्यक्ष सुधार हुआ है। आपकी समिति भारत सरकार के प्रति उसके सहयोग और समर्थन के लिए हमेशा आभारी रहेगी।

एक सक्षम नैविगेटर

समिति के प्रबंध निदेशक, डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने जहाज के कप्तान की तरह सधे हुए हाथों से आपकी समिति को चलाया और इफको को एक उद्देश्यपूर्ण दृष्टि और दिशा प्रदान की। महामारी के दौरान उन्होंने कर्मचारियों का मनोबल ऊंचा रखा। जब महामारी के कारण यात्रा संभव नहीं थी, तो उन्होंने सभी 5 उत्पादन इकाइयों का आभासी दौरा किया। इसके जरिये महामारी के दौरान बहुमूल्य सुझाव और प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। डॉ. अवस्थी की परोपकारी नेतृत्व शैली ने प्रत्येक कर्मचारी, किसान और हितधारक को समिति के विकास हेतु एक टीम के रूप में एकजुट होकर योगदान करने में सक्षम बनाया। उनकी प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता के कारण आपकी समिति ने प्रचालन के सभी क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मुझे विश्वास है कि डॉ. उदय शंकर अवस्थी समिति को दिशा और दृष्टि प्रदान करते रहेंगे और हरेक संगठन एक वैश्विक आदर्श के रूप में हमारा अनुकरण करेगा।

वित्तीय कार्यनिष्पादन

तेज, उच्च और मजबूत

समिति के वित्तीय कार्यनिष्पादन का सारांश प्रस्तुत करने के लिए ओलंपिक खेलों का लक्ष्य– 'तेज, उच्च और मजबूत' शायद सबसे उपयुक्त मुहावरा है। वर्ष 2020–21 के दौरान, उर्वरक व्यापार के सतत विकास में आई चुनौतियों, विदेशी मुद्रा बाजार में आई भारी अस्थिरता और आयातित कच्चे माल व उर्वरकों के मूल्यों में उतार–चढ़ाव के बावजूद इफको ने उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन किया है। समिति कई प्रकार के व्यावसायिक कार्यकलापों से आय अर्जित करती है जिसमें यूरिया, फास्फेटिक उर्वरक, क्रय गतिविधियां और लाभकारी उद्यमों में निवेश शामिल है ।

वर्ष 2020–21 के दौरान आपकी समिति का बिक्री कारोबार ₹ 27,836.86 करोड़ रहा जबकि गत वर्ष यह ₹ 29,412.44 करोड़ था । अब तक की सर्वाधिक बिक्री, कर पूर्व व कर पश्चात लाभ तथा संयंत्रों के सतत आधुनिकीकरण को ध्यान में रखते हुए इस कार्यनिष्पादन को और भी संतोषजनक कहा जा सकता है ।

I am proud to share that along with farmers, your Society helped in ensuring an uninterrupted food chain that prevented a food scarcity crisis. Sharing each other's burden and working towards a common goal is the true essence of a cooperative.

Your Society has also been able to reduce outstanding subsidy from ₹ 9,340 crore to ₹ 1,873 crore. This directly improves the financial performance of the Society. Your Society will always be grateful to the Govt of India for its support and cooperation.

AN ABLE NAVIGATOR

As the captain of the ship, Dr. U.S. Awasthi, Managing Director, steered your Society with a steady hand and provided a purposeful vision and direction to IFFCO. He kept the morale of employees high during the pandemic. When travelling was not possible due to pandemic, he toured all the 5 production units virtually. These tours provided valuable suggestions and feedback during the pandemic. Dr. Awasthi's compassionate leadership style enabled every employee, farmer and stakeholder to contribute to the growth of the Society as a cohesive team. Thanks to his commitment and foresight, your Society has performed exceedingly well in all aspects of operations. I am confident that Dr. U.S. Awasthi will continue to provide direction and vision to the Society towards making it a global role model for every organisation to follow.

IFFCO Security Staff distributing masks and gloves to participating delegates

FINANCIAL PERFORMANCE

Faster, Higher, Stronger

The motto of Olympics Games— Faster, Higher, Stronger perhaps is the most appropriate phrase to sum up the financial performance of your Society. Your Society has delivered an excellent performance during the year 2020-21, despite the challenges for sustainable growth of the fertiliser business, high volatility in the forex market and fluctuating prices of imported raw material and fertilisers. The Society's business profile was supported by diverse income streams with presence across urea, phosphatic fertilisers, trading activities, and investments in profitable ventures.

Sales turnover of the Society was ₹ 27,836.86 Crore during 2020-21 as against ₹ 29,412.44 Crore in the previous year. The performance is even more satisfying in view of the highest ever sales, profit before and after tax and continuous strong focus on modernisation of plants.

श्री मनसुख मंडाविया, रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री राकेश पुरी, वरि महाप्रबंधक, इफको आंवला–I को नाइट्रोजन उर्वरक की श्रेणी में मिले एफ ए आई श्रेष्ठ उत्पादन प्रदर्शन पुरस्कार प्रदान करते हुए

Shri Mansukh Mandaviya, MoS Chemicals and Fertilizers, GoI presenting FAI Best Technical Innovation Award for IFFCO Aonla-I to Shri I C Jha, Executive Director, IFFCO Aonla

श्री मनसुख मंडाविया, रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री एम एम अहमद, कार्यकारी निदेशक, इफको फूलपुर–II को नाइट्रोजन उर्वरक की श्रेणी में मिले एफ ए आई श्रेष्ठ उत्पादन प्रदर्शन पुरस्कार (द्वितीय विजेता) प्रदान करते हुए

वर्ष 2020–21 के दौरान इफको समूह का कुल कारोबार रुपये 39,497.02 करोड़ रहा ।

वित्तीय लागत

वर्ष 2020–21 के दौरान ब्याज लागत ₹ 689.42 करोड़ रही, जो वर्ष 2019–20 के दौरान ₹1059.03 करोड़ थी। समिति ने अत्यधिक प्रतियोगी दरों पर ऋण लेकर अपनी निधियों की आवश्यकताओं को पूरा किया और यह सुनिश्चित किया कि समिति के पास पर्याप्त नकदी तथा ऋण सुविधा उपलब्ध रहे। ब्याज लागत में कमी के पीछे ब्याज दरें कम होने, देनदारों से समय पर देनदारियां प्राप्त होने, भारत सरकार से सब्सिडी की पुरानी राशि प्राप्त होने तथा मालसूचियों के परिसमापन की भूमिका रही। ब्याज लागत में ₹ 339.43 करोड़ की वह राशि भी शामिल है, जो वर्ष के दौरान भारत सरकार से मिलने वाली सब्सिडी की प्राप्ति में देरी के कारण वहन करनी पड़ी है। बैंकों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों व वित्तीय अनुशासन की वजह से समिति को अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को भलीभांति पूरा करने में मदद मिली है।

समिति ने अपनी अधिशेष निधियों का टैक्स फ्री बांडों, कॉरपोरेट बांडों, राज्य विकास ऋणों और सावधि जमाओं आदि में विवकेपूर्ण ढंग से मिला जुला निवेश किया है। इन निधियों की कुल राशि 31 मार्च 2021 को ₹ 7959.55 करोड़ हो चुकी है। समिति अपनी निधियों का निवेश काफी सोच समझकर समिति के दूरगामी हितों को ध्यान में रखकर करती है। हमारे निवेश मुख्यतः एएए/एए + रेटिंग वाले इंस्ट्रूमेंट्स तथा राज्य सरकार के बांडों में किये गये हैं। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान समिति ने इन निवेशों पर ₹ 321.69 करोड़ की आय प्राप्त की है जो कि 5.71 प्रतिशत वार्षिक बैठती है।

विदेशी मुद्रा प्रबंधन

समिति ने वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान लगभग 1.34 बिलियन अमेरिकी डॉलर (भारतीय मूल्य ₹ 9,990 करोड़ के समकक्ष) का विदेशी मुद्रा कारोबार किया। यह कारोबार तैयार उत्पाद तथा कच्चे माल यथा फास्फोरिक एसिड, रॉक फास्फेट, अमोनिया, सल्फर, डीएपी, सल्फ्यूरिक एसिड तथा विशिष्ट उर्वरकों आदि की खरीद के लिए किया गया ।

तेजी से बढ़ रही वैश्विक अर्थ–व्यवस्था के माहौल में विदेशी मुद्रा का प्रबंधन जहां बहुत से अवसर उपलब्ध कराता है वहीं जोखिम भी लेकर आता है। महामारी के कारण विदेशी मुद्रा प्रबंधन पर भी काफी असर पड़ा। वित्त वर्ष के दौरान भारत में कोविड–19 की शुरुआत और इसके बढ़ते मामलों के कारण रुपये की अस्थिरता दर लगभग 6.43 प्रतिशत के आस–पास रही। 22 अप्रैल, 2020 में जहां एक अमेरिकी डॉलर का मूल्य गिरकर ₹ 76.91 था वहीं 24 फरवरी 2021 को रुपये का यह मूल्य बढ़कर ₹ 72.26 प्रति अमेरिकी डॉलर हो गया । विनिमय दरों में अभूतपूर्व उतार–चढ़ाव तथा अत्यधिक अस्थिरता के बावजूद आपकी समिति ने बहुत ही कुशलतापूर्वक विदेशी मुद्रा का प्रबंधन किया। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि विनिमय दर पर दिन–प्रतिदिन आधार पर नजर रखते हुए कुशल विदेशी विनिमय प्रबंधन से समिति को लगभग ₹ 43.64 करोड़ की निवल बचत हुई है।

The total turnover of the IFFCO group for FY 2020-21 was ₹ 39,497.02 Crore.

Financing Cost

The interest cost during 2020-21 was ₹ 689.42 Crore as compared to ₹ 1,059.03 Crore during 2019-20. Your Society optimally managed its funds requirement by focussing on arranging funds at most competitive rates of borrowing and ensured that it had adequate liquidity and back up lines of credit. Interest cost decreased due to softening of interest rates, timely realisation of debtors, clearance of old subsidy receivables by GOI and liquidation of inventory. The interest cost includes an amount of ₹ 339.43 Crore attributed to the funding of delayed subsidy receivables from GOI. Excellent working relationship with banks along with fiscal discipline helped in the Society being treated as a most trusted and valued customer by the banks in meeting our working capital requirements in an efficient manner.

The Society invested its surplus funds in a judicious mix of tax-free bonds, corporate bonds, state development loans and fixed deposits. The corpus of such funds as of March 31, 2021 stood at ₹ 7,959.55 Crores. The Society follows a style agnostic, fundamental research driven approach towards its investment portfolio with a long-term horizon keeping safety of Principal as prime objective. Majority of the Society's investments are in AAA / AA+ rated instruments and state government bonds. The Society earned an income of ₹ 321.69 Crore during the financial year 2020-21 giving a yield of 5.71% p.a. on these investments.

Foreign Exchange Management

Your Society had foreign exchange exposure of approximately US$ 1.34 Billion (equivalent to ₹ 9,990 Crore) during the financial year 2020-21. This was on account of import of raw material and finished products such as, Phosphoric Acid, Rock Phosphate, Ammonia, Sulphur, DAP, Sulphuric Acid and Speciality Fertilisers etc.

In an increasingly global economy, managing foreign exchange presents tremendous opportunities as well as risks. Foreign exchange management was greatly affected due to the pandemic. The rupee witnessed a volatility of around 6.43% during the financial year due to the outbreak of COVID-19 and increasing cases in India. It touched a low of ₹ 76.91 per US$ on April 22, 2020 and a high of ₹ 72.26 on February 24, 2021. Despite such unprecedented market disruption and extreme volatility, your Society managed its foreign currency exposure very efficiently. I am happy to share that the daily focus on efficient foreign exchange management resulted in net saving to the tune of ₹ 43.64 Crore.

Inside View of IFFCO's Nano Biotechnology Research Center

श्री मनसुख मंडाविया, रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री ओ पी दायमा, वरि महाप्रबंधक, इफको कांडला को कैप्टिव एसिड रहित कॉम्प्लेक्स उर्वरक श्रेणी में मिले एफ ए आई पर्यावरण सुरक्षा पुरस्कार प्रदान करते हुए

Shri Mansukh Mandaviya, MoS Chemicals and Fertilizers, GoI presenting 'Transfer of Improved Farm Technologies – FAI Golden Jubilee Award' to Shri Yogendra Kumar, Marketing Director, IFFCO

श्री मनसुख मंडाविया, रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री जे पी श्रीवास्तव, सं महाप्रबंधक, इफको पारादीप को कैप्टिव एसिड कॉम्प्लेक्स उर्वरक श्रेणी में मिले एफ ए आई पर्यावरण सुरक्षा विशेष पुरस्कार प्रदान करते हुए

निवल लाभ

आपकी समिति उर्वरक उद्योग की सबसे अधिक लाभ अर्जित करने वाली कंपनी बनी हुई है क्योंकि इसका ध्यान प्रचालन दक्षता व लागत नियंत्रण पर केंद्रित रहता है । आपकी समिति ने वर्ष 2020–21 के दौरान ₹ 2,369.78 करोड़ का अब तक का सबसे अधिक कर पूर्व लाभ अर्जित किया जबकि वर्ष 2019–20 के दौरान यह लाभ ₹ 1,280.43 करोड़ था। इस वर्ष समिति का कर पश्चात लाभ अब तक का सर्वाधिक ₹ 1,753.89 करोड़ रहा जबकि गत वर्ष यह ₹ 1,004.56 करोड़ था ।

निवल लाभ का विनियोजन

कर–पश्चात लाभ का विनियोजन निम्नलिखित विवरण के अनुसार किए जाने का प्रस्ताव है :

(₹ करोड़ में)

मद	2020-21		2019-20	
कर–पश्चात लाभ		**1,753.89**		**1,004.56**
घटाएं: निवेश उतार–चढ़ाव निधि	705.00		460.00	
घटाएं: लाभांश समानीकरण निधि	745.00	1,450.00	340.00	800.00
आवंटन योग्य निवल लाभ		**303.89**		**204.56**
(बहुराज्य सहकारी सोसाइटीज अधिनियम के अनुसार)				
घटाएं : प्रस्तावित विनियोजन				
(I) उपनियम 56(1) के अनुसरण में आरक्षित निधि	75.97		51.14	
(ii) उपनियम 56(4) के अनुसरण में आकस्मिकताओं के लिए आरक्षित निधि	30.39		20.46	
(iii) सहकारी शिक्षा निधि के लिये आरक्षित	3.04		2.05	
(iv) सहकारी कल्याण निधि के लिये आरक्षित	--		1.00	
(v) दान के लिए आरक्षित	1.00	110.40	1.00	75.65
निपटान योग्य निवल लाभ		**193.49**		**128.91**
सामान्य आरक्षित निधि को अंतरित		68.14		3.42
प्रस्तावित लाभांश के लिये प्रतिधारित आय		**125.35**		**125.49**

Net Profit

Your Society continues to be the most profitable entity in the fertiliser industry due to its focus on operational excellence and cost efficiency. Your Society delivered excellent performance with the highest ever profit before tax of ₹ 2,369.78 Crore during the year 2020-21 as against ₹ 1,280.43 Crore during 2019-20 and highest ever profit after tax of ₹ 1,753.89 Crore as compared to the previous year's figure of ₹ 1,004.56 Crore.

Appropriations out of Net Profit

The Profit after Tax has been proposed for appropriation as under:

(₹ crore)

Item	2020-21		2019-20	
Profit After Tax		**1,753.89**		**1,004.56**
Less: Investment Fluctuation Fund	705.00		460.00	
Less: Dividend Equalisation Fund	745.00	1,450.00	340.00	800.00
Net Allocable Profit (as per MSCS Act)		**303.89**		**204.56**
Less: Proposed Appropriations:				
(i) Reserve Fund as per Bye-law 56(i)	75.97		51.14	
(ii) Reserve Fund for Contingency as per Bye-law 56(iv)	30.39		20.46	
(iii) Cooperative Education Fund	3.04		2.05	
(iv) Cooperative Welfare Fund	--		1.00	
(v) Reserve for Donations	1.00	110.40	1.00	75.65
Net Disposable Profit		**193.49**		**128.91**
Transfer to General Reserve		68.14		3.42
Retained Earnings for Proposed Dividend*		**125.35**		**125.49**

Shri Rajneesh Pandey, Sr. Mgr. (Marketing) receiving the FAI award for Promotion & Marketing of Micronutrients from Shri Mansukh Mandaviya, MoS Chemicals and Fertilizers, GoI.

श्री मनसुख मंडाविया, रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री, भारत सरकार डॉ. पंजाब सिंह को कृषि अनुसंधान व विकास के क्षेत्र में आजीवन उपलब्धि के लिए डॉ. उदय शंकर अवस्थी इफको पुरस्कार प्रदान करते हुए

Shri Mansukh Mandaviya, MoS Chemicals and Fertilizers, GoI presenting FAI Award for Excellence in Safety (Runners-up) for IFFCO Paradeep to Shri K J Patel, Executive Director, IFFCO Paradeep

डॉ. पंजाब सिंह को बधाई देते हुए
डॉ. उदय शंकर अवस्थी, प्रबंध निदेशक, इफको

शेयर पूंजी

31 मार्च, 2021 को आपकी समिति की प्रदत्त शेयर पूंजी ₹ 627.01 करोड़ तथा कुल सदस्य संख्या 35,343 हो गई है, जबकि 31 मार्च, 2020 को समिति की शेयरपूंजी ₹ 628.34 करोड़ तथा कुल सदस्य संख्या 35,300 थी। ऐसा नई समितियों को सदस्यता प्रदान करने, विलय, शेयर पूंजी की वापसी, समितियों के परिसमापन, लापता समितियों की शेयरपूंजी जब्त करने तथा उनकी सदस्यता रद्द करने की वजह से हुआ है।

आरक्षित एवं अधिशेष

31 मार्च, 2020 को आरक्षित एवं अधिशेष निधियां ₹ 16,545.20 करोड़ थीं जो 31 मार्च, 2021 को बढ़कर ₹ 18,170.36 करोड़ हो गई हैं। इस प्रकार इनमें गत वर्ष की तुलना में ₹ 1625.16 करोड़ की वृद्धि हुई है। गत वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर समिति की निवल सम्पत्ति ₹ 17,173.54 करोड़ थी जो 31 मार्च, 2021 को बढ़कर ₹ 18,797.37 करोड़ हो गई है।

31 मार्च 2021 को समिति व इसके संयुक्त उद्यमों, सहायक कंपनियों और एसोसिएट्स सहित पूरे समूह की कुल निवल संपत्ति ₹ 26,186.97 करोड़ थी जबकि 31 मार्च 2020 को यह ₹ 24,227 करोड़ थी।

ऋण निधियां

समिति वित्तीय मामलों में हमेशा से पूरी ईमानदारी से कार्य करती रही है और अपने सभी हितधारकों के साथ अच्छे संबंध व साख बनाकर रखती है। 31 मार्च 2021 को बकाया ऋण निधियां ₹ 7,922.98 करोड़ हैं, जबकि गत वर्ष के अंत तक यह निधियां ₹ 14,844.55 करोड़ थीं।

स्थायी परिसंपत्तियां

31 मार्च, 2021 के अनुसार सकल ब्लॉक (चालू पूंजीगत कार्यों सहित) बढ़कर ₹ 21,659.33 करोड़ हो गया, जबकि 31 मार्च, 2020 को यह ₹ 21,166.58 करोड़ था। वर्ष के दौरान जोड़ी गयी परिसंपत्तियों के लिए निधियों की व्यवस्था समिति के आंतरिक संसाधनों से की गई।

चालू परिसंपत्तियां

31 मार्च, 2021 को चालू परिसंपत्तियां ₹ 13,392.95 करोड़ हो गई जबकि 31 मार्च, 2020 को यह ₹ 19,668.69 करोड़ थीं।

Share Capital

As on March 31, 2021, the Society's paid up Share Capital was ₹ 627.01 Crores with a total number of member shareholders at 35,343 as against Share Capital of ₹ 628.34 Crores and total Number of member shareholders at 35,300 as on March 31, 2020; consequent to new admission, merger, refund, liquidation, forfeiture and cancellation of membership of untraceable societies.

Reserves & Surplus

The Reserves and Surplus increased from ₹ 16,545.20 Crore as on March 31, 2020 to ₹ 18,170.36 Crore as on March 31, 2021, indicating an increase of ₹ 1,625.16 Crore over the previous year. The Net Worth of the Society as on March 31, 2021 increased to ₹ 18,797.37 Crore from ₹ 17,173.54 Crore as at the close of the previous year.

The total Net Worth of the group, including the Society and its JVs, Subsidiaries and Associates as on March 31, 2021 was ₹ 26,186.97 Crore as against ₹ 24,227 Crore as on March 31, 2020.

Loan Funds

The Society has always maintained the highest level of financial integrity and enjoyed a good relationship and credibility with all the stakeholders. The outstanding loan funds as on March 31, 2021 stood at ₹ 7,922.98 Crore as against ₹ 14,844.55 Crore at the end of the previous year.

Fixed Assets

The Gross Block (including Capital Work in Progress) increased to ₹ 21,659.33 Crore as on March 31, 2021 from ₹ 21,166.58 Crore as on March 31, 2020. The additions during the year were funded out of internal accruals and long-term loans availed by the Society.

Current Assets

The Current Assets stood at ₹ 13,392.95 Crore as on March 31, 2021 as compared to ₹ 19,668.69 Crore as on March 31, 2020.

कलोल में निर्माणाधीन नैनो यूरिया संयंत्र का निरीक्षण करते हुए डॉ. उदय शंकर अवस्थी, प्रबंध निदेशक, इफको

Aerial view of IFFCO's Nano Urea plant in Gujarat

नैनो यूरिया संयंत्र के निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए डॉ. उदय शंकर अवस्थी, प्रबंध निदेशक, इफको

लाभांश

सदस्यों को यह जानकर प्रसन्नता होगी कि आपकी समिति पिछले उन्नीस वर्षों से लगातार अधिकतम अनुज्ञेय दर पर लाभांश का भुगतान कर रही है। आलोच्य वर्ष के दौरान भी समिति के अच्छे कार्यनिष्पादन को देखते हुए निदेशक मंडल ने एक बार फिर अर्थात लगातार बीसवें वर्ष प्रदत्त इक्विटी शेयरपूंजी पर 20 प्रतिशत की दर से लाभांश देने की सिफारिश की है जो कि इफको उपनियमों के तहत अधिकतम अनुज्ञेय है।

संयंत्र कार्यनिष्पादन

वर्ष के दौरान कोविड–19 महामारी की चुनौतियों के बावजूद आपकी समिति ने उत्पादन और ऊर्जा स्तर के मामले में निरंतर कार्यनिष्पादन किया। ऐसा इंजीनियरों और प्रतिबद्ध कर्मचारियों के नवाचार और रचनात्मकता के कारण संभव हो सका है। सर्वोत्तम उपलब्ध तकनीक (बीएटी) के मामले में हमारे सभी संयंत्रों की तुलना विश्व के सबसे अच्छे संयंत्रों से की जा सकती है। हमारे प्रतिबद्ध कर्मचारियों ने प्रचालनों का नियंत्रण व मॉनिटरिंग सुनिश्चित करते हुए समय पर सुधारात्मक तरीके अपनाए और उपलब्ध पुरानी सूचनाओं के आधार पर कमियों को पहले से जान लेने और उनका विश्लेषण करने के मामले में सक्रिय भूमिका निभाई ।

वर्ष के दौरान आपकी समिति ने 89.58 लाख मी. टन उर्वरकों का उत्पादन किया। इस उत्पादन में 46.75 लाख मी. टन नीम लेपित यूरिया, 19.24 लाख मी. टन डीएपी, 23.48 लाख मी. टन एनपी/एनपीके तथा 11,292 मी. टन पानी में घुलनशील उर्वरक/जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट का उत्पादन शामिल है। सभी यूरिया संयंत्रों में नीम लेपित यूरिया का उत्पादन किया गया। वर्ष 2020–21 के दौरान नाइट्रोजन तथा P_2O_5 के मामले में क्रमशः 107.2 प्रतिशत तथा 87.6 प्रतिशत क्षमता का उपयोग किया गया। वर्ष 2020–21 के दौरान यूरिया संयंत्रों में समेकित विशिष्ट ऊर्जा खपत 5.312 जीकैल/मी. टन यूरिया हुई।

कलोल इकाई में वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान 3.93 लाख मी0 टन अमोनिया तथा 6.24 लाख मी.टन यूरिया का उत्पादन किया गया जबकि संशोधित राजस्व बजट 3.71 लाख मी. टन अमोनिया तथा 6.02 लाख मी. टन यूरिया के उत्पादन का था। अमोनिया तथा यूरिया के मामले में क्षमता का उपयोग क्रमशः 108.3 प्रतिशत तथा 114.5 प्रतिशत किया गया। वर्ष 2020–21 के दौरान, कलोल इकाई ने कांडला इकाई को 21,935 मी. टन सरप्लस अमोनिया का अंतरण किया तथा बाहरी पार्टियों को 13,329 मी.टन अमोनिया की बिक्री की। 46 वर्ष पुरानी इकाई होने के बावजूद इस इकाई द्वारा वर्ष 2021 के दौरान 5.550 जी कैल/मी. टन यूरिया की दर से ऊर्जा की विशिष्ट खपत की गई जबकि वर्ष 2019–20 के दौरान यूरिया के मामले में विशिष्ट ऊर्जा खपत 5.593 जीकैल/मी.टन थी।

Dividend

Members will be delighted to note that your Society has been paying the maximum permissible dividend consecutively for the last nineteen years. Considering the continued good performance during the year under review, the Board of Directors have once again recommended for the twentieth consecutive year the payment of dividend at the rate of 20% of paid up equity share capital, which is the maximum permissible under the IFFCO Byelaws.

PLANT PERFORMANCE

Despite the challenges by the pandemic, your Society managed to maintain a consistent performance in terms of production and energy level. This has been possible due to the innovation and creativity of engineers and a committed workforce. All our plants can be compared very well with the world's best in terms of use of Best Available Technology (BAT). Your committed workforce ensured control and monitoring of operations, took timely corrective measures and were proactive in predicting and analysing failures based on historical data.

Your Society produced 89.58 lakh MT of fertilisers, comprising of 46.75 lakh MT of Neem Coated Urea, 19.24 lakh MT of DAP, 23.48 lakh MT of NP/NPK and 11,292 MT of WSFs / Zinc Sulphate Monohydrate. All urea plants produced neem coated urea. The capacity utilisation during FY 2020-21, in terms of 'N' and 'P_2O_5' were 107.2% and 87.6%, respectively. The urea plants achieved composite specific energy consumption of 5.312 GCal / MT of Urea during the FY 2020-21.

Kalol unit produced 3.93 lakh MT of ammonia and produced 6.24 lakh MT of urea during the FY 2020-21 against the revised revenue budget of 3.71 lakh MT of ammonia and 6.02 lakh MT of urea. The capacity utilisation for ammonia and urea were 108.3% and 114.5% respectively. Kalol unit also transferred 21,935 MT of surplus ammonia to Kandla unit and sold 13,329 MT to outside parties during the FY 2020-21. The unit despite being 46 years old, achieved Specific Energy Consumption of 5.550 GCal / MT of urea during the FY 2020-21 as compared to 5.593 GCal / MT of urea during the FY 2019-20.

Shri Dileep Sanghani, Vice-Chairman, IFFCO during a blanket distribution drive in Gujarat

सीमा शुल्क विभाग, दीनदयाल पोर्ट ट्रस्ट कांडला द्वारा इफको कांडला को मिला सर्वाधिक करदाता पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्री ओ. पी. दायमा, इकाई प्रमुख, कांडला

Panoramic view of IFFCO Kandla Plant

प्रबंध निदेशक के कांडला संयंत्र के आभासी दौरे का स्नैप शॉट

फूलपुर इकाई में वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान 10.13 लाख मी. टन अमोनिया तथा 17.70 लाख मी. टन यूरिया का उत्पादन किया गया, जबकि संशोधित राजस्व बजट 10.07 लाख मी. टन अमोनिया तथा 17.50 लाख मी. टन यूरिया के उत्पादन का था। अमोनिया तथा यूरिया के मामले में क्षमता का उपयोग क्रमशः 103.8 प्रतिशत तथा 104.2 प्रतिशत किया गया। फूलपुर इकाई में वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान विशिष्ट ऊर्जा खपत 5.545 जी कैल/मी. टन यूरिया हुई, जबकि वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान यह खपत 5.418 जीकैल/मी.टन यूरिया थी। वर्ष के दौरान, फूलपुर इकाई में दिसंबर 2020 और मार्च 2021 में क्रमशः हाई प्रेशर लिक्विड अमोनिया रेसीप्रोक्रेटिंग पंप और बॉयलर में खराबी आने के कारण दो दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुई। इसे रोकने के लिए उचित सुधारात्मक उपाय शुरू किए जा चुके हैं । खराबी के कारण का पता लगाने के लिए जांच–पड़ताल चल रही है। अपने कर्तव्यों के निर्वाह में कोताही बरतने वाले लोगों को कड़ी सजा दी जाएगी । प्रचालनों के सुरक्षा पहलुओं को और अधिक मजबूत बनाया जा रहा है ।

आंवला इकाई में वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान 13.04 लाख मी. टन अमोनिया तथा 22.82 लाख मी. टन यूरिया का उत्पादन किया गया, जबकि संशोधित राजस्व बजट 12.87 लाख मी. टन अमोनिया तथा 22.50 लाख मी. टन यूरिया के उत्पादन का था। अमोनिया तथा यूरिया के मामले में क्षमता का क्रमशः 113.6 प्रतिशत तथा 114.1 प्रतिशत उपयोग किया गया। आंवला इकाई में वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान यूरिया के उत्पादन में 5.066 जीकैल/मी. टन की विशिष्ट ऊर्जा खपत हुई, जबकि वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान यह खपत 5.091 जीकैल/मी. टन यूरिया थी।

कांडला इकाई में वर्ष 2020–21 के दौरान 22.95 लाख मी. टन एनपीके/डीएपी/पानी में घुलनशील उर्वरक/जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट का उत्पादन किया गया, जबकि संशोधित राजस्व बजट 22.62 लाख मी. टन के उत्पादन का था। संयंत्र द्वारा 93.3 प्रतिशत क्षमता का उपयोग किया गया। कुल उत्पादन में पानी में घुलनशील उर्वरक का 8249 मी.टन और जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट का 3043 मी. टन का उत्पादन भी शामिल है। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान कांडला इकाई ने 4558 मी. टन आयातित अमोनिया की बिक्री भी की ।

पारादीप इकाई में वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान 19.88 लाख मी. टन एनपी/डीएपी का उत्पादन किया गया जबकि संशोधित राजस्व बजट 19.70 लाख मी. टन एनपी/डीएपी के उत्पादन का था । बल्क उर्वरकों के उत्पादन के मामले में क्षमता उपयोग 103.6 प्रतिशत किया गया। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान पारादीप इकाई में 18.42 लाख मी. टन सल्फ्यूरिक एसिड व 7.71 लाख मी. टन फास्फोरिक एसिड का उत्पादन किया गया। पारादीप इकाई ने वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान 1.28 लाख मी. टन जिप्सम तथा 6795 मी. टन हाइड्रो फ्लुओसिलिसिक एसिड (H_2SiF_6) की बिक्री भी की।

Phulpur unit produced 10.13 lakh MT of ammonia and 17.70 lakh MT of urea during FY 2020-21 against the revised revenue budget of 10.07 lakh MT of ammonia and 17.50 lakh MT of urea. The capacity utilisation for ammonia and urea were 103.8% and 104.2% respectively. Phulpur unit achieved Specific Energy Consumption of 5.545 GCal / MT of urea during the FY 2020-21 as compared to 5.418 GCal / MT of urea during the FY 2019-20. During the year, there were two unfortunate accidents at the Phulpur Unit due to the failure of a High Pressure Liquid Ammonia Reciprocating Pump and Boiler in December 2020 and March 2021, respectively. Suitable corrective measures have been initiated. Investigations are underway to pinpoint the causes of failures. Severe punishment will be given to persons found in dereliction in performance of their duties. Safety aspects of the operations are being further strengthened.

Aonla unit produced 13.04 Lakh MT of ammonia and 22.82 Lakh MT of Urea during the FY 2020-21 against revised revenue budget of 12.87 Lakh MT of ammonia and 22.50 lakh MT of urea. The capacity utilisation for ammonia and urea were 113.6% and 114.1% respectively. Aonla unit achieved Specific Energy Consumption 5.066 GCal / MT of urea during the FY 2020-21 as compared to 5.091 GCal / MT of urea during the FY 2019-20.

Kandla unit produced 22.95 Lakh MT of NPK / DAP / WSFs / Zinc Sulphate Monohydrate during the FY 2020-21 against revised revenue budget of 22.62 lakh MT. The capacity utilisation was 93.3%. The production of 8249 MT and 3043 MT of Water Soluble Fertilisers and zinc sulphate monohydrate, respectively, are included in total production. Kandla unit also sold 4558 MT of imported ammonia during the FY 2020-21.

Paradeep unit produced 19.88 lakh MT of NP/ DAP during FY 2020-21 against revised revenue budget of 19.70 lakh MT of NP/DAP. The capacity utilisation was 103.6% in terms of bulk fertiliser. Paradeep unit produced 18.42 lakh MT of sulphuric acid and 7.71 lakh MT of phosphoric acid during FY 2020-21. Paradeep unit also sold 1.28 lakh MT of gypsum and 6795 MT of hydro fluosilicic acid (H2SiF6) during the FY 2020-21.

Zee Gujrati Award given to IFFCO Kandla for the promotion of Gujrati Culture

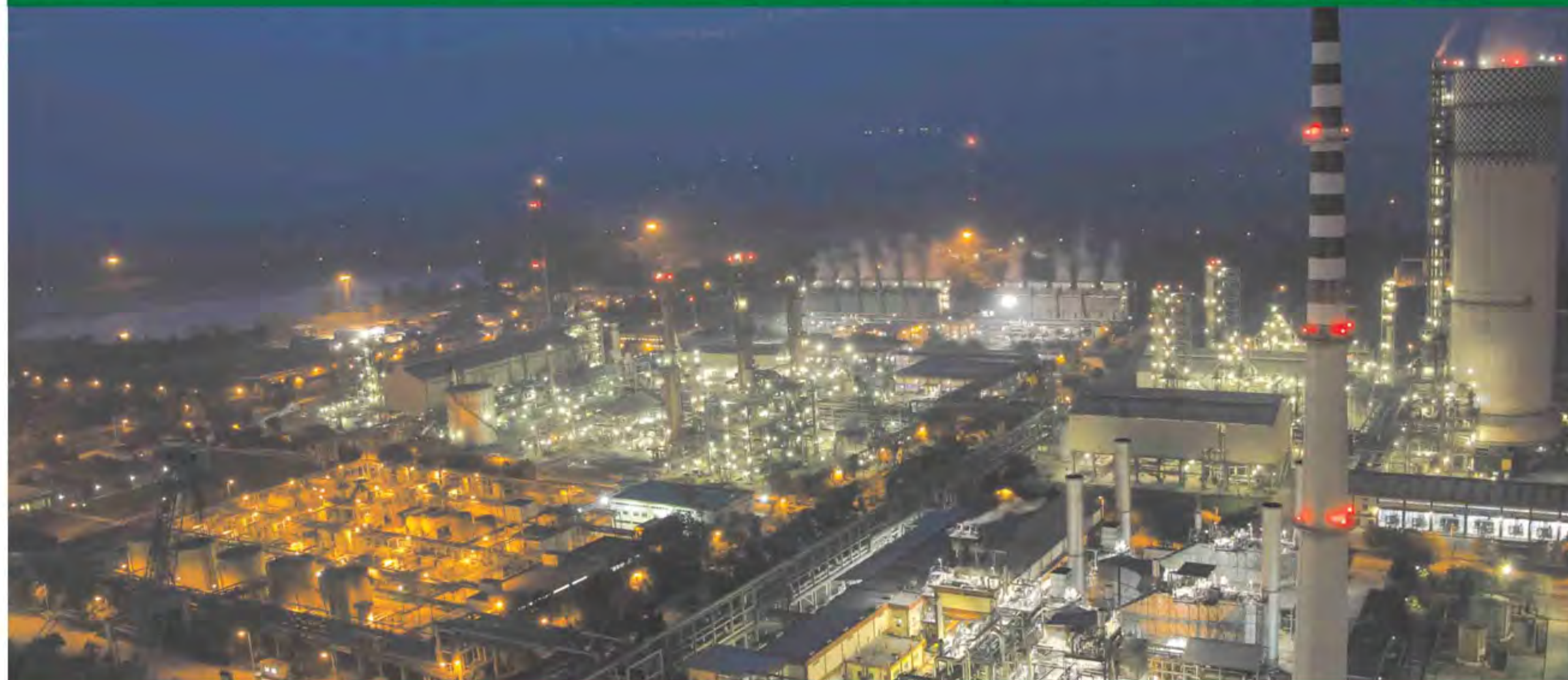

इफको आंवला संयंत्र का रात्रिकालीन दृश्य

Panoramic view of IFFCO Phulpur Plant

प्रबंध निदेशक के आंवला संयंत्र के आभासी दौरे के दौरान कर्मचारीगण

वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2019–20 के दौरान उत्पादन कार्यनिष्पादन

संयंत्र / उत्पाद	2020-21 उत्पादन (लाख मी.टन)	2020-21 क्षमता उपयोग (%)	2019-20 उत्पादन (लाख मी.टन)	2019-20 क्षमता उपयोग (%)
यूरिया				
कलोल	6.24	114.5	6.02	110.6
फूलपुर–1	7.06	101.1	7.50	107.4
फूलपुर–2	10.64	106.4	12.16	121.6
आंवला–1	11.04	110.5	12.20	122.0
आंवला–2	11.77	117.7	10.87	108.7
कुल यूरिया	**46.75**	**110.2**	**48.75**	**114.9**
एनपी / एनपीके / डीएपी / डब्ल्यूएसएफ / जिंक सल्फेट				
कांडला– एनपीके / डीएपी / डब्ल्यूएसएफ / जिंक सल्फेट	22.95	92.70	23.36	94.40
पारादीप– एनपी / एनपीके / डीएपी	19.88	103.6	19.31	100.6
कुल एनपी / एनपीके / डीएपी / डब्ल्यूएसएफ / जिंक सल्फेट	**42.83**	**97.40**	**42.67**	**97.10**
कुल उर्वरक	**89.58**	**103.70**	**91.42**	**105.80**
उत्पादन				
'एन'	28.19	107.00	29.18	110.80
'पी$_2$ओ$_5$'	15.07	87.6	15.37	89.4

PRODUCTION PERFORMANCE DURING 2020-21 vis-a-vis 2019-20

Plant / Product	2020-21 Production (Lakh MT)	2020-21 Capacity Utilisation (%)	2019-20 Production (Lakh MT)	2019-20 Capacity Utilisation (%)
Urea				
Kalol	6.24	114.5	6.02	110.6
Phulpur-I	7.06	101.1	7.50	107.4
Phulpur-II	10.64	106.4	12.16	121.6
Aonla-I	11.04	110.5	12.20	122.0
Aonla-II	11.77	117.7	10.87	108.7
Total Urea	**46.75**	**110.2**	**48.75**	**114.9**
NP/NPK/DAP/WSFs/ Zinc Sulphate				
Kandla- NPK/DAP/WSFs/ Zinc Sulphate	22.95	92.70	23.36	94.40
Paradeep- NP/NPK/DAP	19.88	103.6	19.31	100.6
Total NP/NPK/DAP/ WSFs/Zinc Sulphate	**42.83**	**97.40**	**42.67**	**97.10**
Total Fertilisers	**89.58**	**103.70**	**91.42**	**105.80**
Production in terms of				
'N'	28.19	107.00	29.18	110.80
'P_2O_5'	15.07	87.6	15.37	89.4

Snapshot of MD's virtual visit to Phulpur plant

इफको पारादीप संयंत्र का एक दृश्य

JIFCO Fertilizer Plant in Eshidiya, Jordan

श्री के जे पटेल, संयंत्र प्रमुख,
पारादीप के नेतृत्व में कंबल वितरण अभियान

कांडला इकाई में वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2019–20 के दौरान क्रमशः 8249 मी. टन तथा 6874 मी. टन पानी में घुलनशील उर्वरकों का उत्पादन किया गया।

कांडला इकाई में वर्ष 2020–21 तथा 2019–20 के दौरान क्रमशः 3043 मी. टन तथा 2603 मी. टन जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट का उत्पादन भी किया गया।

विपणन

नवोन्मेष, निरंतरता, जीत

वर्ष 2020–21 देश के अधिकांश भागों में कृषि की दृष्टि से अच्छा रहा। पूरे देश में कुल मिलाकर दीर्घावधिक औसत (एलपीए) वर्षा 109 प्रतिशत रही। देश के 36 मौसम संबंधी उपसंभागों में से 31 में सामान्य/अधिक वर्षा हुई जबकि 5 उपसंभागों अर्थात देश के 15 प्रतिशत भाग में कम वर्षा हुई। खरीफ 2020 के दौरान देश में कुल वर्षा 957.6 मि.मी. हुई, जबकि वर्षा का सामान्य स्तर 880.6 मि.मी. है और गत वर्ष इसी अवधि में 968.3 मि.मी. वर्षा हुई थी। चालू वर्ष में सर्दी के मौसम में भी वर्षा अच्छी हुई। वर्ष 2020–21 के दौरान खाद्यान्न उत्पादन 303 मिलियन टन रहने का अनुमान है जबकि 2019–20 में यह 297.5 मिलियन टन रहा था।

वर्ष 2020–21 के दौरान देश में उर्वरकों की खपत (पीओएस बिक्री के जरिये रिकॉर्ड किया गया) लगभग 10.8 प्रतिशत वृद्धि के साथ 325.35 लाख टन पोषक तत्व (एन+पी+के) होने का अनुमान है, जबकि वर्ष 2019–20 के दौरान 293.71 लाख टन की खपत हुई थी। वर्ष 2020–21 के दौरान यूरिया की खपत 4.0 प्रतिशत अधिक अर्थात 350.42 लाख टन हुई जबकि वर्ष 2019–20 के दौरान वास्तविक खपत 336.95 लाख टन थी। वर्ष 2020–21 के दौरान डीएपी/एमएपी की खपत 17.9 प्रतिशत अधिक अर्थात लगभग 119.11 लाख मी.टन होने का अनुमान है जबकि वर्ष 2019–20 में यह 100.99 लाख टन थी। वर्ष 2020–21 के दौरान एनपीके उर्वरकों की खपत लगभग 19.6 प्रतिशत अधिक अर्थात 125.82 लाख टन हुई, जबकि 2019–20 के दौरान वास्तविक खपत 105.18 लाख टन हुई थी । वर्ष 2020–21 के दौरान देश में यूरिया तथा डीएपी का क्रमशः करीब 98.28 लाख टन तथा 58.12 लाख टन का आयात किया गया । वर्ष के दौरान एनपी/एनपीके का 17.41 लाख टन का आयात किया गया था ।

Kandla unit produced 8249 MT and 6874 MT of Water Soluble Fertilisers during 2020-21 and 2019-20 respectively

Kandla unit also produced 3043 MT & 2603 MT of Zinc Sulphate Monohydrate during 2020-21 and 2019-20 respectively

MARKETING

Innovating, Sustaining, Winning

The year 2020-21 has been good from the agriculture point in most parts of the country. Rainfall over the country as a whole was 109% of its long period average (LPA). Out of total 36 meteorological subdivisions, 31 received normal/excess rainfall, while 5 sub-divisions constituting 15% of the total area of the country received deficient seasonal rainfall. The total rainfall received in the country during Kharif 2020 was 957.6 mm against the normal level of 880.6 mm and 968.3 mm during the same period last year. Winter rains in the current year were also good. Food grain production during the year 2020-21 is estimated at 303 million tonnes against 297.5 million tonnes in 2019-20.

Fertiliser consumption in the country (recorded through POS sales) during 2020-21 is around 10.8% higher at 325.35 lakh tonne of nutrients (N+P+K) as against 293.71 lakh tonne achieved during 2019-20. Urea consumption during 2020-21 is higher by 4.0% at 350.42 lakh tonne as against actual of 336.95 lakh tonne during 2019-20. DAP/MAP consumption during 2020-21 is higher by 17.9% per cent at about 119.11 lakh tonne as against 100.99 lakh tonne during 2019-20. NPKs consumption during 2020-21 was higher by about 19.6% at 125.82 lakh tonne as against the actual of 105.18 lakh tonne in 2019-20. The import of urea & DAP in the country during the year 2020-21 was about 98.28 lakh tonne and 58.12 lakh tonne, respectively. Imports of NP/NPK during the year was 17.41 lakh tonne.

Dr. U. S. Awasthi, MD, IFFCO congratulating Mitsutaka Sato San on his appointment as Director (Operations) of ITGI

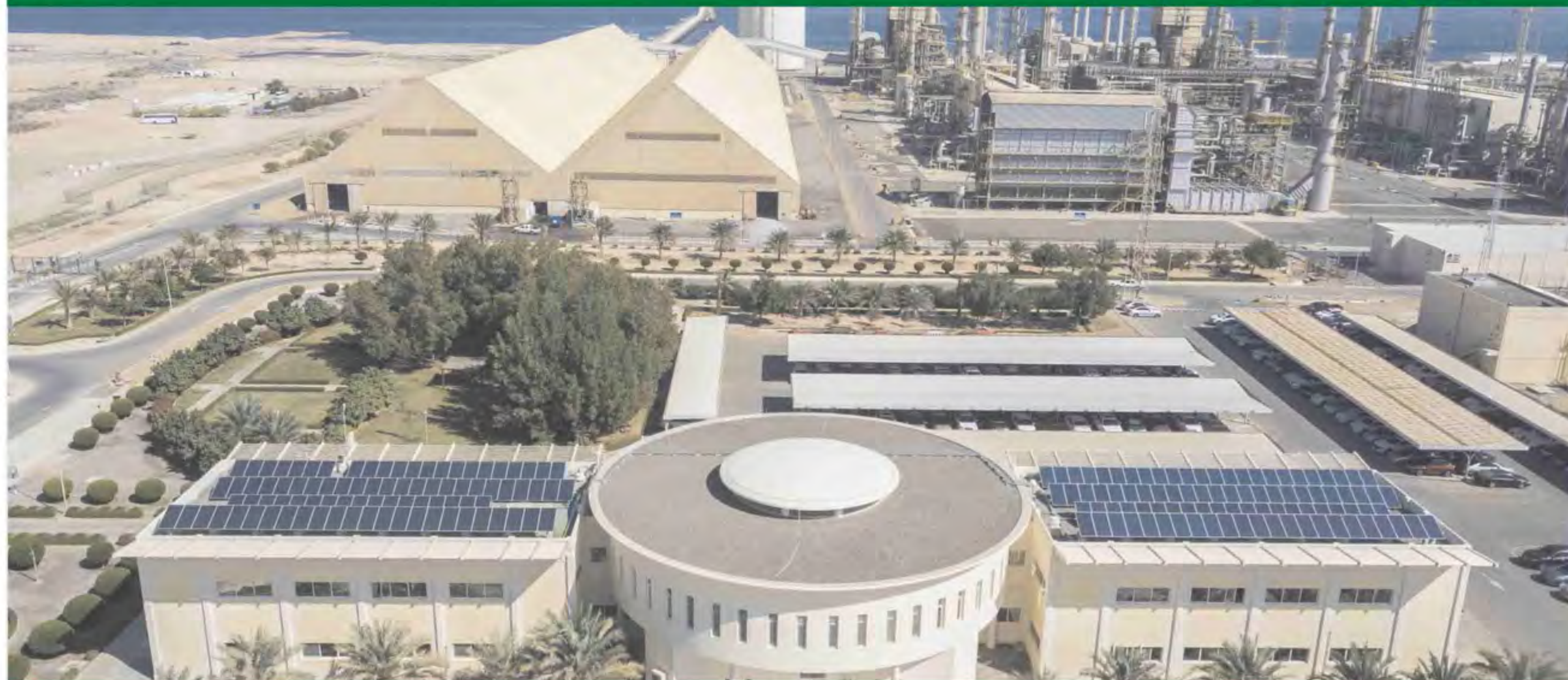

सलाह, ओमान में ओमइफको संयंत्र का हवाई दृश्य

Dr. U. S. Awasthi, Managing Director and Shri Yogender Kumar, Marketing Director, IFFCO during a meeting with Shri D V Sadananda Gowda, Union Minister for Chemicals and Fertilizers

डॉ. उदय शंकर अवस्थी से मुलाकात करते हुए इफको एम्प्लॉइज यूनियन और ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष

बिक्री कार्यनिष्पादन

वर्ष 2020–21 के दौरान, इफको द्वारा 136.58 लाख टन उर्वरकों की बिक्री की गई। इस प्रकार गत वर्ष की गई 133.31 लाख टन की बिक्री के मुकाबले 2.5 प्रतिशत ज्यादा बिक्री हुई। वर्ष 2020–21 के दौरान 86.90 लाख टन यूरिया की बिक्री हुई, जो वर्ष 2019–20 के दौरान की गई 86.31 लाख टन यूरिया की बिक्री से 0.7 प्रतिशत अधिक है। वर्ष के दौरान 24.49 लाख टन डीएपी की बिक्री हुई जो वर्ष 2019–20 के दौरान की गई 25.23 लाख टन की बिक्री से 2.9 प्रतिशत अधिक है। इस वर्ष एनपी/एनपीके की 24.38 लाख टन की बिक्री हुई जो वर्ष 2019–20 में हुई 21.32 लाख टन की बिक्री से 14.4 प्रतिशत अधिक है।

उर्वरकों की बिक्री

(लाख टन)

सामग्री	2020-21	2019-20
यूरिया – इफको द्वारा उत्पादित	47.79	48.32
– आयातित	39.11	37.99
उप योग	**86.90**	**86.31**
एनपी/एनपीके	24.38	21.32
डीएपी – इफको द्वारा उत्पादित	22.24	19.69
– आयातित	2.25	5.54
उप योग	**24.49**	**25.23**
कुल (एनपी/एनपीके/डीएपी)	**48.87**	**46.55**
कुल (यूरिया+एनपी/एनपीके+डीएपी)	**135.77**	**132.86**
पानी में घुलनशील उर्वरक	0.22	0.19
द्वितीयक सूक्ष्म पोषक तत्व व फास्फोजिप्सम	0.59	0.26
कुल योग	**136.58**	**133.31**

SALES PERFORMANCE

During 2020-21, IFFCO achieved the sales of 136.58 lakh tonne of fertiliser material. Sales were higher by 2.5% compared to the previous year's sale of 133.31 lakh tonne. Urea sales during 2020-21 were marginally higher by 0.7% at 86.90 lakh tonne as compared to 86.31 lakh tonne achieved during 2019-20. DAP sales during the year were lower by 2.9% at 24.49 lakh tonne against 25.23 lakh tonne during 2019-20. NP/NPK sales during the year were higher by 14.4% at 24.38 lakh tonne as against 21.32 lakh tonne in 2019-20.

SALES OF FERTILISER MATERIAL

(Lakh Tonnes)

Material	2020-21	2019-20
UREA - Own	47.79	48.32
- Imported	39.11	37.99
Sub Total	**86.90**	**86.31**
NP/NPK	24.38	21.32
DAP - Own	22.24	19.69
- Imported	2.25	5.54
Sub Total	**24.49**	**25.23**
TOTAL (NP/NPK/DAP)	**48.87**	**46.55**
TOTAL (UREA+NP/NPK+DAP)	**135.77**	**132.86**
WSFs	0.22	0.19
Secondary Micronutrients and Phosphogypsum	0.59	0.26
Grand Total	**136.58**	**133.31**

Dr. U. S. Awasthi addressing the audience at 'Azadi ka Amrit Mahotsav' event organized at Kandla

एनसीयूआई में अध्यक्ष का चुनाव जीतने पर श्री दिलीप संघाणी, उपाध्यक्ष, इफको को बधाई देते हुए श्री चंद्रपाल, अध्यक्ष, कृभको, डॉ. उदय शंकर अवस्थी, प्रबंध निदेशक और श्री राकेश कपूर, संयुक्त प्रबंध निदेशक

Dr. U. S. Awasthi, MD, IFFCO and Shri Jayeshbhai Radadiya, Director, IFFCO distributing Farm Equipment during an event in Kandla

इफको सदन में अभिनंदन समारोह के दौरान श्री जे पी दलाल, कृषि व पशुपालन मंत्री, हरियाणा सरकार

द्वितीयक सूक्ष्म पोषक तत्वों व फास्फोजिप्सम की बिक्री

मृदा में सल्फर (द्वितीयक पोषक तत्व) तथा जिंक (सूक्ष्म पोषक तत्व) की कमी को दूर करने के लिए समिति ने चालू वर्ष के दौरान किसानों को आयातित सल्फर बेंटोनाइट (90 प्रतिशत एस), जिंक सल्फेट और बोरोन की आपूर्ति की। चालू वर्ष के दौरान मैग्नीशियम की कमी से जूझ रहे राज्यों के किसानों को मैग्नीशियम सल्फेट की आपूर्ति भी की गई।

(मी. टन)

सामग्री	2020-21	2019-20
सल्फर बेंटोनाइट	8,993	7,934
जिंक सल्फेट मोनो (33 प्रतिशत जिंक)	5,562	4,984
फास्फोजिप्सम	142	230
बोरोन	1,648	1,110
मैग्नीशियम सल्फेट	17,243	10,530
सल्फर डब्ल्यूडीजी (90 प्रतिशत)	30	129
नीम की खली	3,322	907
प्राकृतिक पोटाश	20,175	384
सागरिका के++(पीडीएम+ समुद्री खरपतवार सत्त)	1,949	0
योग	**59,064**	**26,208**

इस वर्ष के दौरान समिति द्वारा की गई जैव–उर्वरकों की बिक्री का विवरण नीचे दिया जा रहा है:

(लाख मी. टन)

सामग्री	2020-21	2019-20
जैव उर्वरक	11.20	10.28

SALE OF SECONDARY MICRONUTRIENTS AND PHOSPHOGYPSUM

In order to remove deficiency of sulphur (secondary nutrient) and zinc (micronutrient) in the soils, your Society supplied imported sulphur bentonite (90% S), zinc sulphate and boron to the farmers in the current year. Magnesium sulphate was also supplied in the current year to meet the demand of farmers of states affected by magnesium deficiency.

(MT)

Material	2020-21	2019-20
Sulphur Bentonite	8,993	7,934
Zinc Sulphate Mono (33% Zn)	5,562	4,984
Phospho Gypsum	142	230
Boron	1,648	1,110
Magnesium Sulphate	17,243	10,530
Sulphur WDG (90%)	30	129
Neem Cake	3,322	907
Natural Potash	20,175	384
Sagarika K++(PDM+Sea Weed Extract)	1,949	0
Total	**59,064**	**26,208**

The Society made following sale of biofertilisers during the current year:

(Lakh Litres)

Material	2020-21	2019-20
Biofertilisers	11.20	10.28

'Azadi ka Amrit Mahotsav' event organized at Balia in Uttar Pradesh

तमिलनाडु में इफको सागरिका के उत्पादन के लिए एक नई इकाई का उद्घाटन करते हुए श्री गिरिराज सिंह, केन्द्रीय पशुपालन, मत्स्यपालन एवं डेयरी मंत्री

दिल्ली में कंबल वितरण अभियान के दौरान श्री नकुल पाठक, वरि. महाप्रबंधक, (मा.सं.)

पानी में घुलनशील उर्वरक

समिति ने उच्च मूल्य वाली फसलों के कृषि क्षेत्रों में पानी में घुलनशील उर्वरकों की मांग को पूरा करने के लिए पानी में 100 प्रतिशत घुलनशील उर्वरकों का उत्पादन तथा बिक्री आरंभ की है। किसान फसल उत्पादकता में सुधार और पानी की बढ़ रही कमी के कारण इन उर्वरकों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इन सभी उर्वरक उत्पादों की बिक्री देश भर में मौजूदा विपणन तंत्र के माध्यम से की जाती है।

उर्वरकों की बिक्री (मी. टन)

सामग्री	2020-21	2019-20
यूरिया फॉस्फेट (17:44:0)	1362	1500
एनपीके 18:18:18	2139	2655
एनपीके 19:19:19	4521	2941
एसओपी 0:0:50	2075	1869
कैल्शियम नाइट्रेट	7225	7416
पानी में घुलनशील उर्वरक 0:52:34, 12:61:0, 13:0:45	4318	2691
योग	**21,640**	**19,072**

सागरिका

"सागरिका" रेड ब्राउन अल्गी के सत्त से बनाया जाता है। इस उत्पाद के प्रयोग से कृषि उत्पादकता 15–20 प्रतिशत तक बढ़ जाती है । यह ऑर्गेनिक जैव–उत्प्रेरक के तौर पर कार्य करता है । इसका विपणन तरल व दानेदार दोनों रूपों में किया जाता है। इस उर्वरक का प्रयोग करने वाले किसानों को बेहतर पैदावार मिली है और उनकी आय में वृद्धि हुई है।

उर्वरक सामग्री	2020-21	2019-20
सागरिका लिक्विड (किलो लीटर)	489	270
सागरिका दानेदार (मी. टन)	38892	21,926

Shri D V Sadananda Gowda, Union Minsiter for Chemicals and Fertilizers launching an IFFCO Booklet during an event in Karnataka.

WATER SOLUBLE FERTILISERS

To cater to the demand of WSF in field areas for high value crops, your Society had forayed into production and marketing of 100% water soluble fertilisers. Farmers have been preferring water soluble fertilisers due to improvement in crop production and the growing scarcity of water. All these fertiliser products are marketed throughout the country through existing channels.

(MT)

Material	2020-21	2019-20
Urea Phosphate (17:44:0)	1362	1500
NPK 18:18:18	2139	2655
NPK 19:19:19	4521	2941
SOP 0:0:50	2075	1869
Calcium Nitrate	7225	7416
WSF 0:52:34,12:61:0,13.0.45	4318	2691
Total	**21,640**	**19,072**

SAGARIKA

Sagarika, a seaweed extract of red brown algae, is known to increase agricultural productivity by 15-20%. It acts as an organic bio-stimulant and is marketed in both liquid as well as in granular form. Farmers using seaweed sap have benefited significantly by realising higher crop yields and consequently increased income.

Fertilizer Material	2020-21	2019-20
Sagarika Liquid (Kilo Litres)	489	270
Sagarika Granules (MT)	38892	21,926

Blanket distribution drive for the needy organized by IFFCO Odisha.

रांची में आयोजित एक समारोह में श्री रणेंद्र, आईएएस को श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको साहित्य सम्मान 2020 से सम्मानित किया गया

Shri Ranendra, IAS being awarded Shri Lal Shukla Smriti IFFCO Sahitya Samman for the year 2021 at an event held at Ranchi

हापुड़, उत्तर प्रदेश में आयोजित कंबल वितरण अभियान

उर्वरकों के मामले में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी)– उर्वरक विभाग, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई डीबीटी योजना के तहत, समिति ने विभिन्न राज्यों में स्थित खुदरा बिक्री केंद्रों पर चरणबद्ध तरीके से लगभग 82,000 पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें खरीदकर लगाई हैं। पीओएस मशीनों के माध्यम से आधार प्रमाणन के पश्चात किसानों को उर्वरकों की बिक्री की जा रही है । वर्ष 2020–21 के दौरान, विभिन्न खुदरा बिक्री केन्द्रों से पीओएस मशीनों के जरिये किसानों को 145.6 लाख मी.टन उर्वरकों की बिक्री की गई। वर्ष 2020–21 के दौरान पीओएस मशीनों के जरिये की गई बिक्री जिलों में उपलब्ध फील्ड स्टॉक (विपणन तंत्र स्टॉक) का लगभग 88 प्रतिशत थी ।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक

कोई किसान नहीं छूटा

अपनी स्थापना के बाद से ही इफको का यह प्रयास रहा है कि वह देश के प्रत्येक किसान तक पहुँच सुनिश्चित कर सके। कोई भी किसान आपकी समिति के उत्पादों व सेवाओं का लाभ उठाने से पीछे या वंचित न रह जाए। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आपकी समिति पूरे देश के किसानों की उत्पादों की मांग को पूरा करने के लिए कई चैनलों का प्रयोग करती है। इसका विभिन्न राज्यों में 35000 से अधिक सहकारी समितियों का नेटवर्क है। सहकारी समितियों के अतिरिक्त इफको राज्य विपणन संघों, आईएफएफडीसी, इफको ई–बाजार, सीएससी केन्द्रों, किसान सेवा केन्द्रों (एफएससी) और सहयोगी सदस्यों के माध्यम से भी किसानों की जरूरतों को पूरा करती है। उर्वरकों, बीजों और कृषि रसायनों की आपूर्ति के अलावा ये केन्द्र किसानों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने के लिए संपर्क बिन्दु के रूप में भी काम करते हैं।

उन क्षेत्रों में, जहां सदस्य समितियां या किसान सेवा केन्द्र मौजूद नहीं हैं, इफको ने किसानों की सेवा करने के लिए 49 ऐसोसिएट सदस्य नियुक्त किये हैं।

रेलगाड़ी
- 117.29 लाख मी.टन उर्वरकों के 4096 रेक
- यह कुल प्रेषण का 88 प्रतिशत है

ट्रक
- संयंत्र से पोर्ट तक 14.17 लाख मी.टन उर्वरकों का प्रेषण सड़क मार्ग से किया गया
- यह कुल प्रेषण का 11 प्रतिशत है

जहाज
- 95000 मी.टन उर्वरकों के 3691 कंटेनर
- यह कुल प्रेषण का 1 प्रतिशत है

Direct Benefit Transfer (DBT) in fertilisers: Under the DBT initiative of the Department of Fertilisers, Government of India, your Society has facilitated procurement and installation of around 82,000 Point of Sale (POS) devices at various retail outlets in different states in a phased manner. AADHAR Authenticated sales to the farmers are being done through the POS devices. For the year 2020-21, POS sales of 145.6 lakh MT has been achieved from various retail outlets to the farmers. These POS sales are about 88% of the field stock availability (channel stock) in the districts during the year 2020-21.

KASHMIR TO KANYAKUMARI

No Farmer Left Behind

Since its inception, IFFCO's endeavour has been to ensure that it is able to reach every farmer in the country. No farmer should be left behind or deprived of products and services of your Society. In order to achieve this, your Society uses multiple channels to cater to product demand of farmers across the country. It has a network of more than 35,000 cooperative societies in different states. Apart from the cooperative societies, IFFCO also fulfils the needs of farmers through State Marketing Federations, IFFDC, IFFCO e-Bazar, CSC Centres, Farmer Service Centres (FSCs) and associate members. Besides supplying fertilisers, seeds and agro-chemicals, these centres also serve as the contact point for providing technical know-how to farmers.

To serve farmers in areas where member societies or FSCs are not present, IFFCO has appointed 49 associate members.

TRAIN
- 4096 rakes comprising 117.29 lakh MT of fertilisers
- This is 88% of total dispatches

TRUCK
- 14.17 lakh MT dispatches from plants to port were handled through roads.
- This is 11% of total dispatches

VESSEL
- 3691 container movement comprising 95,000 MT of fertilisers.
- This is 1% of total dispatches

Blanket distribution drive organized at Raipur, Chhattisgarh

इफको कर्नाटक द्वारा जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित व्हीलचेयर वितरण अभियान

Blanket distribution drive organized for Apple farmers by IFFCO in J&K

उत्तर प्रदेश में कंबल वितरण अभियान के दौरान वरिष्ठ कोआपरेटर श्री राजदत्त पांडेय

किसानों को यथासंभव नजदीकी स्थानों पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, इफको ने 5651 गोदामों को किराए पर लिया, जिन्हें उर्वरकों के भंडारण के लिए आरक्षित कर दिया गया ।

आपूर्ति श्रृंखला

एक निर्बाध आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए प्रचालन तंत्र और परिवहन का प्रभावी समन्वय महत्वपूर्ण है। आपकी समिति ने कच्चे माल और तैयार माल के परिवहन के लिए उपलब्ध सभी साधनों का प्रयोग किया। चाहे वह कश्मीर का बारामुला हो या तमिलनाडु का कन्याकुमारी, आपकी समिति ने देश के हर कोने में किसानों को उर्वरकों की आपूर्ति की। भारतीय रेल और उर्वरक विभाग के सुगम समन्वय और सहयोग से पूरे वर्ष किसानों को उर्वरकों का समय पर और पर्याप्त मात्रा में वितरण करने में मदद मिली। जब रेल रेकों की उपलब्धता की समस्या हुई तब आपकी समिति ने तटीय राज्यों को अपनी सेवाएं पहुंचाने के लिए जहाजों का प्रयोग किया। समिति ने संयंत्रों और बंदरगाहों से कुल 132.41 लाख टन उर्वरकों का प्रेषण किया। इनमें ओमइफको से प्राप्त 3.46 लाख टन यूरिया, भारत सरकार के खाते पर आयातित 35.24 लाख टन यूरिया और 2.67 लाख टन आयातित डीएपी और एनपीके ग्रेड शामिल थे।

वर्ष 2020–21 के दौरान, जोर्डन, मोरक्को, सेनेगल, रूस, जापान, मध्य–पूर्व, कोरिया और फिलिपींस से कच्चे माल का आयात किया गया था। चीन, ओमान, कोरिया, बेल्जियम, इंडोनेशिया, ताइवान, जोर्डन, पुर्तगाल, फिलिपींस, अमेरिका, चिले, रूस और मध्य–पूर्व से पानी में घुलनशील और विशिष्ट उर्वरकों तथा जोर्डन, मोरक्को एवं रूस से तैयार माल का आयात किया गया था।

मुझे विश्वास है कि आपकी समिति देश में किसानों की सेवा करती रहेगी, चाहे उनका स्थान व क्षेत्र कुछ भी हो।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी

अनुकूलनशीलता व निरंतरता

महामारी के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब कोविड–19 महामारी के दौरान देश में लॉकडाउन लगाया गया था, हमारी समिति पर तब अपने कर्मचारियों का स्वास्थ्य व सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा अपने उर्वरक संयंत्रों को सुगमतापूर्वक चलाने की दोहरी जिम्मेदारी आ गयी थी। किसी भी उर्वरक संयंत्र को बंद करने से उर्वरक उत्पादन बाधित हो जाता जिससे किसानों को उर्वरकों की आपूर्ति पर बुरा प्रभाव पड़ता ।

व्यापार चालू रखने के लिए कर्मचारियों को आवश्यक आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और सहयोग प्रदान किया गया, ताकि वे घर से काम कर सकें। 6600 से अधिक बैठकें, कॉन्फ्रेंस और वेबिनार आयोजित किए गए जिनमें 1.7 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया । समिति की व्यावसायिक बैठकें, संयंत्र भ्रमण, विपणन संबंधी बैठकें, किसानों की बैठकें, कर्मचारियों का प्रशिक्षण आदि सभी ऑनलाइन आयोजित किए गए। यहां तक कि लेखा विवरणों की लेखापरीक्षा भी आभासी बैठकों के जरिए की गई ।

In order to ensure availability of fertilisers as close as possible to farmer locations, IFFCO rented 5651 warehouses which were reserved for storing fertilisers.

Supply Chain

Effective coordination of logistics and transportation is crucial to ensure an uninterrupted supply chain. Your Society used all modes of transport available to transport raw material and finished goods. Whether it is Baramula in Kashmir or Kanyakumari in Tamil Nadu, your Society has delivered fertilisers to farmers in every corner of the country. Smooth coordination and support from Indian Railways and the Department of Fertilisers helped in the timely and adequate distribution of fertilisers throughout the year. When availability of railway rakes became an issue, your Society used ships to service coastal states. The Society dispatched 132.41 lakh tonne of total fertiliser material from the plants and ports. This included 3.46 lakh tonne of urea from OMIFCO, 35.24 lakh tonne imported urea on GOI account, and 2.67 lakh tonne imported DAP and NPK grades.

During the year 2020-21, raw materials were imported from Jordan, Morocco, Senegal, Russia, Japan, Middle-East, Korea and Philippines. Water soluble and Speciality Fertilisers were imported from China, Oman, Korea, Belgium, Indonesia, Taiwan, Jordan, Portugal, Philippines, USA, Chile, Russia and Middle-East. Finished goods were imported from Jordan, Morocco and Russia.

I am confident that your Society will continue to serve farmers in the country, irrespective of their location or terrain.

INFORMATION AND COMMUNICATION TECHNOLOGY

Adaptability & Continuity

Information Technology played a critical role during the pandemic period. As the country went through the lockdown, your Society had the dual role of not only ensuring health and safety of its employees, it also needed its fertiliser plants to run smoothly. Any shut down of the fertiliser plants would disrupt the fertiliser production which would severely impact supply of fertilisers to farmers.

Business continuity was ensured by providing required IT infrastructure and support to employees so that they could work from home. More than 6600 online meetings, conferences and webinars were organised. These were attended by more than 1.7 lakh attendees. Society's business meetings, plant visits, marketing meetings, farmer meetings, employee trainings etc., all were conducted online. Even statutory audit of the books of accounts was done using virtual meetings.

Blanket distribution drive organized by IFFCO West Bengal

उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी में इफको आरएलडीपी के तहत आय सृजन के लिए विभिन्न बांस उत्पाद तैयार करते हुए स्वयं सहायता समूह की महिलाएं

Women SHG members displaying plates made from Areca nut leaves under IFFCO-Tokio CSR Project, Barpeta, Assam

करैया–सुरखी, जिला सागर, मध्य प्रदेश में निर्मित चेक बांध

इफको ने लॉकडाउन के दौरान कागजी प्रक्रियाओं में सुधार किया –

- सभी इलेक्ट्रोनिक अनुमोदनों को एक ही स्थान पर रखने के लिए एक नया वर्कफ्लो एप्लीकेशन तैयार किया गया, जिससे कर्मचारियों और अन्य भागीदारों को मदद मिली और प्रक्रिया दक्षता में सुधार हुआ।
- उर्वरकों की खरीद व परिवहन बिल तैयार करने के लिए बहुभाषी वॉयसबोट सुविधा, ऑनलाइन पेमेंट गेटवे, ऑनलाइन ऑर्डर/इंडेंट को जोड़कर हमारे हितधारकों के लिए "साथी पोर्टल" को मजबूत बनाया गया । राज्य महासंघों और संयुक्त उद्यमों को भी स्वयं से संबंधित जानकारी प्राप्त करने की सुविधा प्रदान की गई ।
- भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई एपीआई का प्रयोग करके ई–विकास, ईआरपी, वैश्विक प्रेषण प्रणाली, पोर्ट ऑपरेशन प्रबंधन प्रणाली और अन्य संयंत्र एप्लीकेशनों में ई–इनवाइसिंग को सफलतापूर्वक लागू किया गया ।
- एम्प्लॉइज बिनिवोलेंट ट्रस्ट एप्लीकेशन को मोबाइल फोन पर उपलब्ध कराया गया ताकि प्रयोक्ता अपने जीवन प्रमाणपत्र और चिकित्सा दावे मोबाइल फोन के जरिए भेज सकें। लॉकडाउन के दौरान जब प्रमाणपत्रों का वास्तविक सत्यापन कराना और जमा कराना असंभव था तब इस सुविधा से प्रयोक्ताओं को काफी मदद मिली ।
- मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) के 30 से अधिक मॉड्यूल को माइग्रेट किया गया और उन्हें मोबाइल पर उपलब्ध कराया गया। अब ये मॉड्यूल सभी आधुनिक ब्राउजर पर चलते हैं और इनके लिए कम बैंडविड्थ की आवश्यकता होती है।
- पिछले वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी सदस्य समितियों को लाभांश का भुगतान इलेक्ट्रोनिकली किया गया ।
- पीओएस बिक्री, थोक विक्रेता के स्टॉक, आईएफएमएस साइट के विपणन तंत्र के स्टॉक को डाउनलोड करने के लिए रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन (आरपीए) टूल को कार्यान्वित किया गया है। इस सूचना को खुदरा विक्रेताओं और थोक विक्रेताओं के गंतव्यों पर उर्वरकों की बिक्री और मालसूची तैयार करने व प्रबंधन के लिए प्रयोग किया जा रहा है।
- आवश्यकता पड़ने पर आपकी समिति ने सहायक संस्थाओं और संयुक्त उद्यम कंपनियों को भी आईटी सहयोग प्रदान किया है।

IFFCO used the lockdown to improve various paper led processes.

- A new workflow application was developed to keep all electronic approvals at a single place. This improved process efficiencies along with helping employees and other stakeholders.
- "Saathi Portal" for our stakeholders (societies and transporters) was strengthened by adding - multilingual voicebot facility, online payment gateway, online order/ indent for fertiliser purchase and generation of transportation bills. State federations and joint ventures were also provided access to view information pertaining to them.
- e-Invoicing was successfully implemented in e-Vikas, ERP, global dispatch system, port operations management system and other plant applications by using the API provided by the Government of India.
- Employees benevolent trust application was made available on mobile phones allowing users to submit their life certificates and medical claims through mobile phones. This tremendously helped users during the lockdown phase when physical verification and submission of certificates was not possible.
- More than 30 modules of the Human Resource Management System (HRMS) were migrated and made mobile friendly. Now the module runs on all modern browsers and requires lesser bandwidth.
- Like previous years, this year too, the dividend to member societies was paid electronically.
- Robotic Process Automation (RPA) tool has been implemented to download PoS sale, wholesaler stock, channel stock from iFMS site. This information is being used for sales and inventory planning and management of fertilisers at locations of retailers and wholesalers.
- As and when needed, your Society also provided IT support to its subsidiaries and joint venture companies.

Solar Water Unit for providing safe drinking water installed at Barpeta, Assam

इफको के राष्ट्रीय कंबल वितरण अभियान में राज्य विपणन प्रबंधक, हरियाणा के साथ भाग लेते हुए श्री जे पी दलाल, कृषि और किसान कल्याण मंत्री, हरियाणा

Shri Prahlad Singh, Director, IFFCO addressing a Cooperative Conference in Kurukshetra, Haryana

पैक्स जौनवास, रेवाड़ी (हरियाणा)

अनुसंधान और नवाचार

आपकी समिति इफको तथा इसकी सहायक कंपनियों/सहयोगी संगठनों में अनुसंधान और नवाचार पर काफी जोर देती है। पिछले कुछ वर्षों में रचनात्मकता और नवाचार की संस्कृति का विकास किया गया है। हरेक समूह के कर्मचारियों को नवीन परियोजनाओं पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इफको का दृढ़ विश्वास है कि कृषि के सामने आने वाली मौजूदा चुनौतीपूर्ण समस्याओं का समाधान प्रक्रिया सुधार, प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप और जन–भागीदारी के मिले–जुले प्रयास से हो सकता है। इफको का इनोवेशन मॉडल सभी क्षेत्रों के विचारों को पहचानने, उन्हें आगे बढ़ाने और कार्यान्वित करने के माध्यम से किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। आपकी समिति निम्न उद्देश्यों के लिए प्रतिबद्ध है:

- भारतीय कृषि की पूर्ण क्षमता का लाभ उठाने के लिए खाद्य, ऊर्जा, जल और पर्यावरण की वर्तमान और भावी चुनौतियों का समाधान करना।
- परंपरागत रासायनिक उर्वरकों/कृषि रसायनों के प्रयोग की दक्षता और फसल उत्पादकता में सुधार लाकर उनके प्रयोग को कम करना।

आपकी समिति हर वर्ष इंटर यूनिट इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी मीट का आयोजन करती रही है, जिसमें सभी संयंत्रों के कर्मचारी उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। इस वर्ष भी कर्मचारियों की रचनात्मकता व नवोन्मेष को प्रोत्साहित करने के लिए इस बैठक का आभासी रूप से आयोजन किया गया ।

इफको नवाचार मॉडल

RESEARCH AND INNOVATION

Your Society puts a lot of emphasis on research and innovation in IFFCO as well as its subsidiaries / associate organisations. Over the years, a culture of creativity and innovation has been built. Employees are encouraged to work on innovative projects across the group. IFFCO strongly believes that answer to most challenging problems faced by agriculture today can be found through the combination of process improvements, technology intervention and people participation. IFFCO's innovation model provides a framework to improve farmers' lives through identifying, advancing and implementing ideas in all spheres. Your Society is committed to:

- Addressing the current and future challenges of food, energy, water and environment to realise full potential of Indian agriculture
- Reducing use of conventional chemical fertilisers/agrochemicals by improving their use efficiency and crop productivity

Your Society has been organising Inter Unit Creativity and Innovation Meet every year where all employees from all plants participate enthusiastically. This year too, the meet was organised virtually and was directed towards equipping employees with the tools to enhance creativity and innovation.

IFFCO INNOVATION MODEL

Farm Day organized at Fatehabad, Haryana

मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक श्री हरि प्रसाद मल्ल चरगाँवा गोरखपुर किसान मेले में माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ एवं कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही को नैनो यूरिया तरल के बारे में जानकारी देते हुए

Officials of Punjab State Agriculture Department and SMM Punjab during IFFCO's blanket distribution drive in Punjab

इफको हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित कम्बल वितरण कार्यक्रम

मुझे यह बताते हुए खुशी है कि पिछले वर्ष आपकी समिति ने कर्मचारियों से प्राप्त सुझावों को लागू करके ₹ 7.5 करोड़ की बचत की। बचत के अतिरिक्त समिति ने कई नवीन उत्पाद/प्रक्रियाएं भी विकसित कीं। नैनो के अलावा, वर्ष के दौरान किए गए कुछ उल्लेखनीय नवाचार इस प्रकार हैं:

कृषि विश्वविद्यालयों में इफको की पीठ

कृषि विश्वविद्यालयों और सहकारी संस्थानों में निम्नलिखित क्षेत्रों में 18 इफको पीठ स्थापित किए गए हैं :

- कृषि विज्ञान
- कृषि अर्थशास्त्र
- कृषि विस्तार
- मृदा विज्ञान
- कोआपरेशन
- उर्वरक प्रौद्योगिकी

ये पीठ अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार के क्षेत्रों में जुड़ाव प्रदान करते हैं। आपकी समिति को कृषि और उर्वरक उद्योग के विभिन्न पहलुओं में इफको पीठ के प्रोफेसरों से मार्गदर्शन भी मिलता है ।

एल्कोहल मुक्त हैंड सैनिटाइज़र

आपकी समिति ने एल्कोहल मुक्त हैंड सैनिटाइज़र विकसित किया है जिससे त्वचा की कोशिका में शुष्कता और जलन नहीं होती है। यह पूरी तरह जैविक है और 99.99 प्रतिशत कीटाणुओं को मार सकता है। इसका परीक्षण एनएबीएल द्वारा किया गया है और इसे खाद्य और औषधि नियंत्रण प्रशासन, गुजरात सरकार से विनिर्माण लाइसेंस और बायोसर्ट इंटरनेशनल से "ऑर्गेनिक प्रमाणन" प्राप्त हुआ है।

संयुक्त खरपतवारनाशक : इफको–एमसी ने धान और सोयाबीन फसलों में खरपतवार को नियंत्रित करने के लिए एक संयुक्त खरपतवारनाशक विकसित किया। इन दोनों उत्पादों में जापानी रसायन और इफको–एमसी के मौजूदा कीटनाशकों का अनूठा संयुक्त मिश्रण है। यह सभी प्रकार के खरपतवारों के लिए वन–स्टॉप समाधान है। यह लंबी अवधि तक खरपतवार को नियंत्रित रखती है तथा मुख्य फसल पर विषैला प्रभाव नहीं छोड़ती।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित खेती : इफको किसान ने सेंसर और सैटेलाइट इमेजरी इनपुट के माध्यम से उत्पन्न हाइपरलोकल डेटा के आधार पर ड्रिप और स्प्रिंकलर सिस्टम चलाने में सक्षम अपनी तरह का पहला, एआई और एमएल–ड्रिवेन स्मार्ट फार्मिंग सलूशन स्थापित किया है। यह प्लेटफॉर्म सिंचाई और फर्टिगेशन शेड्यूलिंग को स्वचालित करता है, जिसके परिणामस्वरूप पानी और अन्य कृषि आदानों का केंद्रित और सटीक अनुप्रयोग होता है।

I am happy to share that your Society saved ₹ 7.5 Crores by implementing suggestions received from employees last year. Apart from savings, your Society has also developed several innovative products/ processes last year. Other than Nano, a few noteworthy innovations for the year are:

IFFCO CHAIRS IN AGRICULTURE UNIVERSITIES

18 IFFCO Chairs at agricultural universities & cooperative institutions have been instituted in following areas

- Agronomy
- Agro economics
- Agricultural extension
- Soil science
- Cooperation
- Fertiliser technology

These chairs provide linkage in areas of research, education and extension. Your Society also benefits from guidance of IFFCO chair professors in various aspects of agriculture and fertiliser industry.

Alcohol Free Hand Sanitiser

Your Society has developed an alcohol free hand sanitizer, which does not cause skin cell dehydration and irritation. It is completely organic and can kill 99.99% germs. It has been tested by NABL and received manufacturing license from the Food and Drug Control Administration, Govt of Gujarat and "Organic Certification" from Biocert international.

Combination Herbicide: IFFCO-MC developed a combination herbicide to control weed in Paddy and Soyabean crops. Both these products are having a unique Japanese Chemistry complemented by existing IFFCO-MC's traditional herbicides in composition. This is one-stop solution for all types of weeds, has long duration control period with no phytotoxicity observed in the main crop.

Artificial Intelligence driven farming: IFFCO Kisan has set up first of its kind, AI and ML-driven smart farming solutions capable of running drip and sprinkler systems based on the hyperlocal data generated through the sensor and satellite imagery inputs. The platform automates scheduling of irrigation and fertigation on the go, resulting in focused and precise application of water and other agri- inputs.

Tree Plantation drive organized in Punjab

नागौर, राजस्थान में आयोजित कंबल वितरण अभियान के दौरान श्री मांगी लाल डांगा, निदेशक, इफको और राज्य विपणन प्रबंधक, राजस्थान

Officials informing the benefits of bio-fertilizers at a Farmer Seminar organized in Pali District of Rajasthan

बांसवाड़ा, राजस्थान में कोविड–19 जागरूकता कार्यक्रम

ग्रीन सिम प्रयोक्ताओं के लिए निजीकृत सलाहः इफको किसान (इफको किसान लिमिटेड) के सभी ग्रीन सिम ग्राहकों को अब सक्रिय और प्रासंगिक सलाहकार सेवाएं प्राप्त होती हैं। आईकेएसएल प्लेटफॉर्म लाइब्रेरी द्वारा कृषि–जलवायु क्षेत्र, चयनित फसलों, बुवाई की तारीख, मौसम, बाजार, पशु देखभाल, आदि जैसे मापदंडों के आधार पर उपयुक्त सलाह लेने में स्वतः सक्षम है।

डीजल एग्जॉस्ट फ्लूइड (डीईएफ): आपकी समिति ने यूरिया सोल्यूशन और नाइट्रोजीनस एरोसोल पार्टिकुलेट से डीईएफ के निर्माण के लिए एक पेटेंट दायर किया है। सेलेक्टिव कैटेलिटिक रिडक्शन (एससीआर) तकनीक के साथ–साथ वाहनों में डीजल एग्जॉस्ट फ्लूइड का उपयोग वातावरण में हानिकारक गैसों को कम करने के लिए किया जाता है। हमें जल्द ही पेटेंट मिलने की उम्मीद है।

जीन बैंक: आईएफडीसी ने 44 विभिन्न जीनोटाइप का जीन बैंक विकसित किया और नीम (ऐज़ेडिरैक्टा इंडिका) के 153 जीनोटाइप का परीक्षण किया है। नए जीनोटाइप नीम लेपित यूरिया के लिए नीम तेल उत्पादन को बढ़ाएंगे।

सघन वनरोपण के लिए मियावाकी विधिः प्रस्तावित नई विधि ''मियावाकी'' वानिकी की एक जापानी तकनीक है जो तेजी से घने और देशी जंगलों के निर्माण में मदद करता है।

पेपरलेस ऑनबोर्डिंग: इफको किसान वित्त ग्राहकों को ऋण देने के सभी चरणों में कागज रहित प्रक्रिया का उपयोग करके लोन बुक का 100 प्रतिशत हिस्सा पाने वाला पहला और एकमात्र एनबीएफसी बन गया।

मानव संसाधन

एक साथ हर कोई अधिक प्राप्त करता है

वर्ष के दौरान मानव संसाधन के कार्यान्वयन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा । हालांकि न के बराबर गड़बड़ी के साथ संचालन की निरंतरता सुनिश्चित करने में टीम कामयाब रही । पूरे इफको परिवार ने (कर्मचारियों, विक्रेताओं, अनुबंध कर्मचारियों सहित) एक टीम के रूप में एक साथ काम किया। राष्ट्रीय सहयोग की दृष्टि को आगे बढ़ाने और विशेषकर किसानों को महामारी के दौरान मदद करने में कर्मचारियों द्वारा दिखाए गए समर्पण और सहयोग भावना को साझा करने पर मुझे गर्व है।

जिस तरह से हमारे कर्मचारियों ने न केवल संगठन के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए सकारात्मक योगदान दिया उसमें ग्राहक अभिविन्यास, उत्कृष्टता, अखंडता, सहयोग और जवाबदेही जैसे हमारे मुख्य मूल्यों की मजबूत नींव प्रतिध्वनित हुई ।

चूंकि उर्वरक एक आवश्यक वस्तु है, इसलिए उत्पादन इकाइयों को लॉकडाउन से मुक्त रखा गया था। हालांकि, सार्वजनिक परिवहन की अनुपलब्धता, सामानों और सेवाओं सहित लोगों की आवाजाही के सामान्य प्रतिबंधों ने समिति को कम श्रमशक्ति के साथ काम करने के लिए मजबूर किया।

Personalised advisory for Green SIM users: All Green SIM customers of IFFCO Kisan (IFFCO Kisan Limited), now receive dynamic and contextualised advisory services. IKSL platform is capable of auto-picking suitable advisories from the library based on parameters such as agro-climatic region, selected crops, sowing date, weather, market, animal care, etc.

Diesel Exhaust Fluid (DEF): Your Society has filed a patent for manufacturing of DEF from urea solution and nitrogenous aerosol particulate. Diesel exhaust fluid is used in vehicles with Selective Catalytic Reduction (SCR) technology to reduce harmful gases being released into the atmosphere. We are hopeful to receive the patent soon.

Gene Bank: IFFDC developed a Gene Bank of 44 different genotypes and has undertaken trials of 153 genotypes of Neem (Azadirachta indica). New genotypes will enhance neem oil production for neem coated urea.

Miyawaki Method For Dense Forestation: Introduced new Method "Miyawaki" a Japanese technique in forestry to help in building dense and native forests quickly.

Paperless Onboarding: IFFCO Kisan Finance became the first and only NBFC to have 100% of loan book using paperless process at all stages of lending to customers.

HUMAN RESOURCE

Together Everyone Achieves More

The year posed many challenges to the human resource function, all of which were diligently managed to ensure continuity of operations with minimal disturbance. The entire IFFCO family (including employees, vendors, contract staff) worked together as one team. I am proud to share the exemplary dedication shown by the employees in carrying forward the vision of supporting the nation, particularly, farmers during pandemic.

The strong foundations of our core values of— Customer Orientation, Excellence, Integrity, Collaboration and Responsibility resonated in the way our employees positively contributed not only to the organisation but the society as a whole.

Since fertiliser is an essential commodity, the production units were exempted from lockdowns. However, non-availability of public transport, general restrictions of movement of people, including goods & services, forced the Society to operate with lesser manpower.

Veterinary Camp organized by IFFCO in Hanumangarh district of Rajasthan

सांखारो, एससीएस, भद्रक, ओडिशा में किसानों की बैठक

जगतसिंहपुर, ओडिशा में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण

लॉकडाउन के दौरान ठेका श्रमिकों के लिए भोजन और आश्रय सुनिश्चित करना पड़ा। इफको कर्मचारियों ने बार–बार यह सिद्ध किया कि वे समिति के लिए कितने फायदेमंद और प्रतिस्पर्धी हैं। उन्होंने अपनी ड्यूटी से आगे बढ़कर उत्पादन, परिवहन एवं बिक्री गतिविधियो को निर्बाध चलाने का हरसंभव प्रयास किया है ।

डिजिटल प्रथम मानव संसाधन : हाथ से किए जा रहे सभी कामों के लिए संगठन भर में डिजिटल प्लेटफार्मों को अपनाने में मानव संसाधन ने तेजी दिखाई । यह सुनिश्चित किया गया कि लॉकडाउन के कारण कोई भी एचआर ऑपरेशन बाधित या विलंबित न हो और किसी भी कर्मचारी को अपनी ड्यूटी का पालन करने में किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। सभी के वेतन समय पर वितरित किए गए और वार्षिक मूल्यांकन, पदोन्नति और तबादले जैसी गतिविधियां विधिवत संपन्न हुई ।

आपकी समिति ने हमेशा कर्मचारियों के कौशल और क्षमता विकास के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित किया है। कर्मचारियों के लिए एक ई–लर्निंग प्लेटफार्म विकसित किया गया ताकि वे किसी भी समय संक्षिप्त, आसान और समझने योग्य वीडियो फॉर्मेट के जरिए अपना ज्ञानवर्धन कर सकें। प्लेटफॉर्म हेतु सारी सामग्री कर्मचारियों द्वारा आंतरिक रूप से विकसित की गई ।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पूरे वर्ष लगातार जोर दिया गया। शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक विकास हेतु नियमित ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किए गए। इससे कर्मचारियों को महामारी की चुनौतियों से निपटने के लिए सही उपकरण विकसित करने में मदद मिली।

कर्मचारी–नियोक्ता संबंध

कर्मचारियों और समिति प्रबंधन के बीच सदैव सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं जो इफको के समग्र विकास और सफलता की आधारशिला है । डॉ. उदय शंकर अवस्थी की 'लोग पहले' की नेतृत्व भावना संगठन में सभी के लिए अनुकरणीय मानदंड है। हमारे प्रबंध निदेशक की इसी भावना से प्रेरित होकर ऑफिसर्स एसोसिएशन और एम्प्लॉइज यूनियन नीतियां तैयार करने में अपनी भागीदारी निभाते हैं।

इफको की सभी इकाइयों में एक बृहत परिवार की संस्कृति और कम प्रतिस्पर्धा है जो समिति और कर्मचारियों के बीच की आपसी प्रेम–भावना को दर्शाती है। वर्ष के दौरान अंतर इकाई प्रबंधन क्विज प्रतियोगिताएं आभासी रूप से आयोजित की गई जिनमें हर स्तर के कर्मचारियों नें भाग लिया । इफको की इकाइयों में सारे मुख्य त्योहार मनाए गए । इफको एक पारिवारिक संस्कृति विकसित करने में सफल रही है। यद्यपि इन कार्यक्रमों को भौतिक रूप से आयोजित नहीं किया जा सका लेकिन यूनियन व एसोसिएशन से जुड़ने तथा इस अभूतपूर्व संकट से निपटने में उनका पूरा सहयोग प्राप्त करने के लिए वर्चुअल माध्यम का व्यापक रूप से प्रयोग किया गया ।

IFFCO Director Shri M Devender Reddy during a blanket distribution drive at PACS Konapur, Telangana

Food and shelter had to be ensured for the contract labour during lockdowns. IFFCO employees have proven to be the competitive advantage of the Society time and again. They went beyond their call of duty to keep production, movement and sales function going unhindered.

Digital First Human Resources: HR vertical across the organisation was swift in adopting digital platforms to manage all work previously being done manually. It ensured that no HR operation was hindered or delayed due to the lockdown and no employee faced any hindrance in being able to perform his duties. All salaries were disbursed without delay and annual appraisals, promotions and transfers were conducted flawlessly.

Your Society has always focused on using digital infrastructure to enhance employee skills and capabilities. An e-learning platform was developed to empower employees with all-time access to learning content in short, easy and understandable video format. The entire content for the platform is being developed internally by employees. This has given them an opportunity to explore and express their creativity.

Physical and mental health was a constant focus throughout the year. Regular online webinars on physical, mental, emotional and spiritual wellbeing were organised. This helped employees gain the right tools to deal with the challenges that the pandemic brought about.

Employee-Employer Relations

Harmonious relation between employees and the management of your Society has been the cornerstone of the overall growth and success of IFFCO. The 'peoples first' leadership style followed by Dr. U.S. Awasthi serves as a benchmark for everyone in the organisation. This has led to a healthy participation of the Officers' Association and the Employees' Union in policy formulation.

A large extended family culture and low attrition levels across all units deeply reflect the cohesive bonding of your Society in everyone's life. Inter-Unit Management Quizzes were organised virtually during the year where the employees at all levels participated in them. All major festivals were celebrated at units. IFFCO has been successful in creating a family like culture. Though it was not possible to organise physical events for celebration, virtual medium was used extensively to connect with unions & associations and also get their full cooperation in handling the unprecedented crisis.

IFFCO Poshan Abhiyan event organized at KVK Gaddipally, Suryapet

सतारा, महाराष्ट्र में प्रगतिशील किसानों के लिए आयोजित सहकारिता सप्ताह

Plot demonstration at KVK Hingoli, Maharashtra

अपनी गाड़ी पर इफको एनपीके और सागरिका ले जाता हुआ महाराष्ट्र का एक किसान

कमजोर वर्गों का सशक्तिकरण

सामाजिक उत्थान हमारी समिति की मुख्य आधारशिलाओं में से एक है। इफको अपनी प्रत्येक गतिविधि में सामाजिक हित को केन्द्र में रखती है। इफको का उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को सशक्त करना है। इफको वर्ष 2002–2003 से ही वैमनीकॉम, पुणे से पीजीडीएम करने वाले कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए एक प्रायोजित छात्रवृत्ति योजना चला रही है। इस वर्ष इफको ने प्रवासी मजदूरों के लिए वितरण कैंप आयोजित करके उनके बीच आवश्यक और उपभोग करने योग्य वस्तुओं के लाखों किट वितरित किए ।

महिला सशक्तिकरण व सुरक्षा

इफको हमेशा सही दृष्टिकोण, तकनीक व कौशल के जरिए महिला कर्मचारियों को सशक्त करने का प्रयास करती है। आपकी समिति कार्यस्थल पर महिलाओं की समस्याओं का समाधान करने के लिए नियमित तौर पर कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। आपकी समिति को अपने निदेशक मंडल में एक निर्वाचित महिला सदस्य के होने पर गर्व है । मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कई महिलाएं समिति के महत्वपूर्ण अनुभागों और विभागों का नेतृत्व कर रही हैं। कई इकाइयों के वित्त, सूचना प्रौद्योगिकी, विपणन व मानव संसाधन में महिला टीम लीडर हैं।

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन शोषण (रोकथाम और निवारण) अधिनियम कार्यस्थल पर महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करता है। इस अधिनियम में महिलाओं का यौन शोषण रोकने और इससे संबंधित मामलों की शिकायतों के निपटान का प्रावधान किया गया है। इसके अनुरूप, विभिन्न स्थानों पर शिकायत समितियां स्थापित की गई हैं और नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। वर्ष के दौरान, यौन शोषण की एक शिकायत प्राप्त हुई थी जिसपर प्रबंधन और आंतरिक शिकायत समिति द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय में मामले का निपटान किया गया।

जमीनी स्तर पर मानवीय प्रयास

'ब्रेक द कोरोना चेन' के तहत 5000 स्थानों पर कई सामाजिक जागरूकता अभियान चलाए गए थे। स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सामाजिक दूरी पर जारी किए दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने संबंधी पेय पदार्थ (काढ़ा) और विटामिन –सी के प्रयोग को बढ़ावा दिया गया। इफको ने जरूरतमंद लोगों और विभिन्न राज्यों की संस्थाओं को 5 लाख मास्क, 50,000 गमछे, 5 लाख एंटी–सेप्टिक साबुन, 30 लाख विटामिन–सी की गोलियां, 50,000 दस्ताने, 2 लाख हैंड सैनिटाइजर, लंच के 6 लाख पैकेट, 1 लाख राशन किट, 10,000 बिस्किट/किराने के सामान, 50 चिकित्सा उपस्कर जैसे बीपी मशीन, स्टेथेस्कोप और दवाइयां वितरित किए। 12 लाख से अधिक किसान, मजदूर, स्थानीय ग्रामीणजन, सरकारी अधिकारी, स्वास्थ्यकर्मी और प्रवासी परिवार इस अभियान से लाभान्वित हुए। ये कार्यक्रम इफको के बिक्री केन्द्रों, गोदामों, सहकारी समितियों और रेक पाइंटों पर आयोजित किए गए थे।

Empowerment of Weaker Sections

Social upliftment is one of the core foundations of your Society and has been a driving force in all the activities that IFFCO is involved in. IFFCO aims to empower students from weaker sections through education and has a sponsored scholarship scheme for weaker section students pursuing PGDM from Vamnicom, Pune since 2002-2003. This year IFFCO has organised distribution camps for migrant labourers and distributed kits of essentials and consumables.

Women Empowerment & Safety

IFFCO always strives to empower its women employees with the right outlook, tools and skills. Your Society regularly organises programmes on issues faced by women at workplace. Your Society is proud to have an elected woman director on its Board. I am equally happy to share that several women are leading important sections and departments of the Society. Finance, information technology, marketing and human resources have women team leaders at various units.

The Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act provides safeguard against sexual harassment of women at workplace. In accordance with the Act, your Society has formed Internal Complaints Committee and appointed nodal officers at various locations. During the year, one complaint of sexual harassment was received which was promptly taken up by the Management and Internal Complaints Committee and resolved within a stipulated time.

Humanitarian Efforts At Ground Zero

Several social awareness campaigns were organised across 5000 locations to "Break the Chain of Corona". Following the guidelines issued by the Ministry of Health and Family Welfare, on social distancing, usage of immunity booster drink (kaadha) and vitamin C tablets was encouraged. IFFCO distributed 5 lakh masks, 50,000 gamachhas, 5 lakh antiseptic soaps, 30 lakh Vit-C tablets, 50,000 gloves, 2 lakh hand sanitisers, 6 lakh lunch packets, 1 lakh ration kits, 10,000 biscuits/groceries and 50 medical equipments like BP apparatus, stethoscopes and medicine were distributed to needy people & also institutions in different states. More than 12 lakh farmers, labourers, local villagers, government officials, health workers & migrant families benefited from the campaign. These programmes were organised at IFFCO sale points, warehouses, cooperative societies and rake points.

A Farmer meeting in Maharashtra

इफको पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित फसल सेमिनार

Blanket distribution drive during an event organized by IFFCO in West Bengal

इफको पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित इफको पोषण अभियान कार्यक्रम

अत्यधिक सर्दी के मौसम में जरूरतमंद और गरीब लोगों की मदद के लिए भी मानवीय प्रयास किए गए। अनाथ आश्रमों, वृद्धाश्रमों, गरीबों, किसानों, समिति के सदस्यों, मजदूरों और स्थानीय ग्रामीणों के बीच भी 1 लाख से अधिक कंबल बांटे गए ।

इफको युवा

इफको का डिजिटल प्लेटफार्म इफको युवा न केवल ग्रामीण युवाओं की क्षमता का लाभ उठाने में मदद करता है बल्कि अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के युग में अधिक से अधिक प्रतिभाओं को आगे लाने में योगदान देता है। यह प्लेटफार्म ग्रामीण युवाओं के कौशल को निखारने में मदद करता है। इफको युवा ने कोविड–19 महामारी के दौरान नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को खाली पदों के बारे में जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जनसंपर्क तथा प्रचार

कोविड–19 महामारी ने हमारे संवाद का तरीका बदल दिया है । अब हमें डिजिटल संप्रेषण का महत्व समझ आने लगा है । आपकी समिति समय के साथ विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है । आपकी समिति डिजिटल संप्रेषण को केन्द्र में रखकर इफको के भीतर एक मजबूत संप्रेषण प्रणाली विकसित करने का पूरा प्रयास करेगी । किंतु ऐसा करते हुए हम यह भी जानते हैं कि नए युग की संप्रेषण प्रणाली को पारंपरिक संप्रेषण प्रणाली जैसे दीवार पेंटिंग, ट्रैक्टर ट्रॉली पेंटिंग आदि के साथ प्रयोग किया जाना चाहिए। हमें विश्वास है कि इन उपायों से पूरे देश में इफको के ब्रांड को बढ़ावा देने और आने वाले समय में इसे मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

वित्त वर्ष 2020–21 में महामारी के दौरान हितधारकों विशेषरूप से किसानों के साथ संवाद करना न केवल एक चुनौती थी बल्कि एक अवसर भी था । संदेश व नई जानकारी भेजने के लिए आपकी समिति ने सोशल मीडिया और डिजिटल संप्रेषण के अन्य माध्यमों का व्यापक प्रयोग किया । सुरक्षा व साफ–सफाई के संदेश फैलाने पर विशेष जोर दिया गया । इन संदेशों से विपणन टीम को अपने उन प्रयासों में मदद मिली जिनके माध्यम से पूरे भारत में किसानों को सैनिटाइजर, दस्ताने और अन्य सुरक्षा उपस्कर वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त इन माध्यमों के प्रयोग से नैनो उत्पादों के परीक्षणों के परिणामों का भी व्यापक प्रचार किया गया।

The humanitarian effort also extended towards helping the needy and the poor in the extreme cold winter months. More than 1 lakh blankets were distributed to orphanages, old age homes, poor people, farmers, society members, labourers & local villagers.

IFFCO YUVA

IFFCO's digital platform IFFCO YUVA assists not only in harnessing the potential of the rural youth, it also contributes towards expanding the talent pool in this era of cutting edge technology. The platform paves the path for rural youth in honing their skills. IFFCO YUVA played a critical role in informing about job vacancies and assisting job seekers during the COVID-19 pandemic.

PUBLIC RELATIONS & PUBLICITY

The COVID-19 pandemic has changed the way we communicate and has made us realise the importance of digital communication. Your society is committed to evolve with the times and will do its best in building a robust communication function within IFFCO with digital communication at its core. But while we do that, we also realise that these new age communication tools should be used in tandem with traditional communication channels like wall paintings, tractor trolley paintings etc. We are confident that these strategies will help in evolution of the IFFCO brand across the country and will add to its strength in the times to come.

In the FY 2020-21, communicating with stakeholders, especially the farmers during the pandemic was both a challenge and an opportunity. In order to send out messages and updates, your Society used social media and other modes of digital communications extensively. Special emphasis was given to spread the messages of safety, sanitation and hygiene. These messages complemented the efforts of the marketing team, who distributed sanitisers, gloves and other safety equipment to farmers across India. The results of its trials were also widely publicised using these mediums. Apart from this, messages related to the trials and usage of Nano Products were also widely publicised using these mediums.

Event organized by IFFCO West Bengal on the occasion of World Soil Day

विरासत का संरक्षण और संस्कृति को प्रोत्साहन

इफको, भारतीय कला और संस्कृति को संरक्षित रखने में विश्वास रखती है । पिछले कई वर्षों से आपकी समिति कला, दृश्य कला और साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति और विरासत का संरक्षण और संवर्धन कर रही है।

आजादी का अमृत महोत्सव समारोह

आजादी का 75वां वर्ष मनाने के लिए इफको ने पूरे देश के विभिन्न स्थानों पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम आयोजित किया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को उन स्वतंत्रता सेनानियों के सर्वोच्च बलिदान के बारे में जानकारी देना था जो हमारी आजादी के लिए शहीद हो गए । इस क्रम में युवाओं, बच्चों और किसानों के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें उन्हें स्वतंत्रता सेनानियों की शौर्य गाथाएं सुनाई गई थीं । ये कार्यक्रम पूरे देश में आयोजित किये गए और इनमें हजारों किसानों ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों में किसानों को उर्वरकों के संतुलित और सतत प्रयोग, मृदा विश्लेषण, विभिन्न प्रकार के उर्वरकों के प्रयोग, प्रयोग के तरीके, नई तकनीकों, उर्वरकों के प्रयोग के अनुरूप फसल उत्पादकता के बारे में भी बताया गया। इन कार्यक्रमों के दौरान, वक्ताओं द्वारा भागीदारों के लाभ के लिए महान स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में सुनाई गई कहानियों से स्कूल के विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिली।

इफको कला संग्रह

इफको सक्रिय रूप से कला संग्रह करती रही है । इसका उद्देश्य देश के सुप्रसिद्ध कलाकारों की कलाओं को संरक्षित रखना और भावी कलाकारों व मूर्तिकारों को प्रोत्साहित करना है। अब तक समिति अपने कला संग्रह के लिए 300 से अधिक पेंटिंग्स व मूर्तियों का संग्रह कर चुकी है। इफको के कला संग्रह के तहत एम एफ हुसैन, एस एच रज़ा, अकबर पदमसी, एंजोली इला मैनन, सतीश गुजराल, कृषेण खन्ना, परमजीत सिंह, जतिन दास, रेदादप्पा नायडू जैसे अनेक सुविख्यात भारतीय कलाकारों की पेंटिंग्स का संग्रह किया गया है। पेंटिंग्स के अतिरिक्त, इफको के कला संग्रह में सुदर्शन साहू और मुकुल पंवार जैसे विख्यात मूर्तिकारों द्वारा बनाई गई मूर्तियां भी शामिल हैं। इस वर्ष सुदर्शन साहू को पद्म विभूषण से नवाजा गया है।

हिन्दी को समर्थन व प्रोत्साहन

इफको ने अपने दैनिक कामकाज में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिए स्वैच्छिक प्रयास जारी रखे हैं । आलोच्य वर्ष के दौरान कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए हिन्दी कम्प्यूटर कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हिन्दी सप्ताह (14–18 सितम्बर 2020) के दौरान आयोजित विभिन्न सत्रों में साहित्य, कला और सिनेमा की दुनिया की प्रसिद्ध हस्तियों ने अपने विचार व्यक्त किए। वर्ष 2020–21 के दौरान कवि सम्मेलन सहित अनेक ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया । इन कार्यक्रमों से कर्मचारियों और उनके परिवार का न केवल मनोरंजन होता है बल्कि उन्हें हिन्दी से जुड़ने में मदद भी मिलती है। अनुभाग द्वारा कर्मचारियों और उनके बच्चों की रचनात्मकता और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए मासिक ई–पत्रिका 'सुरभि' का प्रकाशन किया जाता है । ग्रामीण और कृषि जीवन पर उत्कृष्ट लेखन करने वाले रचनाकारों को सम्मानित करने के उद्देश्य से इफको द्वारा रागदरबारी के रचनाकार व ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात लेखक पद्मभूषण श्री श्रीलाल शुक्ल की स्मृति में श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको साहित्य सम्मान श्रृंखला शुरू की गई है। इस क्रम में दसवां सम्मान प्रतिष्ठित हिन्दी लेखक श्री रणेन्द्र को प्रदान किया गया। उन्हें यह सम्मान 31 जनवरी 2021 को रांची में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया ।

जम्मू में इफको द्वारा आयोजित फसल सेमिनार में पुरस्कार प्राप्त करता हुआ एक प्रगतिशील किसान

सतर्कता

इफको का सतर्कता विभाग भागीदारों के बीच जागरूकता बढ़ाकर तथा उच्च दक्षता प्राप्त करने के लिए सिस्टम व कार्यप्रणाली में सुधार करके संगठन में सकारात्मक माहौल पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। समिति के कार्यकलापों में पारदर्शिता बनाये रखने के लिए वेंडरों/ठेकेदारों/ प्रयोक्ताओं को भी "प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों" के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता है तथा इनका प्रयोग करने के लिए कहा जाता है। निवारक व सहभागितापूर्ण सतर्कता के तौर पर, इफको में सतर्कता अधिकारियों द्वारा नियमित और औचक निरीक्षण किये जाते हैं।

वर्ष 2020 के दौरान पूरे इफको में सतर्कता जागरूकता अभियान ऑनलाइन वर्चुअल रूप से चलाया गया। कोविड–19 की मुश्किल घड़ी में डॉ. उदय शंकर अवस्थी, प्रबंध निदेशक, इफको ने सभी कर्मचारियों को शपथ दिलायी। मुख्यालय व उत्पादन इकाइयों में इफको के कर्मचारियों तथा उनके आश्रित बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। संयंत्र व विपणन कार्यालयों में स्थानीय विक्रेताओं के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया ताकि इफको में अपनायी जा रही व्यवस्थाओं व कार्यप्रणालियों के बारे में उनका ज्ञानवर्धन किया जा सके।

PRESERVING HERITAGE AND PROMOTING CULTURE

IFFCO believes in preservation of Indian art and culture. For many years, your Society has been promoting Indian culture and heritage by supporting performing arts, visual arts and literature.

Azadi Ka Amrut Mahotsav Celebrations

To commemorate 75th year of Independence, IFFCO organised "Azadi Ka Amrut Mahotsav" programmes at different locations across the country. The goal was to sensitise the youth regarding supreme sacrifice of freedom fighters who have attained martyrdom for our independence. Programs for youth, children and farmers were organised where stories of freedom fighters were shared. These programs were organised across the country and thousands of farmers participated. Under the backdrop of these programmes topics like fertiliser application awareness for balanced and sustainable fertiliser application, soil analysis, application of different type of fertilisers, methodology of application, new technologies, measuring crop yield vis-à-vis fertilisers usage were also discussed. School children were also inspired by the speakers who recounted stories of our great freedom fighters for benefit of participants.

IFFCO Art Treasure

IFFCO has been actively building an art collection aimed at preserving the works of reputed artists and encouraging upcoming Indian artists and sculptors. Till date, the Society has carefully collected over 300 paintings and sculptures as part of this collection. The 'Art Treasure of IFFCO' includes paintings by several eminent Indian artists like M.F Hussain, S.H Raza, Akbar Padamsee, Anjolie Ela Menon, Satish Gujral, Krishen Khanna, Paramjit Singh, Jatin Das, Redadappa Naidu among others. Apart from paintings, the collection also includes sculptures made by renowned sculptors like Sudarshan Sahoo and Mukul Panwar. Sudarshan Sahoo has been conferred the honour of Padma Vibhushan this year.

Supporting & Promoting Hindi

IFFCO also voluntarily continued its efforts for the use of Hindi in day-to-day official work. Hindi computer workshops and training programmes were organised for employees during the year. Hindi Week was organised in which eminent authors and celebrities from art and cinema shared their valuable thoughts with employees. Various online cultural programmes including Kavi Sammelan were held during the year. Such programmes not only provide healthy entertainment to employees and their families, they also help in connecting everyone with Hindi. An in-house monthly e-magazine 'Surbhi' is published to promote and encourage creativity & talent among employees and their wards . IFFCO has instituted "Shrilal Shukla Smriti IFFCO Sahitya Samman" Award series, in memory of Padma Bhushan Shri Shrilal Shukla, the renowned writer and recipient of several coveted awards like Sahitya Akademi Award, Gyanpeeth Award and Vyas Samman Award. This Award has been constituted to honour authors for their outstanding literary contribution in depicting the life of farmers in rural India. In the series, the tenth award was conferred on eminent Hindi fiction writer Shri Ranendra in a ceremony organised at Ranchi on 31st Jan, 2021.

Free distribution of medicinal and fruit plants in Nainital, Uttarakhand

VIGILANCE

The Vigilance Department at IFFCO has been playing a crucial role in creating a proactive environment in the organisation by enhancing awareness amongst all stakeholders & facilitating improvements in systems & procedures for achieving higher efficiency. Vendors / contractors / users are educated and persuaded to use 'Technology based Systems' aligned with transparent functioning of the Society. As a part of preventive and participative vigilance, regular and surprise checks and inspections are continuously conducted by all Vigilance Officers at IFFCO.

Vigilance Awareness Drive-2020 was organised in online virtual format across the entire Society. Dr. U. S. Awasthi, Managing Director administered the "Integrity Pledge" during tough Covid-19 times. Various competitions were organised for employees and their dependents at head office and production units. Seminars were also organised for local vendors in plants and marketing offices to enhance their understanding of policies, practices & procedures of IFFCO.

विश्व स्तर पर विविध सहकारी व्यापार मॉडल

आपकी समिति आईसीए के वैश्विक बोर्ड में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही है । आईसीए सहकारी समितियों का एक वैश्विक संगठन है जो ज्ञान, विशेषज्ञता और समन्वित कार्रवाई के लिए वैश्विक आवाज और मंच प्रदान करता है। बोर्ड की सदस्यता के माध्यम से, इफको सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को लागू करने और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन्हें प्रचारित करने में आईसीए को नेतृत्व प्रदान कर रहा है।

सहकारी समितियों के बीच उद्यमशीलता पर ध्यान केंद्रित करने और रणनीतिक सोच प्रदान करने के लिए आईसीए ने "अंतरराष्ट्रीय सहकारी उद्यमिता थिंक टैंक (आईसीईटीटी)" लॉन्च किया है। इफको इस अनोखे थिंक टैंक के पहले चेयरपर्सन का पद संभाल रहा है।

IFFCO's Global Collaboration Initiatives

इफको जम्मू – कश्मीर द्वारा आयोजित कंबल वितरण अभियान कार्यक्रम

सहकारी सिद्धांतों और मूल्यों में अपने विश्वास को आगे बढ़ाते हुए आपकी समिति ने एशिया–प्रशांत और अफ्रीकी क्षेत्रों की प्रमुख सहकारी समितियों के साथ मिलकर आपसी विकास और व्यापार विकास के लिए सहकारी संबंधों को मजबूत किया है। इसने नेशनल कोऑपरेटिव फेडरेशन ऑफ नेपाल (एनसीएफ)–नेपाल, मॉरीशस कोऑपरेटिव एग्रीकल्चरल फेडरेशन लिमिटेड (एमसीएएफ)–मॉरीशस, कोऑपरेटिव यूनियन ऑफ किर्गिस्तान (सीयूके)–किर्गिस्तान, एनएच कैपिटल–कोरिया, अंगकासा, मलेशिया और एलायंस अफ्रीका एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव ऑर्गनाइजेशन (एएएको) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इफको की संयुक्त उद्यम कंपनियों / सहयोगी कंपनियों और एसोसिएट्स के माध्यम से मूल्य संवर्धन।

आपकी समिति निरंतर ऐसी अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कंपनियों का प्रवर्तन करने के अवसरों की तलाश में रहती है जो हमारा वित्तीय, रणनीतिक और सामाजिक मूल्य संवर्धन कर सकें । मुझे उन संस्थाओं के कार्यनिष्पादन की मुख्य विशेषताएं बताते हुए खुशी हो रही है ।

इफको–टोक्यो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (इफको–टोक्यो)

इफको–टोक्यो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड आपकी समिति तथा जापान के टोक्यो मेरीन ग्रुप का एक संयुक्त उद्यम है। इस कंपनी में इफको और टोक्यो–मेरीन की शेयरधारिता क्रमशः 51 प्रतिशत और 49 प्रतिशत है । यह कंपनी भारत की शीर्ष निजी आम सामान्य कंपनियों में से एक है।

कोविड महामारी के कारण विशेष तौर पर बीमा क्षेत्र के लिए कठिन वर्ष के दौर में कंपनी ने बेहतरीन कार्य निष्पादन करते हुए वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान ₹ 8,524 करोड़ का प्रीमियम बुक किया ।

इफको किसान संचार लिमिटेड (इफको किसान)

इफको किसान संचार लिमिटेड की स्थापना भारती एयरटेल और स्टार ग्लोबल रिसोर्सेज लि. के साथ मिलकर की गई है ।

इस कंपनी में इफको की शेयरधारिता 72.99 प्रतिशत है ।

इफको किसान एक दशक से भी ज्यादा समय से देश के किसानों को परामर्शदायी सेवाएं प्रदान कर रही है ।

वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान कंपनी का कुल अनंतिम राजस्व ₹ 536 करोड़ रहा ।

नेशनल कमोडिटी एंड डेरीवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड (एनसीडैक्स)

एनसीडैक्स एक ऑनलाइन मल्टी–कमोडिटी एक्सचेंज है जिसमें इफको की शेयरधारिता 10 प्रतिशत है ।

यह कंपनी 22 कृषि कमोडिटीज और 1 गैर कृषि कमोडिटी (गैर कीमती धातु) में वायदा संविदाएं और 7 कृषि कमोडिटीज में सूचकांक व ऑप्शन संविदा ऑफर करता है। एनसीडैक्स का औसतन दैनिक ट्रेडिड मूल्य (एडीटीवी) वर्ष 2020–21 के दौरान ₹ 1,173 करोड़ रहा।

GLOBALLY DIVERSIFIED COOPERATIVE BUSINESS MODEL

Your Society is also representing India on the global board of International Cooperative Alliance (ICA), an apex global body of cooperatives providing a global voice and forum for knowledge, expertise and co-ordinated action. Through the board membership, IFFCO is providing thought leadership to ICA in implementing the Sustainable Development Goals (SDGs) and propagating same at various international forums.

To focus on entrepreneurship among cooperatives and provide strategic thinking, ICA has launched the "International Cooperative Entrepreneurship Think Tank (ICETT)". IFFCO holds the position of the first chairperson of this unique Think Tank.

IFFCO's Global Collaboration Initiatives

In furtherance of its belief in cooperative principles and values, your Society has collaborated with major cooperatives of Asia-Pacific and Africa regions to strengthen cooperative ties for mutual growth and business development. It has signed Memorandum of Understanding (MoU) with National Cooperative Federation of Nepal (NCF)-Nepal, Mauritius Cooperative Agricultural Federation Ltd (MCAF)-Mauritius, Cooperative Union of Kyrgyzstan (CUK) Kyrgyzstan, NH Capital-Korea, ANGKASA, Malaysia, and Alliance Africa Agricultural Co-operative Organisation (AAACO).

Kisan Sabha in Almora organized by IFFCO Uttarakhand

CREATING VALUE THROUGH JOINT VENTURES, SUBSIDIARIES & ASSOCIATES

Your Society continuously looks for promoting international and domestic companies that have the potential of adding significant financial, strategic and social value. I am happy to share performance highlights of these entities.

IFFCO-TOKIO General Insurance Company Limited (IFFCO-TOKIO)

IFFCO-TOKIO is a Joint Venture between your Society and the Tokio Marine Group of Japan. IFFCO and Tokio-Marine hold 51% and 49% shareholding in the Company respectively. The Company is amongst top private General Insurance Companies in India.

In a particularly difficult year for the insurance sector due to the COVID pandemic, the Company did very well and booked a premium of ₹ 8,524 Crore in the FY 2020-21.

IFFCO Kisan Sanchar Limited (IFFCO- Kisan)

IFFCO-Kisan was setup in collaboration with Bharti Airtel Ltd. and Star Global Resources Ltd. IFFCO holds 72.99% shareholding in the Company.

IFFCO- Kisan has been serving farmers across India with its advisory services for more than a decade.

The Company's overall provisional revenue for the FY 2020-21 was ₹ 536 Crore.

National Commodity & Derivatives Exchange Ltd. (NCDEX)

NCDEX is an on-line multi-commodity exchange in which IFFCO holds 10% equity Share Capital.

The Company offers futures contracts in 22 agricultural commodities and 1 non-agri (non-precious metals) commodity along with Indices and options contracts in 7 agricultural commodities. The Average Daily Traded Value (ADTV) was recorded at ₹ 1,173 Crore in FY 2020-21.

इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल)

आईपीएल प्रमुख रूप से आयातित पोटाशिक, फास्फेटिक तथा नाइट्रोजीनस उर्वरकों की ट्रेडिंग का कार्य करती है। इसने डेयरी तथा चीनी व्यवसाय में भी कदम रखा है। इस कंपनी में इफको की शेयरधारिता 33.99 प्रतिशत है । वर्ष के दौरान इस कंपनी ने इफको को ₹ 2.43 करोड़ का लाभांश अदा किया है।

ट्रायम्फ ऑफशोर प्राइवेट लिमिटेड (टीओपीएल)

ट्रायम्फ ऑफशोर प्राइवेट लिमिटेड (टीओपीएल) में इफको की शेयरधारिता 49 प्रतिशत है । इस कंपनी की प्रमुख भागीदार मैसर्स स्वान एनर्जी लिमिटेड (एसईएल) है जो मुख्य रूप से ऊर्जा तथा ऑनशोर गैस वितरण टर्मिनलों का व्यवसाय करती है।

टीओपीएल की स्थापना फ्लोटिंग स्टोरेज तथा रीगैसीफिकेशन यूनिट (एफएसआरयू) परियोजना के तौर पर की गई थी। एफएसआरयू एक विशेष फ्लोटिंग वैसेल है जिसमें एलएनजी स्टोरेज के लिए टैंक और वाष्पीकरण प्रक्रिया संबंधी सभी आवश्यक उपस्कर लगे हुए हैं । यह एलएनजी रीगैसीफिकेशन सुविधा के शीघ्र कार्यान्वयन के लिए एक सुरक्षित समाधान है ।

न्यू एज फाइनेंशियल एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (एनएएफए)

इफको तथा बृहस्पति मर्कैन्डाइज प्रा. लिमिटेड ने भारत में वित्तीय सलाह और निवेश बैंकिंग व्यवसाय करने के लिए संयुक्त रूप से न्यू एज फाइनेंशियल एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड(एनएएफए) की स्थापना की है । एनएएफए ने निवेश बैंकिंग, कृषि इंफ्रा निवेश, कृषि निर्यात और कृषि एडवाइजरी वर्टिकल के क्षेत्र में प्रचालन शुरू किया है।

इफको–एम सी क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड (इफको–एम सी)

इफको–एम सी क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड (इफको–एम सी), इफको तथा मित्सुबिशी कारपोरेशन, जापान की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसमें दोनों की शेयरधारिता का अनुपात 51:49 है।

यह कंपनी 17 राज्यों में किसानों को अच्छी गुणवत्ता के फसल संरक्षण उत्पाद वाजिब दामों पर उपलब्ध कराती है ।

इफको–एमसी प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर है और वर्ष 2020–21 में इसका बिक्री कारोबार ₹ 293.53 करोड़ तक पहुंच गया है। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष बिक्री कारोबार में 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

देहरादून, उत्तराखंड में इफको नैनो यूरिया प्लॉट का प्रदर्शन

इफको किसान एसईजैड लिमिटेड(आईकेएसईजैड)

आईकेएसईजैड, इफको की पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी है जो बहु–उत्पाद एसईजैड की धारणा पर आधारित है। एसईजैड नैल्लौर, आंध्र प्रदेश में 2,777 एकड़ भूमि में फैला हुआ है और इसके पास औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए पूर्ण विकसित बुनियादी ढांचा उपलब्ध है जिसमें ऊर्जा व पानी तुरंत उपलब्ध हो जाता है। इसके अंदर व चारों तरफ सड़कें हैं, स्ट्रीट लाइटिंग, ऑफिस स्पेस, सुरक्षा और अन्य सुविधायें हैं।

इफको किसान लॉजिस्टिक्स लिमिटेड (आईकेएलएल)

इफको किसान लॉजिस्टिक्स लिमिटेड (आईकेएलएल) इफको की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक संस्था है जिसकी कांडला, गुजरात में कैप्टिव बार्ज जेट्टी है और वह इसका प्रचालन स्पेशल पर्पज व्हीकल के तौर पर उर्वरकों के कच्चे माल तथा तैयार उत्पादों की हैंडलिंग के लिए कर रही है।

माल की समय पर सुपुर्दगी, लागत की बचत, अपने जहाजों की प्राथमिक आधार पर बर्थिंग तथा उर्वरकों के कच्चे माल और तैयार उत्पादों की प्रभावी ढंग की हैंडलिंग से इफको को काफी लाभ हुआ है । कंपनी ने वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान 7.96 लाख मी.टन कार्गो की हैंडलिंग की है।

इफको ई–बाजार लिमिटेड (इफको–बाजार)

इफको ई–बाजार लि. इफको की शत–प्रतिशत स्वामित्व वाली सहायक संस्था है। इस संस्था का उद्देश्य किसानों को ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक खुदरा व्यापार के माध्यम से कृषि आदान व सेवाएं उपलब्ध कराना है। वर्ष 2016 में अपनी स्थापना से ही कंपनी ने 26 से अधिक राज्यों में अपना कारोबार फैलाया है । इन स्टोर्स के माध्यम से किसानों को बीज, उर्वरक, जैव उर्वरक, कीटनाशक, जैव उत्प्रेरक, स्प्रेयर्स तथा अन्य कृषि उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इफको के बाजार केन्द्रों पर मृदा–स्वास्थ्य जांच की सुविधा भी शुरू की गई है । इफको के इस ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से पूरे देश में किसानों को ₹ 7 करोड़ मूल्य के लगभग 3 लाख सामान उनके दरवाजे पर उपलब्ध कराए गए ।

वर्ष 2020–21 के दौरान कंपनी का कुल राजस्व ₹ 1,711 करोड़ रहा, जो गत वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है।

सिक्किम इफको ऑर्गेनिक्स लि.(सिक्किम इफको)

सिक्किम–इफको, इफको और सिक्किम सरकार की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है। यह पूरे सिक्किम राज्य के किसानों को लाभ पहुंचाने और प्रोत्साहित करने के लिए एक ऑर्गेनिक वैल्यू चेन बनाने का प्रयास करती है। इसकी स्थापना विशेष तौर पर सिक्किम व अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में जैविक उत्पादों का संवर्धन व विपणन करने के उद्देश्य से की गई थी । इस कंपनी में इफको और सिक्किम सरकार की शेयरधारिता क्रमशः 51 प्रतिशत और 49 प्रतिशत है।

Indian Potash Limited (IPL)

IPL is primarily engaged in the trading of imported potassic, phosphatic and nitrogenous fertilisers. It has also diversified into the dairy and sugar business. IFFCO holds 33.99% shareholding in the Company. The Company paid a dividend of ₹ 2.43 Crore to your Society during the year.

Triumph Offshore Private Limited (TOPL)

IFFCO holds 49% shareholding in TOPL. The majority stake holder is M/s Swan Energy Limited (SEL), engaged primarily in the business of energy and onshore gas distribution terminals.

TOPL was established to set up a Floating Storage and Regasification Unit (FSRU) project. FSRU is a special floating vessel equipped with tanks for LNG storage and all the required vaporization process equipment. It is a safe solution for quick implementation of LNG regasification facility.

New Age Financial Advisory Pvt Ltd (NAFA)

IFFCO and Brahaspati Merchandise Pvt. Ltd. have jointly incorporated New Age Financial Advisory Pvt. Ltd. (NAFA) to undertake financial advisory and investment banking business in India. NAFA commenced operations in the area of Investment Banking, Agri Infra Investment, Agri-Exports and Agri Advisory verticals.

IFFCO-MC Crop Science Private Limited (IFFCO-MC)

IFFCO-MC is a Joint Venture between IFFCO and Mitsubishi Corporation, Japan with shareholding in proportion of 51:49 respectively.

The Company provides good quality crop protection products at reasonable prices to the farmers in 17 states.

IFFCO-MC is steadily growing and during the FY 2020-21, the sales turnover was ₹ 293.53 Crore, registering an increase of 21% over the previous year.

IFFCO Kisan SEZ Limited (IKSEZ)

IKSEZ is a wholly owned subsidiary of IFFCO and is based on the concept of a multi-product Special Economic Zone (SEZ). The SEZ is spread across 2,777 acres in Nellore, Andhra Pradesh and has well developed infrastructure for setting up industrial units with ready availability of power, water, internal and peripheral roads, street lighting, office space, security and other amenities.

IFFCO Nano Urea plot demonstration at PAU Ludhiana, Punjab

IFFCO Kisan Logistics Limited (IKLL)

IKLL, a wholly owned subsidiary of IFFCO, owns and operates the captive barge jetty at Kandla, Gujarat as a Special Purpose Vehicle (SPV) for handling of raw material and finished products of fertilisers.

IFFCO has immensely benefited in terms of timely delivery, cost saving, priority berthing of IFFCO's vessels and efficient handling of raw materials & finished product of fertilisers. During the FY 2020-21, the Company handled 7.96 lakh MT of cargo.

IFFCO eBazar Limited (IFFCO- BAZAR)

IFFCO-BAZAR, a 100% owned subsidiary of your Society was set up with the objective of providing modern retail experience in rural India to provide quality agri inputs and services to the Farming community. Since inception in Apr'2016, the Company has expanded its operations in more than 26 States. The products being made available to the farmers are seeds, fertilizers, bio fertilizers, pesticide, bio stimulants, sprayers and other agri-implements. The facility of soil health checking is also extended at IFFCO Bazar centres. IFFCO Bazar's online platform delivered around 3 lakh items valuing ₹ 7 Crore at farmers' doorsteps across the country.

Total revenue of ₹ 1,711 Crore was achieved during the year 2020-21, which is 40% higher than the previous year.

Sikkim IFFCO Organics Limited (Sikkim - IFFCO)

Sikkim-IFFCO is a Joint Venture between the Government of Sikkim and your Society in an effort to create an Organic Value Chain across the state of Sikkim to benefit and incentivize its Farmers. The Company was formed with an objective to promote and market organic produce of the country, especially from the state of Sikkim and other North-Eastern states of India. IFFCO holds 51% shareholding in the Company and balance 49% is held by the Government of Sikkim.

इस कंपनी के जैविक उत्पादों के प्रसंस्करण के लिए सिक्किम के रंगपो में दो एकीकृत प्रसंस्करण सुविधाओं के वर्ष 2022 तक पूरा हो जाने की उम्मीद है।

इफको किसान फाइनेंस लिमिटेड (किसान–फाइनेंस)

इफको द्वारा प्रवर्तित किसान–फाइनेंस एक नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल (एनबीएफसी) कंपनी है। यह कंपनी किसानों को पारदर्शी एवं नैतिक आधार पर वित्तीय सहयोग प्रदान करने का कार्य करती है। इसका उद्देश्य भारत के दूरगामी इलाकों तक किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस कंपनी में इफको की शेयरधारिता 36.33 प्रतिशत है।

वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान, इस कंपनी ने ₹ 327.34 करोड़ मूल्य के ऋण वितरित किये। इस कंपनी ने ₹ 500 करोड़ के क्लोजिंग लोन बुक के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है और वित्त वर्ष 2020–2021 की समाप्ति तक इसका लोन बुक ₹ 597 करोड़ था। इस प्रकार यह भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार व्यवस्थित रूप से एक महत्वपूर्ण एनबीएफसी बन चुकी है।

सीएन इफको प्राइवेट लिमिटेड (सीएन इफको)

इफको और कोंगीलाडोस डी नवारा (सीएन कारपोरेशन), स्पेन ने लुधियाना, पंजाब में एक वेजीटेबल प्रोसेसिंग परियोजना की स्थापना करने के लिए सीएन इफको प्राइवेट लिमिटेड नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी का प्रवर्तन किया है। इस कंपनी में इफको और सीएन कॉर्प की शेयरधारिता क्रमशः 40 प्रतिशत तथा 60 प्रतिशत है ।

इस परियोजना के तहत विभिन्न क्विक फ्रीजिंग (आईक्यूएफ) सब्जियों जैसे ब्रोकोली, पत्तागोभी, गाजर, हरी मटर, मक्का, बीन्स आदि को प्रसंस्करित करने की सुविधाएं स्थापित की जाएंगी। यह कंपनी कच्चे माल की आपूर्ति के लिए बैकवार्ड इन्टीग्रेशन के माध्यम से लगभग 5000 किसानों को रोजगार प्रदान करेगी । उम्मीद है कि यह परियोजना वर्ष 2023 तक पूरी हो जाएगी।

सीएससी ई–गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड

3.5 लाख ग्राम स्तरीय उद्यमियों के उपलब्ध नेटवर्क का लाभ उठाने के लिए इफको ने सीएससी एसपीवी में निवेश किया है । वर्तमान में इस कंपनी में इफको की शेयरधारिता 8.11 प्रतिशत है।

आम सेवा केन्द्र (सीएससी) नागरिकों को कई प्रकार की सरकारी सेवाएं प्रदान करते हैं। ये केन्द्र नागरिकों की सेवा के लिए कुशल और प्रतिबद्ध ग्राम स्तरीय उद्यमियों का एक मजबूत नेटवर्क बनाते हैं और ग्रामीण भारत के कोने–कोने तक पहुंचकर लोगों को सेवाएं मुहैया कराते हैं। इसके अतिरिक्त, कृषि विज्ञान केन्द्रों (केवीके) और भारतीय डाकघर को सीएससी एसपीवी से जोड़ा गया है जो इफको के लिए एक वितरण तंत्र के रूप में काम करेंगे। इफको इस नेटवर्क के माध्यम से उन किसानों तक अपने उत्पाद व सेवाएं पहुंचाना चाहती है जहां अन्य किसी माध्यम से वितरण संभव नहीं है।

अल्मोड़ा, उत्तराखंड में आयोजित मृदा परीक्षण अभियान

ओमान इंडिया फर्टिलाइजर कम्पनी (ओमइफको)

ओमइफको, ओमान में इफको की एक अन्य महत्वपूर्ण संयुक्त उद्यम कम्पनी है । इस कंपनी में इफको की शेयरधारिता 25 प्रतिशत है । ओमइफको सुर इंडस्ट्रियल सल्तनत ऑफ ओमान में अत्याधुनिक दो ट्रेन वाले उर्वरक अमोनिया–यूरिया कॉम्प्लेक्स का प्रचालन करती है जिनकी वार्षिक संस्थापित क्षमता 1.65 मिलियन मी. टन यूरिया तथा 0.25 मिलियन मी. टन सरप्लस अमोनिया है।

वर्ष के दौरान ओमइफको ने उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करते हुए समिति को 31.975 मिलियन अमेरिकी डॉलर का लाभांश अदा किया है।

किसान इंटरनेशनल ट्रेडिंग एफजैडई (केआईटी एफजैडई)

किसान इंटरनेशनल ट्रेडिंग एफजैडई यूएई में जेबेल अली फ्री जोन ऑथोरिटी में इफको की एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक संस्था है। यह कंपनी उर्वरकों के लिए आवश्यक कच्चे माल और तैयार उर्वरक उत्पादों का अंतरराष्ट्रीय व्यापार करती है। अपने ट्रेडिंग प्रचालनों का मूल्य संवर्धन करने के लिए, केआईटी शुष्क बल्क उत्पादों, तरल रसायनों और गैसीय अमोनिया की शिपिंग के लिए उर्वरक उद्योग को लॉजिस्टिक सेवाएं प्रदान करती है।

कंपनी अपनी स्थापना से ही प्रतिवर्ष लाभ अर्जित करती रही है और इसने अपना रणनीतिक व वित्तीय साख स्थापित कर लिया है। वर्ष के दौरान केआईटी ने समिति को अमेरिकी डॉलर 2.739 मिलियन का लाभांश अदा किया है ।

जोर्डन इंडिया फर्टिलाइजर कंपनी (जिफको)

जिफको, इफको और जोर्डन फास्फेट माइन्स कंपनी (जेपीएमसी) की एक संयुक्त कंपनी है। इस कंपनी में इफको (27 प्रतिशत) और इफको की पूर्णतः स्वामित्व वाली सहायक संस्था किसान इंटरनेशनल ट्रेडिंग (25 प्रतिशत) की कुल इक्विटी 52 प्रतिशत तथा जिफको की 48 प्रतिशत है। कंपनी की फास्फोरिक एसिड की वार्षिक उत्पादन क्षमता 4,75,000 टन P_2O_5 है।

दीर्घावधिक करारों के तहत केआईटी जिफको से कम से कम 70 प्रतिशत फास्फेट एसिड की खरीद करती है और जेपीएमसी कंपनी को रॉक फास्फेट की आपूर्ति करती है ।

वर्ष 2020 के दौरान, जिफको ने 98.3 प्रतिशत क्षमता का उपयोग करके P_2O_5 के रूप में 4.67 लाख टन फास्फोरिक एसिड का उत्पादन किया।

Two integrated processing facilities at Rangpo, Sikkim for processing its organic products are expected to be completed in the year 2022.

IFFCO Kisan Finance Limited (Kisan- Finance)

Kisan-Finance, promoted by IFFCO, is a Non-Banking Financial Company (NBFC), focused on meeting financial needs of farmers in an ethical and transparent manner. It aims to bring financial inclusivity to the last mile. IFFCO holds 36.33% shareholding in the Company.

During the FY 2020-21, the Company disbursed loans with a value of ₹ 327.34 Crore. It also surpassed the important milestone of a closing loan book of ₹ 500 Crore and ended the financial year 2020-21 with a loan book of ₹ 597 Crore. Thus, it became a systemically important NBFC as per Reserve Bank of India guidelines.

CN IFFCO Private Limited (CN IFFCO)

IFFCO and Congelados de Navarra (CN Corp), Spain have promoted a Joint Venture Company "CN IFFCO Private Limited" for setting up a Vegetable Processing Project in district Ludhiana, Punjab. IFFCO and CN Corp hold 40% and 60% equity respectively in the Company.

The Project will have facilities to process a wide range of Individual Quick Freezing (IQF) vegetables such as broccoli, cauliflower, carrot, green peas, sweet corn etc. It will engage with around 5,000 farmers for supply of raw materials through backward integration. The Project is expected to be completed by the year 2023.

CSC E-Governance Services India Limited

To leverage the available network of 3.5 lakh Village Level Entrepreneurs (VLEs), IFFCO has invested in the CSC E-Governance Services India Limited and currently holds 8.11% shareholding.

The Common Service Centres (CSC) provide a wide range of services to citizens pertaining to Government. They form a formidable network with deep penetration and wide reach, driven by VLEs who are skilled and committed towards serving citizens. Additionally, Krishi Vigyan Kendras (KVKs) and India Post have also been aligned with the Company and will be available as a distribution network to IFFCO. IFFCO intends to use this network to offer its products and services to farmers where other modes of distribution are not able to reach.

Plot demonstration of Poly 4 + Sagarika at Kanchipuram, Tamil Nadu

Oman India Fertiliser Company (OMIFCO)

OMIFCO is another important Joint Venture Company in Oman in which the Society holds 25% equity stake. The Company operates a modern world scale two-trains ammonia-urea fertilisers complex with an installed capacity of 1.65 million MT urea and 0.25 million MT surplus ammonia at the Sur Industrial Estate in the Sultanate of Oman.

During the year 2020, OMIFCO maintained its excellent performance and paid USD 31.975 million as dividend to your Society.

Kisan International Trading FZE (KIT FZE)

KIT FZE is a wholly owned subsidiary of IFFCO setup under Jebel Ali Free Zone Authority in United Arab Emirates. The Company is into international trading of raw materials used for fertiliser production and finished fertiliser products. To add further value to its trading operations, the Company also provides logistics services for shipping of dry bulk products, liquid chemicals and gaseous ammonia for the Fertiliser Industry.

The Company has earned profits every year since inception and has created significant strategic and financial value. KIT paid a dividend of USD 2.739 million to the Society during the year.

Jordan India Fertilizer Company (JIFCO)

JIFCO is a Joint Venture between IFFCO and Jordan Phosphate Mines Company (JPMC). IFFCO (27%) and Kisan International Trading (KIT), IFFCO's Wholly Owned Subsidiary (25%) together hold 52% equity, while JPMC holds 48% equity in JIFCO. The Company has the annual capacity to produce 4,75,000 tonnes of Phosphoric Acid in terms of P_2O_5.

KIT purchases minimum 70% of production of Phosphoric Acid and JPMC supplies Rock Phosphate to the Company pursuant to Long Term Agreements.

During the year 2020, JIFCO produced 4.67 lakh tonnes of Phosphoric Acid in terms of P_2O_5, achieving a capacity utilisation of 98.3%.

इंडस्ट्रीज शिमिक्स डू सेनेगल (आईसीएस)

1980 में अपनी स्थापना से ही इंडस्ट्रीज शिमिक्स डू सेनेगल (आईसीएस) ने आपकी समिति के कांडला संयंत्र को फास्फोरिक एसिड के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । कंपनी की फास्फोरिक एसिड (P_2O_5) की वार्षिक उत्पादन क्षमता 6.60 लाख मी. टन है। इस कंपनी में इफको की शेयरधारिता 6.78 प्रतिशत है ।

वर्ष 2020 में आईसीएस ने इफको को P_2O_5 के रूप में 3.48 लाख मी. टन फास्फोरिक एसिड का निर्यात किया।

सामाजिक उद्यम

इंडियन फार्म फोरेस्ट्री डेवलपमेंट कोआपरेटिव लिमिटेड (आईएफएफडीसी)

सतत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के जरिए पर्यावरण का संरक्षण करने, जलवायु परिवर्तन को कम करने तथा गरीबों, आदिवासी समुदाय और विशेष तौर पर महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए इफको द्वारा आईएफएफडीसी का प्रवर्तन किया गया था ।

आईएफएफडीसी भारत सरकार के ऑयल सीड तथा ऑयल पॉम पर नेशनल मिशन (एनएमओओपी) तथा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) की मिनी किट योजना के अंतर्गत कृषि विभाग को भी बीज की आपूर्ति करती है। वर्ष 2020–21 के दौरान, 2734 क्विंटल हाइब्रिड बीज और विभिन्न फसलों की सब्जियों के 9924 कि. ग्राम बीज उपलब्ध कराये गए। आईएफएफडीसी की मुख्य विशेषताएं निम्न हैं :

- 29,421 हेक्टेयर बंजर भूमि को बहु–उद्देश्यीय जैव विविध जंगल के रूप में विकसित किया गया है।
- इफको ने कृषि–बागवानी कार्यक्रम के तहत 3406 हेक्टेयर क्षेत्र में 8,515 वाड़ियां (छोटे फलोद्यान) विकसित किए हैं ।
- आईएफएफडीसी 1,836 स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) चला रही है जिसमें कौशल विकास, ज्ञान सृजन तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों के विकास आदि पर ध्यान दिया जाता है। इन स्वयं सहायता समूहों में कुल 18,732 सदस्य हैं जिनमें 94 प्रतिशत महिला सदस्य हैं।

सहकारी ग्रामीण विकास न्यास (कोरडेट)

इफको तमिलनाडु द्वारा केवीके, नीडामंगलम में आयोजित विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस समारोह

कोरडेट की स्थापना ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने और किसानों के सामाजिक व आर्थिक विकास के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के उद्देश्य से की गई थी। इसके तहत पशुपालन किया जाता है और मॉडल खेत स्थापित करके उर्वरकों के संतुलित प्रयोग को बढ़ावा दिया जाता है । विभिन्न पोषक तत्वों के मृदा परीक्षण का विश्लेषण किया गया है और किसानों के साथ उनके परिणाम साझा किए गए हैं ताकि वे मृदा परीक्षण आधारित उर्वरकों का प्रयोग कर सकें ।

- कृषि के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रशिक्षण देने के लिए 293 किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिनमें विभिन्न राज्यों से महिलाओं सहित 17144 किसान लाभान्वित हुए।
- कोरडेट ने पशु चारे, नीम के तेल, विभिन्न प्रकार के तरल जैव उर्वरकों का उत्पादन किया।
- कोरडेट ने आंवला जूस, कैंडी, एलोवेरा जूस, च्यवनप्राश आदि की बिक्री के लिए एक कैनिंग इकाई स्थापित की है।
- मुख्य पोषक तत्वों के लिए मिट्टी के 63,095 नमूनों तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों के 85,879 तत्वों का विश्लेषण किया जा चुका है और किसानों को उनके परिणामों के बारे में बता दिया गया है ताकि वे मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का प्रयोग कर सकें।

इफको किसान सेवा ट्रस्ट (आईकेएसटी)

आईकेएसटी की स्थापना इफको तथा इफको कर्मचारियों के संयुक्त अंशदान से एक चेरिटेबल ट्रस्ट के रूप में की गई थी। शुरू से ही, इस ट्रस्ट ने प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, बाढ़, सुनामी आदि से प्रभावित गरीब तथा जरूरतमंद किसानों की सहायता के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए हैं। यह प्रतिकूल मौसम में पीड़ित किसानों को सहायता प्रदान करता है।

वर्ष के दौरान, इस ट्रस्ट ने मरीजों को चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ₹ 87.71 लाख तथा छोटे व सीमान्त किसानों के छात्रों को छात्रवृति के रूप में ₹ 13.74 लाख की राशि व्यय की। इसके अतिरिक्त वर्ष के दौरान राहत व पुनर्वास गतिविधियों पर ₹ 15.9 लाख की राशि व्यय की गई ।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा की स्थापना वर्ष 2016 में की गई थी । यह एक ऐसी पहली स्वास्थ्य सेवा प्रणाली है जो ग्रामीण इलाकों में संपूर्ण व सतत चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य करती है । यह पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ते मूल्य पर गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य सेवा तंत्र स्थापित कर रही है । जीएचसी ने राष्ट्रीय व वैश्विक स्वास्थ्य सेवा नेटवर्कों के साथ रणनीतिक साझेदारी स्थापित करके डिजिटल स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त वॉक–इन स्वास्थ्य केन्द्र खोले हैं जिनका उद्देश्य ग्रामीण इलाकों की जनता को चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है ।

Industries Chimiques Du Senegal (ICS)

Since its inception in the 1980s, Industries Chimiques du Senegal (ICS) has played an important role for feedstock security of Phosphoric Acid for your Society's Kandla plant. The Company has the annual capacity to produce 6.60 lakh MT of Phosphoric Acid (P_2O_5). IFFCO holds 6.78% shareholding in the Company.

During the year 2020, ICS exported 3.48 lakh MT of Phosphoric Acid in terms of P_2O_5 to IFFCO.

SOCIAL ENTERPRISES

Indian Farm Forestry Development Cooperative (IFFDC)

IFFDC was promoted by IFFCO to conserve the environment, mitigate climate changes through sustainable natural resource management and improving socio-economic status of— rural poor, tribal communities and women in particular.

IFFDC supplies seeds to the Agriculture Department under the Minikit Scheme of National Mission on Oilseed & Oil-Palm (NMOOP) and National Food Security Mission (NFSM), Government of India. During the year 2020-21, 2734 quintals of hybrid seed and 9924 kg of vegetable seeds of different crops have also been made available to farmers. The salient points of IFFDC are as below:

- 29,421-hectare wasteland developed as multi-purpose biodiversity forests.
- IFFDC has developed 8,515 wadis (small orchards) on 3406 ha area under the agri-horticulture programme.
- IFFDC is nurturing 1,836 self-help groups (SHGs) through skill development, knowledge building and micro enterprises development etc. The total membership of these SHGs is 18,732 out of which 94% are women members.

Cooperative Rural Development Trust (CORDET)

CORDET was established with an objective to promote rural development and to undertake activities towards social and economic development of farmers. This includes animal husbandry and promoting balanced use of fertilisers by establishing model farms. Soil samples for various nutrients have been analysed and results shared with the farmers to enable application of fertilisers based on soil test reports.

- CORDET conducted 2933 farmer trainings on various aspects of farming, which has benefitted 17,144 farmers including women from various states.
- CORDET produced cattle feed, neem oil, different strains of liquid biofertilisers.
- CORDET established a canning unit for sale of Amla juice and candy, Aloe vera juice, Chyawanprash etc.
- A total number of 63,095 soil samples for major nutrients and 85,879 of micronutrients have been analysed and results shared with the farmers to enable application of fertilisers based on soil test reports.

Farmers' Day event at district Barmer, Rajasthan

IFFCO Kisan Sewa Trust (IKST)

IKST was set up as a charitable trust from joint contribution of IFFCO and its employees. Since its inception, it has undertaken a variety of activities to assist poor and needy farmers affected due to natural calamities such as earthquake, flood, tsunami etc. It also extends a helping hand to the farmers in distress due to unfavourable weather conditions.

During the year, the trust spent ₹ 87.71 lakh for providing critical medical assistance to patients, ₹ 13.74 lakh towards scholarships to the students belonging to the families of small and marginal farmers. In addition, ₹ 15.9 lakh were spent on relief and rehabilitation initiatives during the year.

Gramin Health Care

Established in 2016, Gramin Health Care (GHC) is the first healthcare system that works to bridge the gap in a holistic, self-sustaining and scalable manner. It has been creating healthcare ecosystems in under-served rural areas to ensure quality health services at affordable prices. It has launched Walk-In Health Centers equipped with digital healthcare solutions, intensive outreach programs and strategic partnerships with national & global health care networks.

जीएचसी ने सरकार, उद्योगों और समुदायों के साथ रणनीतिक संबंध स्थापित किये हैं। इफको के साथ रणनीतिक संबंध के तहत जीएचसी ने पूरे भारत के इफको बाजार केन्द्रों में अपने अधिकतर प्राथमिक क्लीनिक शुरू किए हैं। जीएचसी ने सात राज्यों नामतः उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, मेघालय, बिहार और झारखंड में 100 से अधिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। जीएचसी ने ग्रामीणजनों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तकनीकीयुक्त नए उत्पाद जैसे ग्रामीण स्वास्थ्य कार्ड और ऐप लांच किए हैं । सहायतापूर्ण दूर चिकित्सा जीएचसी द्वारा शुरू की गई एक अन्य महत्वपूर्ण तकनीकी पहल है जिसके माध्यम से प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों में योग्य व प्रशिक्षित नर्स/स्वास्थ्य सहायक मरीजों की जांच करते हैं और समर्पित नर्स ऐप के प्रयोग से इलेक्ट्रोनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड तैयार करते हैं । इससे ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के स्वास्थ्य में निश्चित रूप से सुधार होगा।

पर्यावरण और सतत समुदायों का संरक्षण

सतत विकास लक्ष्यों के लिए प्रतिबद्ध एक संगठन के तौर पर आपकी समिति समुदायों का विकास करने और पर्यावरण को सहयोग करने की दिशा में निरंतर कार्यरत रहती है । इस प्रयोजन के लिए पूरे वर्ष के दौरान कई गतिविधियां चलाई जाती हैं जिनमें किसानों को पर्यावरण हितैषी कृषि तकनीकों के बारे में शिक्षित करना भी शामिल है ।

कृषक विस्तार गतिविधियां

इफको द्वारा विभिन्न संवर्धनात्मक व विस्तार कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में मुख्य रूप से मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार तथा उर्वरकों के एकीकृत तथा संतुलित प्रयोग को बढ़ावा देने और किसानों को गौण एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने जैसे विषयों पर ध्यान दिया गया है। इफको द्वारा उर्वरकों के दक्षतापूर्ण प्रयोग, जल संरक्षण आदि के माध्यम से फसल उत्पादकता को बढ़ाने के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों के बारे में भी कार्यकम आयोजित किये गए। इन संवर्धनात्मक कार्यक्रमों में सहकारी समितियों, चैनल साझेदारों व किसानों को कृषि व कृषि आदानों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर परस्पर वार्तालाप करने का अवसर भी मिलता है।

वर्ष के दौरान समिति ने 3145 क्षेत्र कार्यक्रम, बिक्री केन्द्रों के कार्मिकों के लिए 650 प्रशिक्षण कार्यक्रम, 76 फसल सेमिनार और 397 कृषि अभियान आयोजित किये। विभिन्न राज्यों में मिट्टी के 88,185 नमूनों का विश्लेषण किया गया, जिसमें 8 सचल मृदा परीक्षण वाहनों द्वारा जांचे गए मिट्टी के 25,090 नमूने भी शामिल हैं। उर्वरकों के संतुलित प्रयोग के लिए इन परिणामों को किसानों के साथ साझा किया गया। इसके अलावा, क्षेत्रीय कार्यक्रमों में 5973 महत्वपूर्ण आदान पैकेज (सीआईपी) किट्स जिनमें बीज, उर्वरक, जैव उर्वरक और कृषि रसायन आदि होते हैं, किसानों के बीच वितरित किये गए ताकि वे अच्छी फसल उगा सकें। वर्ष 2020–21 के दौरान, समिति ने विभिन्न राज्यों में कृषि, सामाजिक तथा सामुदायिक विकास कार्यक्रमों एवं 13 विशेष परियोजनाओं पर गहन कार्य किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र टिंडीवनम, तमिलनाडु में इफको पोषण अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम

भूमि बचाओ अभियान

उर्वरकों के अंधाधुंध व असंतुलित प्रयोग से मृदा की उर्वरा शक्ति और फसल उत्पादकता बुरी तरह प्रभावित होती है। इस बात को ध्यान में रखते हुये, इफको ने अपना "भूमि बचाओ" अभियान जारी रखा है। इस अभियान के अंतर्गत इफको मृदा पुनरुद्धार तथा फसल उत्पादन में वृद्धि पर जोर दे रही है और इस प्रयोजन के लिए विभिन्न गतिविधियां जैसे कि मृदा परीक्षण, समस्याग्रस्त मृदा का सुधार, जैविक खाद के प्रयोग व उत्पादन को बढ़ावा देना, फसलों में विविधीकरण, फसल चक्र में दलहनी फसलों की खेती को शामिल करना आदि चला रही है। समिति ने किसानों को बायो–गैस की स्थापना करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। समिति ने "प्रति बूंद अधिक फसल" पर भी जोर दिया है, जो बेहतर जल प्रबंधन के लिए चलाया गया एक अभियान है। इसका उद्देश्य भूमिगत जल स्तर को सुधारना तथा अतिरिक्त भूमि को सिंचित क्षेत्र में लाना है। समिति द्वारा किए जा रहे इन सभी प्रयासों से किसानों को विविध प्रकार की अधिक लाभकारी फसल प्रणालियों तथा उच्च पैदावार देने वाली फसलों को उगाने का अवसर प्राप्त हुआ है। प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) और गांधीनगर (गुजरात) जिलों में फसल उत्पादकता तथा किसानों की आमदनी को उच्चतम स्तर पर बढ़ाने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी), किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) तथा कृषि में मशीनीकरण की भूमिका को बढ़ाने संबंधी परियोजना शुरू की गई है।

ग्राम अंगीकरण

इफको द्वारा ग्राम अंगीकरण कार्यक्रम सतत कृषि विकास के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र सामाजिक–आर्थिक विकास के उद्देश्य से चलाया जाता है। इस कार्यक्रम के तहत उर्वरकों के संतुलित प्रयोग, उत्तम गुणवत्ता के बीज तथा बेहतर कृषि प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जाता है। चालू वर्ष के दौरान, 228 अंगीकृत गांवों में विभिन्न सामाजिक तथा सामुदायिक विकास कार्यक्रम, चिकित्सा तथा पशु स्वास्थ्य जांच अभियान, ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि आयोजित किये गए।

इफको किसान मित्र क्लब

किसानों को नियमित रूप से सहयोग प्रदान करने के लिए आपकी समिति ने प्रत्येक जिले में किसान मित्र क्लब खोला है। व्हाट्सऐप ग्रुप तथा अन्य कार्यक्रमों के जरिए किसान मित्र क्लब के सदस्यों के साथ नियमित बैठकें की जा रही हैं, उन्नत कृषि आदानों (पानी में घुलनशील उर्वरकों, जैव उर्वरकों, सागरिका आदि) के लिए मदद प्रदान की जा रही है तथा आधुनिकतम तकनीकों के बारे में जानकारी साझा की जा रही है। देश के 21 राज्यों में कुल 8800 से अधिक किसान मित्र क्लब सक्रिय हैं जिनमें लगभग 6.5 लाख सदस्य हैं।

GHC forged strategic trilateral alliances across the government, industries and communities. GHC through a strategic alliance with IFFCO has setup most of their Primary Clinics at IFFCO Bazar centres located across. GHC has a strong presence at 100+ centres in 7 states namely Uttar Pradesh, Maharashtra, West Bengal, Haryana, Meghalaya, Bihar and Jharkhand. It has also launched technology based novel products such as Gramin Health Cards, dedicated apps to service the health needs of the rural people. Assisted Telemedicine is one more vital technology initiative/ intervention launched by GHC, through which qualified and trained Nurses / Health Assistants at Primary Clinics, conduct physical check-ups, measure vitals and create an Electronic Health Records (EHRs) of patients using dedicated nurse apps. This will definitely improve the health of people located in rural areas.

PRESERVING ENVIRONMENT AND SUSTAINABLE COMMUNITIES

As an organisation committed towards Sustainable Development Goals, your Society continuously works towards nurturing communities and supporting environment. Several activities are conducted all year around including educating farmers on environment-friendly agriculture techniques.

Farmers Extension Activities

Various promotional and extension programmes were organised with the primary focus on improving soil health, promoting balanced and integrated use of fertilisers and educating farmers about the importance of secondary and micronutrients. Programmes were also organised on latest agri-technology so as to enhance crop productivity through efficient use of fertilisers, water conservation etc. These promotional programmes also provide a platform for interaction with co-operatives, channel partners and farmers on various issues related to agriculture and agri-inputs.

During the year, Society conducted 3145 field programmes, 650-sales point personnel training programmes, 76 crop seminars and 397 agricultural campaigns. 88,185 soil samples in different states were analysed including 25,090 soil samples analysed by 8 mobile soil testing vans. The results were shared with the farmers for balanced use of fertilisers. Additionally, 5973 Critical Input Package (CIP) Kits containing seeds, fertilisers, biofertilisers, agro chemicals etc. were also distributed to the farmers in the field programmes for obtaining better yield. During the year 2020-21, the Society worked intensively in 13 special projects on agricultural, social and community development programmes organised in various States.

Wall painting at an IFFCO member Cooperative Society in Banwara, Rajasthan

Save the soil campaign

Soil fertility and crop productivity is adversely affected due to indiscriminate and imbalanced use of fertilisers. Keeping this in view, Society has continued the "Save the Soil" campaign with emphasis on soil rejuvenation and crop productivity enhancement, by undertaking various activities. These include, soil testing, reclamation of problematic soils, promoting use and production of organic manure, crop diversification, introduction of pulses in cropping system, etc. The Society has also assisted farmers by providing financial assistance for installation of biogas plants. Society also gave thrust on - Per Drop More Crop, a campaign for better water management, aimed at improving the ground water table and bringing additional area under irrigation. These efforts have provided an opportunity to the farmers for adopting diversified cropping systems and high yielding varieties. A project for enhancing role of Soil Health Card (SHC), Kisan Credit Card (KCC) and farm mechanisation for maximising crop productivity and farmers' income has been undertaken at Prayagraj (Uttar Pradesh) & Gandhinagar (Gujarat) districts.

Village Adoption

The village adoption programme is run with the objective of bringing overall socio-economic development in villages and achieve sustainable agriculture development. Particular emphasis is given on balanced use of fertilisers, quality seeds and better farm management. Various activities, including, social and community development programmes, medical and veterinary check-up campaigns, training programmes for rural women etc., were organised in 228 adopted villages during the current year.

IFFCO Farmer's Friend Club

In order to support farmers on a regular basis, your Society has formed Farmer's Friend Clubs in each district. Regular meetings and support for advanced agriculture inputs (water soluble fertilisers, bio-fertilisers Sagarika etc.) as well as sharing of latest technologies are being done with the members through WhatsApp groups and other interactive programmes. More than 8800 Farmer's Friend clubs are operational in 21 states with around 6.5 lakh members.

परंपरागत उद्यान का विकास

''परंपरागत स्वर्ण जयंती उद्यान परियोजना'' आपकी समिति के आंवला संयंत्र में आईएफएफडीसी द्वारा कार्यान्वित की जा रही है। इस परियोजना का उद्देश्य वृक्षों की परंपरागत (देसी) प्रजातियों तथा लुप्त होने की कगार पर खड़ी प्रजातियों का संरक्षण करना है।

नीम पौधरोपण एवं उन्नत प्रजातियों का विकास

इफको द्वारा जून 2015 से भारतीय वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) देहरादून के साथ मिलकर नीम में पॉलीप्लाइड के अधिष्ठापन, मूल्यांकन एवं विकास परियोजना का संचालन किया जा रहा है । इसके उद्देश्य इस प्रकार है :

1) अग्रिम वांछनीय गुणों के साथ नई प्रजातियों की पहचान व चयन।
2) विभिन्न प्रजातियों में पॉलीप्लाइड का अधिष्ठापन, स्क्रीनिंग एवं गुणों का अध्ययन कर अनुवांशिक भिन्नता एवं विविधता हेतु पॉलीप्लाइड का निर्माण।
3) प्रजातियों के परीक्षण के बाद उनके व्यापक गुणन हेतु बहु स्थानीय परीक्षण सह जर्मप्लाज्म बैंक की स्थापना।
4) व्यावसायिक खेती हेतु उच्च पैदावार एवं स्थिर प्रजातियों का विमोचन करना।

उच्च गुणक्तायुक्त प्रजातियों का चयन, अंकन एवं मूल्यांकन कर उनके बहुस्थानीय परीक्षण किये गए हैं। इनमें से कुछ प्रजातियों ने 2.5 मीटर से अधिक ऊंचाई, 15 मजबूत शाखाओं और अधिक मोटे घेरे के साथ विकास किया है। कोलचीसीन के साथ प्राकृतिक एवं अधिष्ठापित पॉलीप्लाइड को रिकार्ड किया गया है। इन प्रजातियों में 67.31 प्रतिशत : तेल की मात्रा (सामान्यतया 33 प्रतिशत) तथा 15,811 पीपीएम एजडरक्टिन अवयव (900 पीपीएम सामान्य) पायी गयी है। उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष तक किसानों को नीम की नई उन्नत किस्म उपलब्ध करा दी जाएगी ।

2020–21 में समिति ने भारत के सभी राज्यों में 'नीम पौधरोपण अभियान' चलाया। विभिन्न राज्यों के समुदायों को खेतों, स्कूलों, सहकारी परिसरों, आवासीय क्षेत्र आदि में पौधरोपण के लिए नीम के पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराए गए।

ऊर्जा संरक्षण एवं प्रमाणन

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए समिति की सभी इकाइयां और टाउनशिप आकर्षक प्राकृतिक सौंदर्य से सज्जित हैं जिनमें हजारों पेड़–पौधे लगे हुए हैं । आपकी समिति अपनी उत्पादन इकाइयों में और उनके आस–पास अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। गैर–पारंपरिक ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए सभी संयंत्रों और टाउनशिप में सोलर रूफटॉप पावर प्लांट लगाए गए हैं। पारंपरिक बिजली के उपकरणों के स्थान पर ऊर्जा दक्ष उपकरणों के प्रयोग से संयंत्रों और टाउनशिप में बिजली की वार्षिक खपत में कमी आई है। घरेलू कचरे का उपचार एक वर्मी–कम्पोस्ट प्रणाली में किया जाता है और खाद के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा, कर्मचारियों, संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों और ग्रामीणों के लिए पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम भी नियमित रूप से आयोजित किये जाते हैं।

इफको अपनी सभी उत्पादन इकाइयों में उर्वरक उत्पादन सुविधाओं हेतु हमेशा आधुनिक तकनीकों के प्रयोग को बढ़ावा देती है। सिस्टम की निरंतर निगरानी, बेंचमार्किंग और प्रणाली में सुधार के माध्यम से आपकी समिति यह सुनिश्चित करती है कि इन इकाइयों में उत्पादों और प्रणाली की सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता उच्च स्तर की हो।

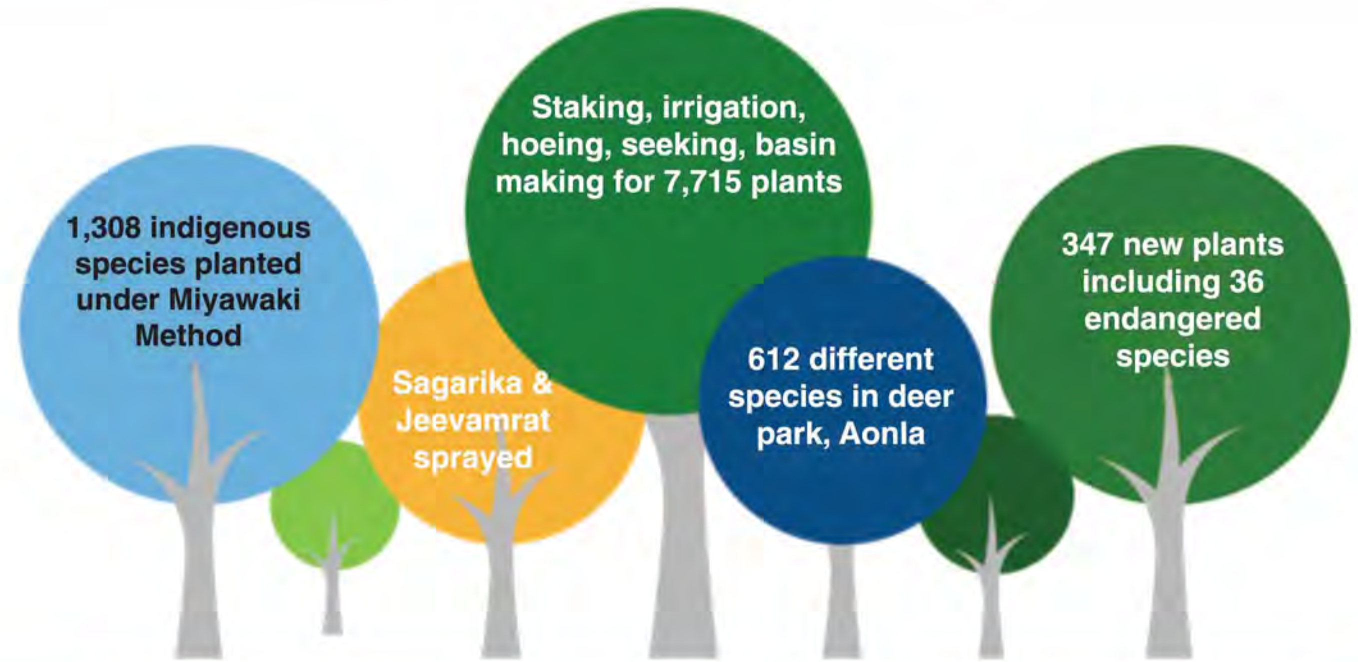

DEVELOPMENT OF TRADITIONAL ORCHARD

"Paramparagat Swarn Jayanti Udyan Pariyojna" is being implemented by IFFDC at your Society's Aonla plant. The objective of the project is to conserve and restore the traditional species as well as the species on the verge of extinction.

Neem Plantation and Development of Improved Variants

The Society has undertaken a project on induction, evaluation and development of polyploids in NEEM (Azadirachta indica) in collaboration with Forest Research Institute Dehradun in June 2015 with following objectives: -

- Identification and selection of high yielding neem genotypes for advance desirable characters.
- Induction, Screening and Characterisation of different genotypes and creation of polyploids for genetic variation and diversity.
- Establishment of multi-locational trials cum germplasm banks for progeny testing followed by mass multiplication and
- Release of high yielding and stable genotypes for commercial cultivation.

A series of plus trees (superior genotypes) were selected, indexed, assessed and location trials were undertaken in different States. Some genotypes have attained a height of more than 2.50 meter with 15 dominant branches and a greater diameter of growth. Natural and induced polyploidy with colchicine have been recorded. Germplasm with 67.31% oil content in kernel (33% found normal); 15,811 ppm Azadirachtin content (900 ppm normal) have been identified. It is expected that new improved neem variety would be available for farmers by the next financial year.

In 2020-21, Society undertook 'Neem Plantation Campaign' across all states in India. Neem saplings were provided free of cost to community of different states for plantation at fields, schools, cooperative premises, residential area etc. across different States.

ENERGY CONSERVATION & CERTIFICATION

To set an example in environment protection, all the units and townships of your Society have maintained attractive landscapes surrounded by thousands of trees. In line with international norms, your Society is committed to continuously improving the safety, health and environment in and around its manufacturing units. As a step towards promoting non-conventional energy, solar rooftop power plants have been installed at all the plants and townships. Replacement of conventional electrical devices with energy efficient devices has led to the reduction in annual electrical power consumption in plants and townships. Domestic waste is treated in a vermi-compost system and used as manure. Moreover, environmental awareness programs for employees, contractual staff and villagers are also conducted on a regular basis.

Your Society promotes state-of-the-art technologies in fertiliser production at all its production units. Through continuous monitoring, benchmarking and improvement of systems, your Society ensures that products and systems possess high standards of safety, reliability, and quality.

मैनेजमेंट सिस्टम एंड सर्टिफिकेशन

- क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसओ 9001:2015)
- एन्वायरन्मेंट मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसओ 14001:2015)
- ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम (ओएचएसएएस 18001:2007 ओएचएसएएस 45001:2018)
- एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसओ 50001:2018)

इफको की उत्पादन इकाइयों को विश्व भर की वैलिडेशन एजेंसियों द्वारा इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम (आईएमएस) से प्रमाणित किया गया है जिसमें क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसओ 9001:2015), एन्वायरन्मेंट मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसओ 14001:2015) तथा ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम (ओएचएसएएस:18001:2007, ओएचएसएएस 45001:2018) शामिल हैं।

पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए इफको की इकाइयों को एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसओ 50001:2018) भी प्राप्त हुआ है। इफको कांडला तथा कलोल टाउनशिप को पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 14001:2015) से नवाजा गया है।

सौर ऊर्जा का उपयोग करने तथा ऊर्जा संरक्षण के लिए किये गए अन्य प्रयासों के लिए इफको के कारपोरेट कार्यालय तथा इफको कलोल टाउनशिप, कस्तूरी नगर को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) के रेटिंग सिस्टम के तहत ग्रीन रेजिडेंशियल सोसाइटी रेटिंग सिस्टम प्रमाण–पत्र दिया गया है।

इन प्रमाणपत्रों से उत्पादकता में निरंतर सुधार के लिए गुणवत्ता स्तर बढ़ाने में मदद मिलती है।

वर्ष 2020–21 के दौरान भी इफको ने प्रचालन उत्कृष्टता, संयंत्र सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा दक्षता मानदंडों के मामले में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखने के कारण "इंडस्ट्री स्टीवार्डशिप चैंपियन" का खिताब कायम रखा है। इफको को मिला यह सम्मान दर्शाता है कि इफको की सतत विकास प्रणाली वैश्विक मानकों के अनुरूप है ।

वित्तीय रेटिंग

समिति को अपनी वित्तीय सुदृढ़ता तथा मजबूत नकदी प्रवाह के परिणामस्वरुप अच्छी रेटिंग्स प्राप्त होती है। रेटिंग एजेंसियों द्वारा दी गई मजबूत रेटिंग्स से समिति को प्रतियोगी दरों पर ऋण मिलता है और उसकी कार्यशील पूंजी की स्थिति मजबूत होती है। विभिन्न रेटिंग एजेंसियों द्वारा समिति को निम्नलिखित प्रकार की रेटिंग्स मिली हैं :

गुरुग्राम, हरियाणा में इफको नैनो यूरिया प्लॉट का प्रदर्शन

क्रिसिल रेटिंग्स

क्रिसिल द्वारा समिति की कार्यशील पूंजी निधि तथा नॉन फंड आधारित सुविधाएं/अल्पावधिक ऋणों /वाणिज्यिक पेपर प्रोग्राम के लिए ए1+ (ए वन प्लस) रेटिंग तथा दीर्घावधिक ऋणों (फंड आधारित सीमाओं के लिए) एए +/स्टैबल रेटिंग दी गई है जो यह दर्शाती है कि वित्तीय देयताओं के समय पर भुगतान के मामले में सुरक्षा का स्तर बहुत सुदृढ़ है। ऐसे इंस्ट्रूमेंट्स में क्रेडिट जोखिम बहुत कम होता है।

रेटिंग्स अपग्रेड वित्तीय जोखिम में निरंतर सुधार को दर्शाता है । इसके पीछे मजबूत नकद उपार्जन, किसी प्रकार की बड़ी ऋण वित्त–पोषित पूंजी बजट (कैपेक्स) योजनाओं की अनुपस्थिति और सब्सिडी बकाये रहित सतत कार्यशील पूंजी की भूमिका रहती है। यह इफको के मजबूत बाजार नेतृत्व, स्वस्थ परिचालन क्षमता और मजबूत वित्तीय लचीलेपन का परिचायक है।

आईसीआरए रेटिंग्स

समिति की बैंक सुविधाओं की रेटिंग्स मजबूत वित्तीय प्रणाली, अनुभवी प्रबंधन तथा भारतीय उर्वरक उद्योग में इफको की मजबूत स्थिति की वजह से निरंतर सुदृढ़ हो रही है। निरन्तर प्रचालन दक्षता, यूरिया प्रचालनों में लगातार ऊर्जा बचत, फास्फेटिक उर्वरकों, व्यापारिक गतिविधियों और लाभकारी उद्यमों में निवेश के माध्यम से कई व्यावसायिक क्रियाकलापों, सुदृढ़ बाजार छवि तथा व्यापक विपणन तथा वितरण तंत्र में भी इन रेटिंग्स की भूमिका होती है।

आईसीआरए द्वारा समिति की कार्यशील पूंजी निधि तथा नॉन फंड आधारित सुविधाओं/अल्पावधिक ऋणों के लिए ए1+ (ए वन प्लस) रेटिंग तथा दीर्घावधिक ऋणों (फंड आधारित सीमाओं के लिए) एए+ (डबल ए पोजिटिव) रेटिंग दी गई है । छवि में बदलाव वित्तीय जोखिम में सुधार को दर्शाता है, जो मुख्य रूप से वित्त वर्ष 2021 के लिए उर्वरक बजट आवंटन में संशोधन की वजह से कार्यशील पूंजी ऋण में आयी कमी के कारण संभव हुआ है ।

इंडिया रेटिंग्स

इंडिया रेटिंग्स द्वारा समिति की कार्यशील पूंजी निधि तथा नॉन फंड आधारित सुविधाएं/अल्पावधिक ऋणों के लिए ए1+ (ए वन प्लस) रेटिंग तथा दीर्घावधिक ऋणों (फंड आधारित सीमाओं के लिए) एए (डबल ए स्टेबल) रेटिंग दी गई है जो यह दर्शाती है कि वित्तीय देयताओं के समय पर भुगतान के मामले में सुरक्षा का स्तर सुदृढ़ है। ऐसे इंस्ट्रूमेंट्स में क्रेडिट जोखिम बहुत कम होता है।

Management Systems & Certification

- Quality Management System (ISO 9001:2015),
- Environment Management System (ISO 14001:2015)
- Occupational Health and Safety Management system (OHSAS: 18001:2007, OHSAS: 45001:2018)
- Energy Management System (ISO 50001:2018)

IFFCO manufacturing sites are certified with Integrated Management System (IMS) i.e, Quality Management System (ISO 9001:2015), Environment Management System (ISO 14001:2015) and Occupational Health and Safety Management system (OHSAS: 18001:2007, OHSAS: 45001:2018) by globally recognised validation agencies.

All the units of your Society certified with Energy Management System (ISO 50001:2018) for improvement in environment quality and mitigation of Greenhouse Gas Emissions. IFFCO Kandla and Kalol Township are conferred with the Environment Management System (ISO 14001:2015).

IFFCO Corporate office, IFFCO Township at Gurugram and IFFCO Kalol Township at Kasturi Nagar are conferred with Green Residential Society Rating System of Indian Green Building Council (IGBC) for utilisation of solar energy and other energy conservation efforts.

These certifications help in enhancing quality standards to ensure continuous improvement in productivity.

In the year 2020, IFFCO continued to remain an "Industry Stewardship Champion" for being at the hallmark of operational excellence, plant safety, environment sustenance and energy efficiency benchmarks. The recognition demonstrates that IFFCO's sustainable work is in line with global standards.

FINANCIAL RATINGS

The Society enjoys prime credit ratings as a result of its fiscal prudence and strong cash flows. The strong credit ratings ascribed by rating agencies allow your Society to borrow funds at competitive rates which positively impacts its working capital position. The Society was rated by different accredited Rating Agencies as under:

IFFCO Nano Urea + Nano Zinc plot demonstration in Fatehabad, Haryana

CRISIL RATINGS

CRISIL rated the Society's working capital fund and non-fund based facilities / short term loans / commercial paper at A1+ (A One Plus) and long term borrowings (fund based limits) at AA+ / Stable, which indicate a very strong degree of safety regarding timely payment of financial obligations. Such instruments carry lowest credit risk.

The ratings upgrade reflects the sustenance of the improved financial risk profile driven by strong cash accruals, absence of any major debt-funded capital expenditure (capex) plans and sustenance of working capital position with no material built-up of subsidy arrears. It also reflects IFFCO's strong market leadership, healthy operating efficiencies and robust financial flexibility.

ICRA RATINGS

The ratings of the bank facilities of the Society continue to derive strength from strong financial systems, experienced management and the dominant position of IFFCO in Indian fertiliser industry. These ratings also factor in the steady operational efficiency, sustained energy savings in its urea operations, diverse income streams with presence across urea, phosphatic fertilisers, trading activities, and investments in profitable ventures, strong market image and wide marketing & distribution network.

ICRA has assigned A1+ (A One Plus) rating to Society's working capital fund and non-fund based facilities/short term loans and AA+ (Double A Positive) rating to the long term borrowings (fund based limits). The revision in outlook reflects improvement in the financial risk profile, driven by reduction in working capital borrowing mainly on account of revision in fertiliser subsidy budget allocation for fiscal 2021.

INDIA RATINGS

India Ratings has assigned A1+ (A One Plus) rating to Society's working capital fund and non-fund based facilities/short term loans and AA (Double A Stable) rating to the long term borrowings (fund based limits). These ratings indicate a very strong degree of safety regarding timely payment of financial obligations. Such instruments carry lowest credit risk.

आभार

निदेशक मंडल विभिन्न कार्यक्रमों में अपने कर्मचारियों द्वारा दर्शाई गई प्रतिबद्धता के लिए उनका आभार व्यक्त करता है। महामारी के दौरान कर्मचारियों के अनवरत प्रयासों के कारण ही समिति इन शानदार परिणामों को हासिल कर सकी है।

आपके निदेशकगण, भारत सरकार के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं, जिनसे हमें निरंतर भरपूर मार्गदर्शन और समर्थन मिला । विशेष रूप से उर्वरक विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने नए विचारों और कार्यप्रणाली को सदैव प्रोत्साहित किया है। विभिन्न राज्य सरकारों ने भी आपकी समिति को अतिआवश्यक सहयोग प्रदान किया ।

निदेशक मंडल विभिन्न वित्तीय संस्थाओं एवं वाणिज्यिक बैंकों, समिति के बहुमूल्य उपभोक्ताओं विशेषकर राष्ट्रीय तथा शीर्ष सहकारी संस्थानों तथा विपणन महासंघों का धन्यवाद करता है, जिन्होंने अपना विश्वास बनाए रखा और इफको के नवाचार को लेकर हमेशा अपनी उत्सुकता दर्शाई। आशा है कि भविष्य में भी वे किसानों तक नैनो उर्वरक पहुंचाने में अपना सहयोग व समर्थन प्रदान करेंगे। निदेशक मंडल ठेकेदारों, विक्रेताओं और परामर्शदाताओं की भी सराहना करता है जिन्होंने संगठन में विभिन्न परियोजनाओं के कार्यान्वयन में अपना योगदान दिया ।

आपका निदेशक मंडल, सेनेगल सरकार, जोर्डन सरकार, ओमान की सल्तनत, दुबई सरकार, आंध्र प्रदेश सरकार, सिक्किम सरकार, डाक विभाग – सूचना मंत्रालय, इंडियन पोटाश लिमिटेड, ओमान ऑयल कम्पनी, टोक्यो मेरीन एशिया प्रा. लि., जोर्डन फास्फेट्स माइनिंग कम्पनी, मित्सुबिशी कारपोरेशन, एनसीडैक्स, भारती एयरटेल लि., स्टार ग्लोबल लिमिटेड, एनएच कैपिटल कंपनी लिमिटेड, एक्वाएग्री प्रोसेसिंग प्रा. लिमिटेड, इंडोरमा होल्डिंग्स बी. वी., सी एन नवारा, स्पेन, स्वान एनर्जी लिमिटेड, ट्रायम्फ ऑफशोर प्रा. लिमिटेड (टीओपीएल), बृहस्पति मर्केन्टाइल प्रा. लि. और सीएससी ई–गवर्नेंस का भी इफको की संयुक्त उद्यम परियोजनाओं व सहायक संस्थाओं में भागीदारी करने और सहयोग प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त करता है।

आपके निदेशकगण सदस्य सहकारी समितियों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने समिति को निरन्तर संरक्षण और सहयोग प्रदान किया तथा प्रबंधन में अपना अटूट विश्वास बनाए रखा।

अंत में निदेशक मंडल आप सभी को पुनः विश्वास दिलाता है कि आपकी समिति कार्यकुशलता में सुधार लाने, लाभदेयता और प्रचालन लाभ को बढ़ाने के लिए सदैव प्रयत्नशील रहेगी। आपकी समिति सहकारिता आन्दोलन, भारतीय कृषि व ग्रामीण विकास की प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है।

इफको निदेशक मंडल के लिए और उसकी ओर से

बलविन्दर सिंह नकई

(बलविन्दर सिंह नकई)
अध्यक्ष

दिनांकः अप्रैल 29, 2021

ACKNOWLEDGEMENTS

The Board of Directors wishes to place on record its gratitude for the commitment shown by its employees in various functions. It is due to their relentless pursuit of excellence during the pandemic, that your Society has delivered phenomenal results.

Your Directors also wish to acknowledge gratefully the constant support and guidance extended by the Government of India. The Department of Fertilisers, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, in particular, has always been encouraging of new ideas and practices. Various state governments have also provided the much needed support to your Society.

The Board further acknowledges the confidence reposed in the Society by various financial institutions and the commercial banks, the Society's valued customers, in particular, the national and apex level cooperative institutions and marketing federations who have always been enthusiastic about IFFCO's innovations. The Board looks forward to their continued support in taking the Nano fertiliser to farmers. The Board also appreciates the contribution of contractors, vendors and consultants in implementation of various projects in the organisation.

Your Directors would also like to place on record their appreciation for the support received from the Government of Senegal, Government of Jordan, Sultanate of Oman, Government of Dubai, Government of Andhra Pradesh, Government of Sikkim, Department of Post - Ministry of Communication, Indian Potash Ltd., Oman Oil Company, Tokio Marine Asia Pte Limited, Jordan Phosphates Mining Company, Mitsubishi Corporation, NCDEX, Bharti Airtel Ltd., Star Global Ltd., NH Capital Co. Ltd, Aquagri Processing Private Ltd., Indorama Holdings B.V., CN Navarra, Spain, Swan Energy Ltd., Triumph Offshore Pvt. Limited (TOPL), Brahaspati Mercantile Pvt Ltd. and CSC e-governance Services India Ltd. for their support and participation in the Joint Venture Projects of IFFCO and its Associates.

Your Directors express their deep appreciation for member cooperatives for their continued patronage, cooperation and faith in the management team of the Society.

The Board of Directors would like to reassure each one of you that your Society shall carry on with its efforts towards further improving its efficiency, profitability and operating margins. Your Society is committed to the advancement of the cooperative movement, Indian agriculture and rural development.

For and on behalf of the Board of Directors

Balwinder Singh Nakai

(Balvinder Singh Nakai)
Chairman

Dated: April 29, 2021

वर्ष 2020–21 के दौरान इफको को प्राप्त सम्मान व पुरस्कार

कॉरपोरेट

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी द्वारा आयोजित वार्षिक पीआर सम्मेलन में इफको को इसके टेबल कैलेंडर व वार्षिक रिपोर्ट के लिये पुरस्कार ।

कलोल इकाई

- कलोल इकाई को अधिकतम 6.75 लाख मी.टन वार्षिक यूरिया या 5.445 लाख मी.टन वार्षिक यूरिया एवं 401538 मी.टन वार्षिक डीईएफ (32.5 प्रतिशत डब्ल्यूटी यूरिया) या 5.445 लाख मी.टन यूरिया एवं 326250 मी.टन वार्षिक डीईएफ (40 प्रतिशत डब्ल्यूटी यूरिया) और नैनो उर्वरकों (नैनो–नाइट्रोजन / नैनो जिंक / नैनो कॉपर) का प्रति वर्ष 27375 किलोलीटर (केएल) का उत्पादन करने के लिए 1 फरवरी 2021 को पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त हुई है ।
- इफको के अति महत्वाकांक्षी उत्पाद 'नैनो यूरिया (तरल)' को भारत सरकार ने मंजूरी दे दी है।
- गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) ने यूरिया संयंत्र क्षमता वृद्धि, नैनो उर्वरक उत्पादन और डीईएफ उत्पादन के लिए 23 फरवरी 2021 को स्थापना सहमति (भारत सरकार से उपरोक्त पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त करने के बाद) प्रदान की है।
- 8 जुलाई, 2011 से अब तक 9 वर्ष से अधिक (3495 दिन) पूरे हो गए, लेकिन कोई भी दुर्घटना नहीं हुई।
- कलोल इकाई को "सुझाव योजना 2019–20 के तहत सर्वाधिक सहभागिता पुरस्कार– प्रथम पुरस्कार" के लिए चुना गया है।
- इफको–कलोल इकाई को विनिर्माण क्षेत्र के तहत ग्रुप बी में एनएससीआई सुरक्षा पुरस्कार–2019 का विजेता घोषित किया गया है।
- कलोल यूनिट को एचआर बेस्ट प्रैक्टिसेज– 2019 के लिए एनआईपीएम नेशनल अवार्ड के तहत 'सिल्वर ट्रॉफी विजेता'(श्रेणी– सी) के रूप में चुना गया है।
- 'इंसान' द्वारा अक्टूबर, 2020 में "कोविड–19 प्रबंधन नियंत्रण और रोकथाम" विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में इफको कलोल के दो कर्मचारियों को विशेष पुरस्कार के लिए चुना गया है।

पारादीप इकाई

- इफको की पारादीप इकाई को ऊर्जा के मामले में शानदार कार्यनिष्पादन के लिए 11.01.2021 को आभासी रूप से आयोजित एक समारोह में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार से कॉम्प्लेक्स उर्वरक श्रेणी में "राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2020" के तहत प्रथम पुरस्कार विजेता के रूप में सम्मानित किया गया है। उक्त पुरस्कार श्री आर. के. सिंह, विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (आई / सी) तथा कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा दिया गया। श्री एस.डी. शर्मा, महाप्रबंधक (अनुरक्षण व उपयोगिता) और श्री पी.के. महापात्रा, उप महाप्रबंधक (तकनीकी) ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।
- इफको पारादीप इकाई को 07.12.2020 को आयोजित एफएआई वार्षिक सेमिनार 2020 के दौरान निम्न दो पुरस्कार प्राप्त हुए:

  क. वर्ष 2019–20 के लिए "एफएआई एक्सीलेंस इन सेफ्टी अवार्ड" रनर अप। यह पुरस्कार श्री के. जे. पटेल, कार्यकारी निदेशक, इफको पारादीप द्वारा प्राप्त किया गया था।

  ख. कैप्टिव एसिड श्रेणी सहित एनपी / एनपीके उर्वरक संयंत्रों की श्रेणी के तहत लगातार तीन वर्षों तक एफएआई पर्यावरण संरक्षण में प्रथम पुरस्कार जीतने के लिए वर्ष 2019–20 का विशेष पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार। श्री जे.पी. श्रीवास्तव, संयुक्त महाप्रबंधक (ई एण्ड एस), इफको पारादीप ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।

श्री मनसुख एल. मंडाविया, केंद्रीय रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री तथा श्री छबीलेंद्र राउल, सचिव, उर्वरक विभाग द्वारा ये पुरस्कार दिये गये।

- इफको पारादीप इकाई को वृहत स्तर की श्रेणी में ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (ईएनसीओएन) 2020 के तहत सीआईआई पूर्वी क्षेत्र से ऊर्जा संरक्षण प्रणालियों में उत्कृष्टता के लिए "5 स्टार प्रमाण पत्र" प्राप्त हुआ है।
- इफको पारादीप ने इंटर यूनिट इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी मीट 2019–20 में निम्नलिखित पुरस्कार जीते:

  क. सुझाव योजना में उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ इकाई का पुरस्कार

  ख. सर्वश्रेष्ठ समन्वयक पुरस्कार

Honours and awards received by IFFCO during 2020-21

CORPORATE

Public Relations Society of India in its Annual PR conference awarded prize to IFFCO for its table calendar and Annual Report.

KALOL UNIT

- Kalol Unit received the Environmental Clearance (EC) from Ministry of Environment, Forest and Climate Change, GOI, for Urea annual capacity of 6.75 Lakhs MTPA Max or 5.445 Lakh MTPA urea & 401538 MTPA of DEF (32.5% wt. urea) or 5.445 Lakhs MT urea & 326250 MTPA DEF(40% wt urea) and Nano Fertilisers (Nano-Nitrogen/Nano Zinc/Nano Copper) of 27375 Kiloliter (Kl) per year on 1st February 2021.
- IFFCO's highly ambitious 'Nano Urea (Liquid)' has been granted approval by GoI.
- Gujarat Pollution Control Board (GPCB) has granted the Consent to Establish (After obtaining the above Environmental Clearance from GOI) on 23rd Feb 2021 for Urea plant capacity enhancement, Nano fertilizer production and DEF production.
- Completed more than 9 years (3495 days) without reportable accident since 8 July, 2011.
- Kalol Unit has been selected for "Maximum Participation Award under Suggestion Scheme 2019-20 – First Prize".
- IFFCO - Kalol Unit has been declared as a winner of NSCI Suraksha Puraskar-2019 in Group B under the manufacturing Sector.
- Kalol Unit has been adjudged as 'Silver Trophy Winner' (in Category – C) of the NIPM National Award for HR Best Practices – 2019.
- Two employees of IFFCO Kalol have been declared to receive the Special Awards in Poster Competition organized by INSSAN in October, 2020 on the theme "COVID-19 MANAGING CONTROL AND PREVENTION".

PARADEEP UNIT

- IFFCO Paradeep unit has been conferred the winner of First Prize for "National Energy Conservation Award 2020" in complex fertilizer category from Bureau of Energy Efficiency, Ministry of Power, GoI in a virtual function conducted on 11.01.2021 for exemplary energy performance. The award was presented by Sh. R K Singh, Minister of State (I/C) for Power and New & Renewable Energy and Minister of State for Skill Development & Entrepreneurship, Govt. of India. The award was received by Sh. S D Sharma, GM (Maint. & Utility) & Sh. P K Mahapatra, DGM (Tech.).
- IFFCO Paradeep Unit bagged following two awards during FAI Annual Seminar 2020 held on 07.12.2020:

  a. Runner up "FAI Excellence in Safety Award" for the year 2019-20. The award was received by Sh. K J Patel, Executive Director, IFFCO Paradeep.

  b. Special Environment protection award for 2019-20 for winning first prize for three consecutive years in the FAI Environment protection award in NP/NPK fertilizer plants with captive acid category. The award was received by Sh. J P Srivastava, JGM (E&S), IFFCO Paradeep.

Both the awards were presented by Sh. Mansukh L. Mandaviya, Union Minister of State for Chemical & Fertilizers and Sh. Chhabilendra Raul, Secretary, Department of Fertilizers.

- IFFCO Paradeep unit has received "5 STAR CERTIFICATE" for excellence in Energy Conservation practices from CII Eastern Region in the Large Scale Category of Energy Conservation Award (ENCON) 2020.
- IFFCO Paradeep won following prizes in Inter Unit Innovation and Creativity Meet for the year 2019-20:

  a. Best Unit Award for Excellence in Suggestion Scheme

  b. Best Coordinator Award

ग. सर्वश्रेष्ठ सुझाव पुरस्कार

घ. सांत्वना पुरस्कार

- इफको पारादीप इकाई को पर्यावरण उत्कृष्टता के लिए एपेक्स इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली से 28.09.2020 को एपेक्स इंडिया ग्रीन लीफ अवार्ड 2019– "गोल्ड अवार्ड" प्राप्त हुआ है।
- इफको पारादीप इकाई को 24.09.2020 को आभासी तौर पर आयोजित एक समारोह में रसायन और रासायनिक उत्पादों के विनिर्माण की श्रेणी में सुरक्षा प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रणालियों के लिए एनएससीआई सेफ्टी अवार्ड्स– 2019 के तहत नेशनल सेफ्टी काउंसिल ऑफ इंडिया से "प्रशंसा पत्र" प्राप्त हुआ है ।

आंवला इकाई

1. उर्वरक क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण संबंधी उपलब्धियों के लिए भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आंवला– 1 इकाई को वर्ष 2020 का राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (द्वितीय पुरस्कार)।
2. उर्वरक क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण संबंधी उपलब्धियों के लिए भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आंवला– 2 इकाई को वर्ष 2020 का राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (मेरिट प्रमाण पत्र)।
3. उर्वरक उत्पादन के क्षेत्र में इफको आंवला–1 इकाई को द फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा एफएआई बेस्ट टेक्निकल इनोवेशन अवार्ड– 2020 (विजेता)।
4. द फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से नाइट्रोजेनस फर्टिलाइजर प्लांट के लिए इफको आंवला– 1 इकाई को एफएआई बेस्ट प्रोडक्शन परफॉर्मेंस अवार्ड– 2020 (विजेता)।
5. जल प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए सीआईआई–राष्ट्रीय पुरस्कार के 14वें संस्करण में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा "विदिन द फेंस" श्रेणी के तहत जल प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (विजेता)।
6. 2016 से 2018 की तीन वर्षों की अवधि के दौरान व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य में सराहनीय उपलब्धि के लिए भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा एनएससीआई सेफ्टी अवार्ड्स– 2019 (प्रशंसा पत्र)
7. ऊर्जा प्रबंधन 2020 में उत्कृष्टता के लिए 21वें राष्ट्रीय पुरस्कार के तहत, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), हैदराबाद द्वारा आँवला– 2 इकाई को ऊर्जा दक्ष इकाई पुरस्कार।
8. वर्ष के दौरान 925 सुझावों के लिए 10वीं इंटर यूनिट इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी में इंसान–एनआईसी द्वारा सर्वाधिक सहभागिता पुरस्कार 2019–20 (रनर अप)।
9. ग्रीनटेक फाउंडेशन, नई दिल्ली की ओर से उर्वरक क्षेत्र में पर्यावरण प्रबंधन में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए 20वां वार्षिक ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार– 2020 (विजेता)।

कांडला इकाई

1. "पर्यावरण संरक्षण" के लिए एफएआई पुरस्कार

नई दिल्ली में 7–9 दिसंबर 2020 के दौरान आयोजित एफएआई वार्षिक सेमिनार में कांडला इकाई को वर्ष 2019–20 के लिए कैप्टिव एसिड रहित एनपी/एनपीके उर्वरक की श्रेणी में एफएआई "पर्यावरण संरक्षण" पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार श्री मनसुख मंडाविया जी, माननीय रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री, भारत सरकार से प्राप्त हुआ।

2. 31वें इंसान राष्ट्रीय सम्मेलन में जीते गए पुरस्कार

श्री केवल बी नागेश्री ने स्लोगन प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

श्री जिग्नेश पटेल दहियालाल को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ता के लिए मेरिट पुरस्कार ।

3. इंटर यूनिट इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी मीट में बेस्ट यूनिट अवार्ड 2019–20 (रनर अप)

इंटर यूनिट इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी मीट में सुझाव योजना के कार्यान्वयन के लिए कांडला इकाई ने बेस्ट यूनिट अवार्ड 2019–20 (रनर अप) जीता।

c. Best Suggestion Award

d. Consolation Award

- IFFCO Paradeep unit has received Apex India Green Leaf Award 2019- "Gold Award" for Environment Excellence from Apex India Foundation, New Delhi on 28.09.2020.
- IFFCO Paradeep unit has received "Prashansa Patra" Award from National Safety Council of India in NSCI Safety Awards-2019 for best practices in safety management in the category of Manufacturing of Chemicals & Chemical Products in a virtual function conducted on 24.09.2020.

AONLA UNIT

1. National Energy Conservation Award (Second Prize) for Aonla-I Unit from Government of India, Ministry of Power, in appreciation of the achievements in Energy Conservation in the Fertilisers sector for the year 2020.
2. National Energy Conservation Award (Certificate of Merit) for Aonla-II Unit from Government of India, Ministry of Power, in appreciation of the achievements in Energy Conservation in the Fertilisers sector for the year 2020.
3. FAI Best Technical Innovation Award-2020 (Winner) for IFFCO Aonla-I Unit in the field of fertiliser production from The Fertiliser Association of India.
4. FAI Best Production Performance Award-2020 (Winner) for IFFCO Aonla-I Unit for Nitrogenous Fertiliser Plant from The Fertilizer Association of India.
5. National Award for Excellence in Water management (Winner) under "Within the Fence" category from Confederation of Indian Industry (CII), in 14th Edition of CII-National Awards for Excellence in Water Management 2020.
6. NSCI Safety Awards-2019 (Prashansa Patra) from Nation Safety Council of India in recognition of appreciable achievement in Occupational Safety & Health during the assessment period of three years- 2016 to 2018.
7. Energy Efficient Unit Award for Aonla-I Unit from Confederation of Indian Industry (CII), Hyderabad, under 21st National Award for Excellence in Energy Management 2020.
8. Maximum Participation Award 2019-20 (Runner Up) with 925 number of suggestions, from INSSAN-NIC in 10th Inter unit Innovation & Creativity meet.
9. 20th Annual Greentech Environment Award-2020 (Winner) in Fertiliser sector for outstanding achievements in Environment Management from Greentech Foundation, New Delhi.

KANDLA UNIT

1. FAI award for "Environment Protection"

Kandla Unit has received FAI award for "Environment Protection" in the category of NP/NPK fertilizer without captive acid for the Year 2019-20 at the FAI Annual seminar held during 7-9th December 2020 at New Delhi. The award was received from Shri Mansukh Mandaviyaji, Honorable Minister of State of Chemical & fertilizers, Govt. of India.

2. Awards won at 31st INSSAN National convention

Shri. Keval B Nageshri won 2nd Rank in Slogan competition.

Shri. Jignesh Patel Dahyalal, won Merit Award for best presenter.

3. Best Unit Award 2019-20 (Runner up) at Inter Unit Innovation and Creativity Meet

Kandla Unit has won Best Unit Award 2019-20 (Runner up) for implementation of Suggestion Scheme in Inter Unit Innovation and Creativity Meet.

4. इंटर यूनिट इनोवेशन और क्रिएटिविटी मीट में सर्वश्रेष्ठ सुझाव का पुरस्कार

11–12 सितंबर, 2020 के दौरान आयोजित इंटर यूनिट इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी मीट में सर्वश्रेष्ठ सुझाव पुरस्कार के तहत श्री जिग्नेश पटेल को तीसरा स्थान और सांत्वना पुरस्कार के तहत श्री आर सी भीमानी को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।

5. वर्ष 2019–20 के लिए कांडला सीमा शुल्क का उच्चतम करदाता

इफको कांडला को वर्ष 2019–20 के लिए कांडला सीमा शुल्क का उच्चतम करदाता माना गया है।

फूलपुर इकाई

1. एफएआई सर्वश्रेष्ठ उत्पादन प्रदर्शन पुरस्कार– 2020

इफको फूलपुर इकाई को नाइट्रोजीनस उर्वरक श्रेणी में एफएआई सर्वश्रेष्ठ उत्पादन प्रदर्शन पुरस्कार– 2020 के लिए रनर–अप ट्रॉफी प्राप्त हुई है। यह पुरस्कार श्री मनसुख मंडाविया, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), जहाजरानी मंत्रालय सह राज्य मंत्री, रसायन और उर्वरक मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया।

2. ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई), विद्युत मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार– 2020

इफको फूलपुर इकाई–1 को ऊर्जा दक्षता ब्यूरो(बीईई), विद्युत मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार– 2020 के तहत ''प्रथम पुरस्कार'' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उर्वरक क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण संबंधी उपलब्धियों के लिए दिया गया है। श्री आर के सिंह, ऊर्जा व नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

3. भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा ऊर्जा प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए 21वां राष्ट्रीय पुरस्कार

- भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), हैदराबाद द्वारा इफको फूलपुर– 1 इकाई को ''उत्कृष्ट ऊर्जा दक्ष इकाई'' के रूप में सम्मानित किया गया है। सीआईआई हैदराबाद द्वारा इस पुरस्कार की घोषणा 28 अगस्त 2020 को आयोजित ''ऊर्जा प्रबंधन 2020 में उत्कृष्टता के लिए सीआईआई के 21वें राष्ट्रीय पुरस्कार'' से संबंधित एक ऑनलाइन कार्यक्रम में की गई थी ।
- भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) हैदराबाद द्वारा इफको फूलपुर– 2 इकाई को ''ऊर्जा दक्ष इकाई'' के रूप में सम्मानित किया गया है।

4. 20वां वार्षिक ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार 2020

एफएफसीओ फूलपुर इकाई को ''पर्यावरण संरक्षण'' श्रेणी में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए ''20वां वार्षिक ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार– 2020'' से सम्मानित किया गया है।

5. 19वां वार्षिक ग्रीनटेक सेफ्टी अवार्ड 2020

इफको फूलपुर इकाई को ''उद्योग क्षेत्र सुरक्षा उत्कृष्टता'' श्रेणी में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए ''19वां वार्षिक ग्रीनटेक सेफ्टी अवार्ड –2020'' का विजेता घोषित किया गया है।

6. 10वीं वार्षिक इंटर यूनिट इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी मीट

10वीं वार्षिक इंटर यूनिट इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी मीट के दौरान इफको फूलपुर को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त हुए हैं:– क) केस स्टडी के लिए ''सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ता'' ख) तकनीकी प्रस्तुतियों के लिए ''मेरिट पुरस्कार'' (3) ''सर्वश्रेष्ठ कोर्डिनेटर'' के लिए रनर–अप ।

अंतरराष्ट्रीय उर्वरक संघ में इफको

इफको अंतरराष्ट्रीय उर्वरक संघ (आईएफए) का सदस्य है। वर्ष 2019 में प्रचालन उत्कृष्टता, संयंत्र सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा दक्षता मानदंडों के मामले में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखने के कारण इफको को ''इंडस्ट्री स्टीवार्डशिप चैंपियन'' के रूप में सम्मानित किया गया था। इफको को मिला यह सम्मान दर्शाता है कि इफको की सतत विकास प्रणाली वैश्विक मानकों के अनुरूप है। आईएफए की प्रोडक्ट स्टीवार्डशिप गतिविधियों में अपनी सक्रिय भागीदारी के कारण वर्ष 2020 में भी इफको ने ''इंडस्ट्री स्टीवार्डशिप चैंपियन'' का खिताब कायम रखा है।

इफको की गिनती 58 देशों की उन 59 उर्वरक कंपनियों (एन, पी, के) में भी होती है जिन्हें प्रोटेक्ट एंड सस्टेन प्रोग्राम के तहत आईएफए प्रोडक्ट स्टीवार्डशिप एक्सीलेंस से प्रमाणित किया गया था। इस कार्यक्रम के तहत छः क्षेत्रों अर्थात् प्रबंधन प्रणाली, उत्पाद विकास और योजना, सोर्सिंग और ठेकेदार प्रबंधन, विनिर्माण तकनीक तथा ग्राहक आपूर्ति श्रृंखला के साथ ही विपणन, बिक्री और प्रयोग का भी निरीक्षण किया गया था। शेष वैश्विक उद्योग के प्रदर्शन स्तर को सामने रखकर इनके प्रदर्शन स्तर का मानक तय किया गया।

4. Best Suggestion Award at Inter Unit Innovation and Creativity Meet

Best Suggestion Award (3rd Position) (Shri Jignesh Patel) and Consolation Award (2nd Position) (Shri R C Bhimani) in Inter Unit Innovation and Creativity Meet held during 11-12th September 2020.

5. Highest Tax Payer of Kandla Customs for the year 2019-20

IFFCO Kandla has been acknowledged as Highest Tax Payer of Kandla Customs for the year 2019-20.

PHULPUR UNIT

1. FAI Best Production Performance Award-2020

IFFCO Phulpur Unit has received Runner-up Trophy for FAI best Production Performance Award-2020 in Nitrogenous Fertiliser Category. The Award was presented by Shri Mansukh Mandaviya, Minister of State (Independent Charge) in the Ministry of Shipping and Minister of State in the Ministry of Chemicals & Fertilizers.

2. National Energy Conservation Awards-2020 by Bureau of Energy Efficiency (BEE), Ministry of Power

IFFCO Phulpur Unit – I has been awarded the "First Prize" in National Energy Conservation Awards-2020 by Bureau of Energy Efficiency (BEE), Ministry of Power. The award has been given in appreciation of the achievements in Energy Conservation in the Fertilizer Sector. The award was conferred by Shri. R K Singh, MoS for Power & Renewable Energy.

3. 21st National Award for Excellence in Energy Management by Confederation of Indian Industry (CII)

- IFFCO Phulpur-I Unit has been awarded as "Excellent Energy Efficient Unit" by Confederation of Indian Industry (CII) Hyderabad. The award announced on 28th August 2020 in an online event Organized by CII Hyderabad for "CII 21st National Award for Excellence in Energy Management 2020".
- IFFCO Phulpur-II Unit has been awarded as "Energy Efficient Unit" by Confederation of Indian Industry (CII) Hyderabad

4. 20th Annual Greentech Environment Award 2020

IFFCO Phulpur Unit has been awarded "20th Annual Greentech Environment Award-2020" for outstanding achievements in "Environment Protection" category.

5. 19th Annual Greentech Safety Award 2020

IFFCO Phulpur Unit has been declared as the Winner of "19th Annual Greentech Safety Award-2020" for outstanding achievements in "Industry Sector Safety Excellence" category.

6. 10th Annual Inter Unit Innovation and Creativity Meet

During the 10th Annual Inter Unit Innovation and Creativity Meet IFFCO Phulpur Team Won Awards in various categories: a) "Best Presenter" for Case Study b)"Merit Award" for Technical Presentations c) Runner up for "Best Coordinator"

IFFCO at International Fertilizer Association

IFFCO is a member of the International Fertilizer Association (IFA). In the year 2019, IFFCO was recognized as "Industry Stewardship Champion" for being at the hallmark of operational excellence, plant safety, environment sustenance and energy efficiency benchmarks. The recognition demonstrated that IFFCO's sustainable work is in line with Global standards. IFFCO continued to remain an "Industry Stewardship Champion" in the year 2020 as well for its active participation in IFA's product stewardship initiatives.

IFFCO is also one of the 59 fertilizer companies (N, P, K) in 58 countries that had been certified with IFA Product Stewardship excellence under Protect and Sustain programme. Under this programme, six areas were examined i.e. Management system, Product development and planning, Sourcing and contractor management, manufacturing techniques, supply chain to customer, as well as marketing, sales and application. The performance levels are benchmarked against the performance levels of the rest of the Global industry.